हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹112910/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹137900/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹150531/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

ANAND Jewels

Pandri, Raipur

haribhoomi.com

रायपुर, शुक्रवार 10 अप्रैल 2026

CBC 22201/13/0006/2627

अब नेतृत्व की बारी है,
नारी शक्ति वंदन
की ज़िम्मेदारी है
#NariShaktiVandan

13.9+ लाख महिलाओं को वन स्टॉप सेंटर से मिला सहारा

99+ लाख महिलाओं को 181 हेल्पलाइन से मिली मदद

1.6+ लाख संस्थानों में SHe-Box से सुरक्षित माहौल

इन्हें भी रखिए याद.... जंग में खोए अंग, कोई बिना पैर, कोई बिना हाथ और कोई बिना आंखों के जी रहा जिंदादिली से जिंदगी

1 भाग

घायल जवानों की कहानी उन्हीं की जुबानी

लड़ाई में अंग-भंग हुए, नक्सलवाद खत्म हुआ तो मिला शूरवीरों को सुकून

पैर खोया, हौसला नहीं, सबसे बड़ी खुशी हमारा बस्तर नक्सलमुक्त हो गया

नक्सलवाद के खिलाफ डेडलाइन खत्म हो चुकी है। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद नाम का बचा है। नक्सलवाद के खिलाफ हजारों जवानों ने शहादत दी। हरिभूमि ने उनका सम्मान और उनकी शहादत को नमन किया। शहीदों की कहानियां पाठकों तक पहुंचाईं। अब हमारा नमन उन 'जीवित नायकों' को है जो विकलांगता के घावों को पदक की तरह सीने पर सजाए, जिंदगी की लड़ाई लड़ रहे हैं। ये केवल घायल सिपाही नहीं, बस्तर की शांति के वो स्तंभ हैं जिन्होंने अपना वर्तमान देश के भविष्य के लिए होम कर दिया। प्रणामः उन वीर जवानों को जो शहीद तो नहीं हुए, पर जंग ने जिनसे उनके हाथ, पैर या आंखों की रोशनी छीन ली। ऐसे वीर जवान एक..दो...या सौ -दो सौ नहीं हैं। 2000 से अधिक जवानों ने जंग की भारी कीमत चुकाई है। जिनके शरीर पर बारूद के गहरे निशान हैं। किसी का पैर धमाके में उड़ गया, तो किसी की आंखों के आगे हमेशा के लिए अंधेरा छा गया। आज से हरिभूमि आज उन गुमनाम और जीवित नायकों की गाथा सामने ला रहा है, जिन्होंने अंग खोकर भी हारना नहीं सीखा। कोई कृत्रिम पैरों के सहारे तिरंगा थामे खड़ा है, तो कोई एक हाथ से समाज की सेवा कर रहा है। इन जांबाजों का हर घाव बस्तर में लौटती शांति की एक नई इबारत लिख रहा है।

हरिभूमि का सबको नमन ...

नक्सलवाद के खिलाफ दो हजार से ज्यादा जवानों ने चुकाई भारी कीमत

बस्तर संभाग में शांति, सुरक्षा और विकास की स्थापना का संघर्ष कई दशकों से जारी रहा है। नक्सलमुक्त देश के सपने का साकार करने कठिन संघर्ष में पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों ने एक ओर जहां अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान का परिचय दिया जिसमें कुछ वीर अमर हो गए वहीं कुछ ऐसे गुमनाम सिपाही भी हैं जो घायल होकर भी डटे रहे। शहादत और साहस की इस विरासत ने ही बस्तर में शांति की राह बनाई है। शहीदों का त्याग और घायल जवानों का जज्बा यही बस्तर की असली प्रेरणा है जिन्होंने प्राण दिए और जो घाव सहकर भी डटे रहे वही बस्तर की शांति के सबसे मजबूत प्रहरी हैं।

हरिभूमि खास

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

हम बात कर रहे हैं डीआरजी के एक ऐसे जाबांज कमाण्डो की जिसने ब्लास्ट में अपना एक पैर खो दिया, लेकिन इसे कमजोरी बनने नहीं दिया बल्कि अपनी ताकत में बदल दिया। मंगलवार 16 जुलाई 2024 की वह दोपहर वह आज तक भूल नहीं पाए जब नक्सल ऑपरेशन के दौरान तीन नक्सलियों को विस्फोटक के साथ पकड़कर वापस लौट रहे थे तभी गंगालूर थाना क्षेत्र के अरण्डी के करीब पहाड़ में आईईडी ब्लास्ट हुआ, जिसमें उसने अपना एक पैर खो दिया। यह वाकया सुनाते हुए किशन की ▶▶|शेष पेज 7 पर

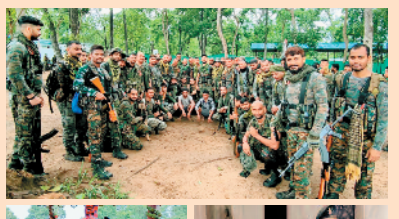

कृषक परिवार में जन्मे किशन

बीजापुर जिले के जांगला थाना क्षेत्र के ग्राम छोटे तुमनार में 15 मार्च 1998 को एक साधारण कृषक परिवार में जन्मे किशन हपका के परिवार में तीन भाई एवं चार बहनें हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उनके परिवार ने उन्हें मेहनत, अनुशासन और संघर्ष के ऊंचे संस्कार दिए, जो उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। 2021 में उनका चयन पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर हुआ। प्रशिक्षण के बाद वे डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) में पदस्थ होकर महत्वपूर्ण नक्सल विरोधी अभियानों का हिस्सा बने।

1416 ने वीरगति प्राप्त की, 2055 सुरक्षा कर्मी हुए घायल

आकंड़ों की बात करें तो बस्तर रेंज में वर्ष 1988 से 5 अप्रैल 2026 तक माओवादी घटनाओं के दौरान 1416 सुरक्षा कर्मियों ने वीरगति प्राप्त की जबकि 2055 सुरक्षा कर्मी गंभीर रूप से घायल हुए। यह आंकड़े केवल संख्याएं नहीं हैं बल्कि उन वीरों की कहानियां हैं जिन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा और क्षेत्र के लोगों के बेहतर भविष्य के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। प्रत्येक शहादत इस संघर्ष की गंभीरता और सुरक्षा बलों की अदम्य भावना को दशार्ती है। इन शहीद जवानों के बलिदान व घायल जवानों के कारण ही आज बस्तर में शांति और स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं।

खबर संक्षेप

अक्षय कुमार शूटिंग के दौरान हुए चोटिल

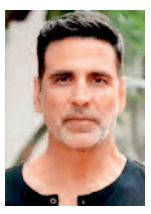

मुंबई। आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' के निर्माताओं ने शूटिंग के वक्त का एक वीडियो साझा किया है, जिसमें अभिनेता अक्षय कुमार फिल्म के सेट पर स्टंट के दौरान चोटिल नजर आ रहे हैं। इस छोटे से वीडियो क्लिप में, कुमार हवा में जंप किक मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, इस दौरान उनका संतुलन बिगड़ जाता है और वह गिर जाते हैं।

शेयर बाजार निवेश के नाम पर 12 करोड़ की ठगी

पुणे। पुणे के एक डॉक्टर से ऑनलाइन शेयर बाजार में निवेश कर भारी मुनाफे का झांसा देकर 12.31 करोड़ रुपए की ठगी की गई। पुलिस ने बताया कि जालसाजों ने उन्हें कई निवेश करने के लिए कथित तौर पर मजबूर किया। पुलिस के अनुसार, जनवरी के अंतिम सप्ताह में 75 वर्षीय व्यक्ति को एक अज्ञात नंबर से संदेश मिला, जिसमें कुछ शेयरों की सूची और एक लिंक दिया गया था। लिंक पर क्लिक करते ही पीड़ित एक 'व्हाट्सऐप ग्रुप' में जुड़ गए।

ईरान ने दी चेतावनी

इजरायल बोला- सीजफायर केवल ईरान तक सीमित

लेबनान पर इजरायली हमलों ने अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम समझौते को नाजुक दौर में पहुंचा दिया है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में वार्ता जारी है, लेकिन ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर लेबनान पर हमले जारी रहे तो यह संघर्षविराम समझौते का उल्लंघन होगा और ऐसी स्थिति में कड़ा जवाब दिया जाएगा। ईरान ने होर्मुज बंद कर दिया है। इधर, इजरायली सेना ने साफ कहा कि यह सीजफायर केवल ईरान तक सीमित है। लेबनान और बेरूत इसमें शामिल नहीं हैं।

सीजफायर के बाद लेबनान पर हमले होर्मुज बंद, युद्ध विराम पर संकट!

एजेंसी ▶▶| तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता से दो हफ्ते का सीजफायर घोषित हुए सिर्फ एक दिन बीता था कि इजरायल ने लेबनान पर भारी हमले शुरू कर दिए। 8 अप्रैल 2026 को तेल अवीव ने सिर्फ 10 मिनट में 160 बम गिराए। 100 अलग-

इजरायल ने लेबनान पर 10 मिनट में 160 बम गिराए

अलग टारगेट को निशाना बनाया। ईरान ने इजराइल द्वारा लेबनान में हमले तेज किए जाने के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर बंद कर दिया, जिससे हाल में हुआ युद्धविराम खतरे में पड़ गया है। अमेरिका ने जलडमरूमध्य को तत्काल खोलने की मांग की है और शांति वार्ता को पटरी पर बनाए रखने की कोशिश की है। अमेरिका और ईरान दोनों ने समझौते को अपनी-अपनी जीत बताया है, वहीं क्षेत्र में ड्रोन और मिसाइल हमले जारी हैं। इस बीच, इजराइल ने ▶▶|शेष पेज 7 पर

ट्रंप का छक्का बदला

ट्रंप ने शुरू में पाकिस्तान के बयान को स्वीकार करते हुए सीजफायर की घोषणा की, लेकिन कुछ घंटों बाद उन्होंने अपना रुख साफ कर दिया कि लेबनान समझौते का हिस्सा नहीं है। कई विश्लेषक इसे "वादे से पलटना" मान रहे हैं। वहीं ट्रंप का तर्क है कि ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के खिलाफ इजरायल की लड़ाई अलग मुद्दा है और अमेरिका-ईरान सीजफायर उससे ताल्लुक नहीं रखता। हालांकि ईरान का कहना है कि क्षेत्रीय शांति के बिना सीजफायर अधूरा है।

बिफरा ईरान कहा- समझौते में लेबनान भी

ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि लेबनान को अमेरिका के साथ हुए किसी भी संघर्षविराम समझौते से अलग नहीं रखा जा सकता। ईरान ने साफ संकेत दिया है कि क्षेत्र में कोई भी दीर्घकालिक शांति समझौता तभी संभव होगा जब लेबनान को भी उसमें शामिल किया जाए। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बगेर गालिबफ ने कहा कि इस मुद्दे पर न तो इनकार की गुंजाइश है और न ही पीछे हटने की।

होर्मुज का जारी किया मैप बारूदी सुरंगों के संकेत

ईरान की अर्धसरकारी समाचार एजेंसियों के प्रकाशित एक चार्ट से संकेत मिलता है कि देश के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने युद्ध के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री बारूदी सुरंगें बिछा दी हैं। यह रिपोर्ट आईएसएनए समाचार एजेंसी और तस्नीम से आई, जिसे रिवोल्यूशनरी गार्ड की करीबी माना जाता है।

अब आगे क्या?

इस्लामाबाद वार्ता 10 अप्रैल से पाकिस्तान में शुरू होनी है। यह हफ्ते के सीजफायर को स्थायी बनाने का मौका है, लेकिन लेबनान का मुद्दा सबसे बड़ा रोड़ा है। क्योंकि तेहरान ने साफ कर दिया है कि अगर लेबनान पर हमले जारी रहे तो ईरान सीजफायर तोड़ सकता है। इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

सीएम साय बोले- युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मिडिल ईस्ट की परिस्थिति और युद्धविराम के संबंध में कहा कि युद्ध होना नहीं चाहिए, क्योंकि युद्ध से किसी समस्या का समाधान नहीं निकलता है। मुख्यमंत्री ने असम में विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि वहां भाजपा फिर से सरकार बनाएगी। साय गुरुवार को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष भाजपा नेता बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक के परसदा स्थित आवास में तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि युद्ध होना ही नहीं चाहिए। उनका कहना है कि हर हाल में संवाद ही रास्ता होना चाहिए।

पांच अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

ओडिशा से मुंबई जा रहा डेढ़ करोड़ रुपए का गांजा जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने नशे के सौदागरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सिंघोड़ा क्षेत्र में इस कार्रवाई में पुलिस ने एक ट्रक से तीन के क्विंटल 12 किलो 590 ग्राम गांजा जब्त किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1 करोड़ 56 लाख 34 हजार 500 रुपए आंकी गई है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि ओडिशा की ओर से एक ट्रक क्रमांक केए 13 डी 7710 में भारी मात्रा ▶▶|शेष पेज 7 पर

1.71 करोड़ की संपत्ति जब्त

पुलिस ने इस पूरी कार्रवाई में गांजे के अलावा तस्करी में इस्तेमाल किए गए ट्रक कीमत 15 लाख, एक लग्जरी कार और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त की गई कुल संपत्ति की कीमत 1 करोड़ 71 लाख 42 हजार 500 रुपए है। सिंघोड़ा थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही है।

12 घंटे के भीतर मास्टरमाइंड गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। अगले 12 घंटों के भीतर पुलिस ने ओडिशा के बरहमपुर से तीन अन्य मुख्य खरीदारों और मददगारों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए इन आरोपियों में जिया उल हक बालाघाट, म.प्र., नदीम अंसारी शामली, उ.प्र. और सुखविंदर उर्फ बुलबुल जम्मू शामिल हैं। ये तीनों आरोपी एक टोयोटा अर्बन क्रूजर कार में सवार थे।

10-20 और 50 के नोट लेकर जा रहा था युवक, 1000 रुपए की गड्डी पर 100 रुपए कमीशन

छोटे नोटों का बड़ा धंधा, सूटकेस में भरकर कटनी जा रहा युवक धरा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

ट्रेन में चेकिंग होने की खबर मिलते ही एक युवक जंगल के छोटे स्टेशन में उतर गया। इसी दौरान अपराधी की तलाश में भटक रही पुलिस की नजर स्टेशन के बाहर उक्त युवक पर पड़ गई, पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़कर सूटकेस व बैग खोलकर देखा तो उनमें नोटों की गड्डियां भरी मिलीं। पुलिस को युवक के पास से 17 लाख 90 हजार रुपए मिले हैं। युवक से रुपए के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

बेलगहना चौकी प्रभारी हेमंत सिंह ठाकुर ने बताया, 6 अप्रैल को

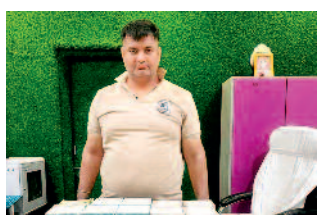

आमागोहन निवासी कल्पना तिवारी के साथ नकाबपोश युवक ने सोने की चेन लूटने की कोशिश की थी। उक्त मामले के आरोपी की पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान टेंगनमाड़ा रेलवे स्टेशन के बाहर एक युवक दो सूटकेस, एक पिट्ठू बैग लेकर खड़ा हुआ था। संदेह होने पर वे स्टाफ के साथ ▶▶|शेष पेज 7 पर

कमीशन में छोटे नोट लेकर जा रहा था

प्रारंभिक पूछताछ में युवक ने पुलिस को बताया, वह कटनी के व्यापारियों के लिए शहर के बैंक व अलग अलग लोगों से छोटे नोट की गड्डी एकत्रित कर कटनी छोड़ने जा रहा था। 1000 रुपए के एवज में उसे व्यापारी 100 रुपए कमिशन देते हैं। व्यापारी उक्त नए नोटों की माला बनाकर शादी ब्याह के लिए बेचते हैं।

नीति तैयार, कैबिनेट में आएगा मामला, 42 लाख घरों को पीएनजी कनेक्शन का लक्ष्य

छत्तीसगढ़ में सिटी गैस पाइपलाइन, घर-घर पहुंचेगी रसोई गैस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में रसोई गैस व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) योजना के तहत अब पाइपलाइन के जरिए सीधे घरों तक गैस पहुंचाने की तैयारी तेज कर दी गई है। मुख्य सचिव ने कुछ समय पहले इस परियोजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को काम में तेजी लाने और सभी आवश्यक अनुमतियां समय पर देने के निर्देश दिए हैं। उच्च पदस्थ सूत्रों की ▶▶|शेष पेज 7 पर

खास खबर

इस तरह से घर घर पहुंचेगी गैस

योजना के तहत प्राकृतिक गैस (पीएनजी) को सीधे घरों तक पाइपलाइन के जरिए पहुंचाया जाएगा। इसके लिए शहरों में गैस पाइपलाइन नेटवर्क विकसित किया जा रहा है, जो मुख्य ट्रांसपोर्ट पाइपलाइन से जुड़कर कॉलोनियों और घरों तक गैस सप्लाई करेगा। घरेलू कनेक्शन में मीटर, प्रेशर रेगुलेटर और पाइपलाइन के जरिए सीधे किचन तक गैस पहुंचेगी, जिससे सिलेंडर की आवश्यकता लगभग समाप्त हो जाएगी।

सात भौगोलिक क्षेत्र 42 लाख घरों में पहुंचेगी

राज्य में इस योजना को 7 भौगोलिक क्षेत्रों में लागू किया जा रहा है। सरकार ने वर्ष 2030 तक करीब 42 लाख घरों को पीएनजी कनेक्शन देने और 1100 सीएनजी स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। इससे परिवहन क्षेत्र में भी स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा मिलेगा।

सीएस कर चुके हैं उच्च स्तरीय समीक्षा

राज्य में मार्च में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सीजीडी इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके बाद 25 मार्च 2026 को जारी निर्देशों में साफ कहा गया है कि सिटी गैस नेटवर्क को प्राथमिकता के साथ लागू किया जाए और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए। सीजीडी परियोजनाओं के लिए सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए अनुमति प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया ▶▶|शेष पेज 7 पर

30 प्रतिशत सस्ती

प्राकृतिक गैस को एलपीजी की तुलना में सस्ता, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल माना जाता है। बताया गया है कि यह गैस एलपीजी से 30 प्रतिशत सस्ती होगी पाइपलाइन से गैस की निर्बाध आपूर्ति होने से उपभोक्ताओं को सिलेंडर खत्म होने की चिंता नहीं रहेगी, वहीं मीटर आधारित बिलिंग से पारदर्शिता भी बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि सीजीडी नेटवर्क के विस्तार से छत्तीसगढ़ में शहरी जीवन आसान होगा, उद्योगों को सस्ता ईंधन मिलेगा और प्रदूषण में भी कमी आएगी। आने वाले समय में यह योजना राज्य की ऊर्जा व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने वाली साबित हो सकती है।

बंगाल में सियासी भूचाल!

'हुमायूं कबीर और भाजपा में 1000 करोड़ की डील'

वीडियो वायरल, टीएमसी ने की ईडी जांच की मांग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की सियासत में हलचल मच गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने हुमायूं कबीर से जुड़ा एक कथित स्टिंग ऑपरेशन वीडियो जारी किया है। पार्टी का दावा है कि इस वीडियो में कबीर और बीजेपी के बड़े नेताओं के बीच करोड़ों रुपये की डील की बातचीत सामने आई है।

टीएमसी ने इस पूरे मामले की जांच की मांग भी उठाई है। टीएमसी के मुताबिक, जारी किए गए वीडियो में हुमायूं कबीर कथित तौर पर 1000 करोड़ रुपये की डील की बात करते नजर आ रहे हैं, जिसमें 300 करोड़ रुपये एडवांस देने का भी जिक्र किया गया है। पार्टी का आरोप है कि इस कथित डील में बीजेपी के कई बड़े नेताओं के नाम सामने आए हैं। इनमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, पश्चिम बंगाल के नेता शुभेंदु अधिकारी और पीएमओ का भी जिक्र किया गया है। इस मामले को लेकर टीएमसी नेताओं फिरहाद हकीम, अरूप बिस्वास और कुणाल घोष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसे 'बड़ा खुलासा' किया। उन्होंने कहा कि यह वीडियो बेहद गंभीर है और इससे बड़े राजनीतिक गठजोड़ की साजिश का संकेत मिलता है।

एक बड़ा सियासी खेल

टीएमसी ने इस पूरे मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कराने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि इतने बड़े वित्तीय लेन-देन के आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। टीएमसी ने इसे पश्चिम बंगाल चुनाव से जुड़ी साजिश बताया है और दावा किया है कि यह एक बड़ा राजनीतिक खेल है। इस खुलासे के बाद राज्य की राजनीति में तनाव और आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

लोकतंत्र का त्यौहार

असम, केरलम, पुडुचेरी में गुरुवार को मतदान

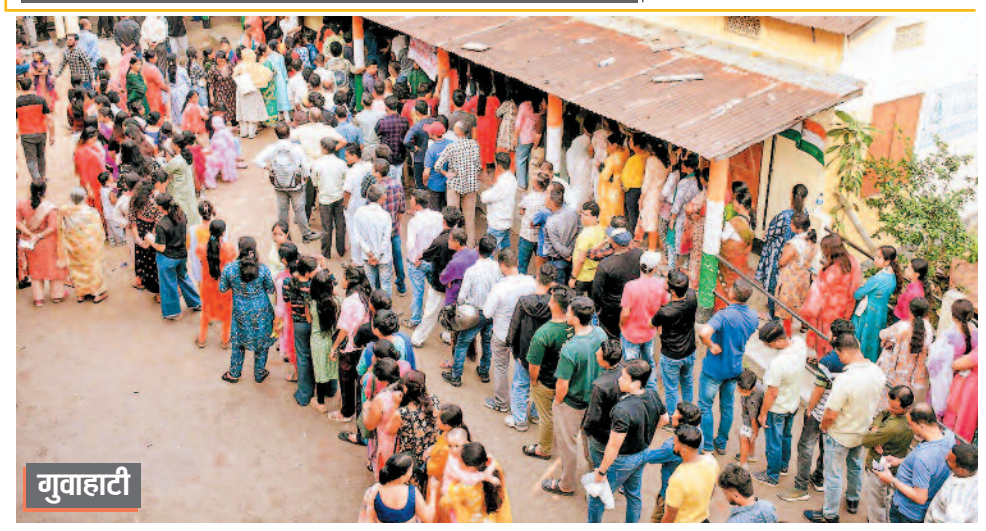

नई दिल्ली। देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार को विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को छिटपुट हिंसा के बीच मतदान संपन्न हो गया। तीनों राज्यों में एक ही चरण में मतदान हुआ है, जो सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे तक चला। चुनाव आयोग के अनुसार शाम 5 बजे तक असम में 84.42%, केरलम में 75.01% और पुडुचेरी में 86.92% वोटिंग हुई। असम में सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला। इनके अलावा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, कांग्रेस नेता तरूण गोगई, अगपा प्रमुख अतुल बोरा, केरलम में मंत्री जार्ज कुरियन, सुरेश गोपि, पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी, शशि थरूर, फिल्म अभिनेता मोहनलाल, पुडुचेरी में नेता प्रतिपक्ष आर शिवा सहित बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान किया।

पोलिंग बूथ पर रोबोट

पुडुचेरी में तकनीक और परंपरा का अनोखा संगम देखने को मिला। भारत निर्वाचन आयोग ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी दी कि पुडुचेरी में साड़ी पहने 'नीला' नाम का वेलकम रोबोट इंटरनेशनल इलेक्शन विजिटर्स प्रोग्राम (आईईवीपी) के प्रतिनिधियों का स्वागत कर रहा है।

हर तरह की गुंडागर्दी का लिया जाएगा हिसाब : मोदी

आसनसोल की चुनावी सभा को किया संबोधित

घुसपैठ का मुद्दा भी उठाया

पीएम मोदी गुरुवार को पश्चिम बंगाल के आसनसोल में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि उनकी सरकार बनने के बाद इलाके की एक-एक समस्या का समाधान किया जाएगा। इस दौरान पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल को छह गारंटी दी। पीएम मोदी ने जोर देते हुए कहा कि '4 मई के बाद बंगाल में कानून का राज स्थापित होगा। हर तरह की गुंडागर्दी का हिसाब लिया जाएगा, एक-एक करके जवाबदेही तय होगी।' उनके इस बयान को कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर सीधा हमला माना जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने हाल के चर्चित मामलों का जिक्र करते हुए राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आरजी कर जैसे घटनाक्रम और संदेशखाली की घटना यह दिखाती है कि टीएमसी सरकार कैसे दुष्कर्मियों के साथ खड़ी नजर आती है। उन्होंने दावा किया कि यही वजह है कि राज्य में महिलाओं के बीच असुरक्षा की भावना बढ़ी है और एसिड अटैक के मामलों में भी इजाफा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में घुसपैठ के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि 'बंगाल में घुसपैठ सबसे बड़ी समस्या है। घुसपैठिए यहां जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं और जनसांख्यिकी में बदलाव हो रहा है।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ जगहों पर लोगों को पूजा करने की अनुमति नहीं दी जाती और कहीं-कहीं दुर्गा पूजा भी नहीं करने दी जाती.इसके पीछे टीएमसी का हाथ है। पहले लाल झंडे के दौर में हिंदू नरसंहार के आरोप लगे थे, अब टीएमसी वही काम कर रही है।

भाजपा ने सत्ता हथियाने 90 लाख नाम हटाए : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य में सत्ता हथियाने के लिए मतदाता सूचियों से 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनाव जीतेगी। उत्तर 24 परगना जिले के मीनाखान में जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी मतदाता सूचियों से हटाए गए लोगों के नाम शामिल कराने के लिए अदालत का रुख करेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'आपने बंगाल में सत्ता हथियाने के लिए 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटा दिए, लेकिन चुनाव हम ही जीतेंगे।' उनकी यह टिप्पणी राज्य में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाए जाने के संदर्भ में आई।

बंगाल सीएम ने लगाया आरोप, ईसी पर साधा निशाना

खबर संक्षेप

सुनेत्रा पवार की राह आसान, कांग्रेस ने वापस लिया नामांकन

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में बारामती विधानसभा उपचुनाव को लेकर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। कांग्रेस ने इस सीट से अपना उम्मीदवार वापस लेने का फैसला किया है। कांग्रेस उम्मीदवार ने नामांकन की अंतिम तिथि से ठीक पहले अपना पर्चा वापस ले लिया। इसके साथ ही कांग्रेस इस उपचुनाव की दौड़ से बाहर हो गई है। हालांकि, सुनेत्रा पवार के सामने अब भी 20 से ज्यादा निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें भेजे गए ऑडियो मैसेज में कहा गया कि जैसे अतीक अहमद को मारा गया था, वैसे ही उन्हें भी मार दिया जाएगा। इन ऑडियो में 33 बार गालियां भी दी गई हैं और कहा गया है कि उनकी यात्रा के दौरान हमला किया जाएगा।

नेपाल के पूर्व पीएम ओली और पूर्व गृह मंत्री रिहा

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को जमानत मिल गई है। अब उन्हें जेल से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सरकारी वकील के दफ्तर ने पुलिस को चिट्ठी भेजकर कहा है कि दोनों नेताओं की रिहाई सुनिश्चित की जाए। हालांकि, केपी शर्मा ओली की तबियत ठीक नहीं है, इसलिए उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है।

सिक्किम में बर्फबारी-लैंडस्लाइड हजार टूरिस्ट को सेना ने बचाया

भूस्खलन के कारण टूट गया है सड़क संपर्क

गंगटोक। सिक्किम के मंगन जिले के लाचेन में कई भूस्खलनों के कारण सड़क संपर्क टूट जाने के बाद फंसे 1,000 से अधिक पर्यटकों को बचाया गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ये पर्यटक पांच अप्रैल से उत्तरी सिक्किम के लाचेन में फंसे हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को 1,321 पर्यटकों और 84 स्थानीय लोगों को बचाया गया। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान मंगन जिला अधिकारी अनंत जैन की देखरेख में और सेना, बीआरओ, 'लाचेन जुमसा' तथा पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के सक्रिय समन्वय से चलाया गया। ताराम चू से चुंगथांग और फिर वहां से गंगटोक तक पर्यटकों को ले जाने के लिए बसों और पर्यटक वाहनों की विशेष व्यवस्था की गई थी। ताराम चू में निकासी प्रक्रिया पूरी होने के बाद, स्थानीय विधायक और सिक्किम के सामाजिक कल्याण मंत्री समदुप लेपचा ने भारतीय सेना और बीआरओ के अधिकारियों से बातचीत की और उनके निरंतर प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने पर्यटकों से बातचीत भी की और उन्हें उनके गंतव्य तक सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। मंत्री ने लाचेन से पर्यटकों को सुरक्षित निकालने के कठिन कार्य में शामिल जिला प्रशासन और सभी एजेंसियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'खराब मौसम और रसद संबंधी चुनौतियों के बावजूद, टीम वर्क और सामुदायिक भावना के माध्यम से मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।'

यह बताया अफसरों ने

अधिकारियों ने बताया सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) सेना के साथ मिलकर चुनौतीपूर्ण भूभाग और मौसम के बावजूद सड़क को साफ करने, बर्फ हटाने और संपर्क बहाल करने का काम लगातार कर रहा है। सेना के एक अधिकारी ने कहा, 'हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और कल्याण है। हमारी टीम जमीनी स्तर पर सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' कई भूस्खलनों के कारण लाचेन और चुंगथांग के बीच सड़क संपर्क बाधित हो गया है। चुंगथांग भारत-चीन सीमा के निकट का क्षेत्र है।

नाटो पर ट्रंप का फिर हमला, कहा : जरूरत के वक्त साथ नहीं दिया

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो महासचिव मार्क रुटे के साथ बंद कमरे में हुई बैठक के बाद सैन्य गठबंधन की पुनः आलोचना करते हुए दोहराया कि जरूरत के समय नाटो अमेरिका के साथ नहीं था। बैठक से पहले ट्रंप ने संकेत दिया था कि ईरान युद्ध के दौरान सहयोग नहीं मिलने पर अमेरिका नाटो से अलग होने पर विचार कर सकता है। बैठक के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर बड़े (कैपिटल) अक्षरों में लिखा, "नाटो हमारे साथ नहीं था जब हमें उसकी जरूरत थी और आगे जरूरत पड़ने पर भी नहीं होगा।" व्हाइट हाउस ने इस पर तत्काल कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप नाटो से अलग होने के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। ट्रंप और रुटे के बीच यह बैठक ऐसे समय हुई जब अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी है, जिसके तहत होर्मुज को फिर से खोलने का रास्ता साफ हुआ है।

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में रखी मांग

'देश के हालात पहले जैसे नहीं अब जनहित याचिका खत्म हो'

सरकार कहना है, इसका हो रहा है दुरुपयोग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से जनहित याचिकाओं (पीआईएल) के ढांचे की समीक्षा करने और इसे पूरी तरह से समाप्त करने का आग्रह किया है। सरकार का तर्क है कि जिस उद्देश्य से जनहित याचिका की शुरुआत की गई थी, वह अब काफी हद तक पूरा हो चुका है और वर्तमान में इसका दुरुपयोग अधिक हो रहा है। यह महत्वपूर्ण दलील सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली 9 जजों की संविधान पीठ के समक्ष दी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, सॉलिसिटर जनरल ने अपने लिखित और मौखिक बयानों में कई महत्वपूर्ण बिंदु उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले 5 दशकों में वह स्थिति काफी बदल गई है जिसके कारण पीआईएल की जरूरत थी। अब समय आ गया है कि पीआईएल में सिर्फ सुधार न किया जाए, बल्कि इसे पूरी तरह से हटा दिया जाए। उन्होंने कहा कि आज के समय में न्याय प्रणाली अधिक सुलभ और पारदर्शी हो गई है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएएलएसए) जैसे संस्थान मौजूद हैं, जो जरूरतमंदों को मुफ्त कानूनी सलाह और सहायता देते हैं। ई-फाइलिंग के जरिए अब अदालत तक पहुंचना बहुत आसान हो गया है; यहां तक कि एक पत्र भी सीधे अदालत पहुंच सकता है। इसलिए अब किसी 'तीसरे पक्ष' द्वारा प्रतिनिधित्व की आवश्यकता नहीं है। एसजी मेहता ने जोर देकर कहा कि आजकल दायर होने वाली ज्यादातर जनहित याचिकाएं प्रेरित होती हैं। पर्दे के पीछे से कोई और इन्हें नियंत्रित करता है, इसलिए ऐसी याचिकाओं पर विचार ही क्यों किया जाना चाहिए।

यह कहा सीजेआई ने

बता दें कि सॉलिसिटर जनरल की दलीलों पर सीजेआई सूर्यकांत ने सहमति जताते हुए कहा कि अदालतें जनहित याचिका को लेकर सतर्क हो गई हैं। अदालतें अब पीआईएल स्वीकार करने से पहले बहुत सावधानी बरतती हैं। इसे दायर करने की वजहों की बारीकी से जांच करती हैं। अब उन याचिकाओं पर नोटिस जारी होते हैं, जिनमें कोई दम या ठोस आधार होता है। 2006 से 2026 तक तक 20 साल में बहुत कुछ बदल गया है। हो सकता है कि आगे जाकर जनहित याचिका (पीआईएल) की जरूरत ही न पड़े।

क्या है पीआईएल

जनहित याचिका की व्यवस्था मुख्य रूप से उन लोगों के लिए शुरू की गई थी जो सामाजिक या आर्थिक रूप से कमजोर थे। इसका लक्ष्य यह था कि जो लोग गरीबी, अशिक्षा, विकलांगता या सामाजिक बहिष्कार के कारण खुद अदालत का दरवाजा नहीं खटखटा सकते, उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कोई तीसरा व्यक्ति या संस्था उनकी ओर से अदालत में याचिका दायर कर सके। जैसे बंधुआ मुक्ति मोर्चा बनाम भारत संघ मामला।

अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण 15 अप्रैल से होंगे शुरू

श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने किया ऐलान

पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर होगा रजिस्ट्रेशन

यात्रा परमिट और रूट सिस्टम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमरनाथ यात्रा के लिए 15 अप्रैल से पंजीकरण कराया जा सकेगा। श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने बुधवार को इसका एलान कर दिया। पंजीकरण देश भर के निर्धारित बैंक शाखाओं के माध्यम से होगा। यात्रा परमिट 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर जारी होगा। यात्रा की तारीख भी जल्द घोषित की जाएगी। देश भर की 554 बैंक शाखाओं में पंजीकरण होगा। पंजीकरण के दौरान प्रत्येक बैंक शाखा को प्रतिदिन, प्रति मार्ग एक निश्चित कोटा आवंटित किया गया है। 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का पंजीकरण नहीं होगा। इसी तरह छह सप्ताह से अधिक की गर्भवती का भी पंजीकरण नहीं होगा। बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष यात्रा परमिट आधार-आधारित बायोमीट्रिक ई-केवाईसी प्रमाणीकरण के बाद सिस्टम से एनआईसी पोर्टल (https://jksasb.nic.in) पर जारी किया जाएगा। यदि प्रमाणीकरण में तकनीकी खराबी आती है तो बैंक शाखा मैनुअल फोटो और डेटा प्रविष्टि के माध्यम से पंजीकरण कर सकेगी।

अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए परमिट जारी होने के बाद उसमें तीर्थयात्री द्वारा चुना गया रूट स्पष्ट रूप से दर्ज होगा। परमिट में या तो बालटाल रूट या पहलगाम रूट से दिया जाएगा। इसके साथ ही यात्रा की तारीख और प्रवेश समय भी तय होगा। बालटाल रूट पर डोमेल और पहलगाम रूट पर चंदनवाड़ी से प्रवेश दिया जाएगा। निर्धारित समय और तारीख पर ही यात्रियों को आगे बढ़ने की अनुमति होगी।

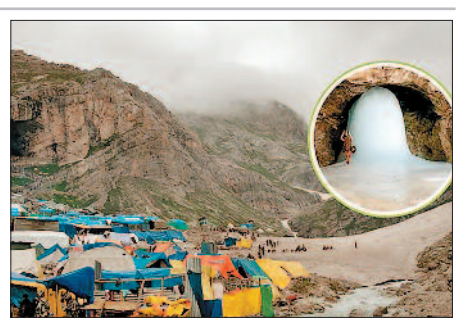

रजिस्ट्रेशन फीस और अन्य नियम

हर यात्रा परमिट के लिए 150 रुपये की निर्धारित फीस रखी गई है। इसके अलावा, यात्रियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि रजिस्ट्रेशन के समय आधार नंबर और मोबाइल नंबर सही दर्ज किए जाएं। श्राइन बोर्ड ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे हेल्प डेस्क की व्यवस्था करें और स्टाफ को उचित प्रशिक्षण दें, ताकि रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सुचारु रूप से चल सके।

रजिस्ट्रेशन की समय सीमा

श्राइन बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी विशेष तारीख की यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन यात्रा से 7 दिन पहले बंद कर दिया जाएगा। इसलिए यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे समय पर आवेदन करें। अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए इस बार व्यवस्था को और अधिक डिजिटल, सुरक्षित और पारदर्शी बनाया गया है। हेल्थ सर्टिफिकेट, उम्र सीमा और बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन जैसे नियम यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर लागू किए गए हैं। जो भक्त इस पवित्र यात्रा का हिस्सा बनना चाहते हैं, उन्हें सभी दिशानिर्देशों का पालन करना जरूरी होगा, ताकि यात्रा बिना किसी परेशानी के पूरी हो सके।

नासिक का मामला

आईटी कंपनी में बड़े पैमाने पर यौन शोषण, 6 कर्मचारी गिरफ्तार

नासिक। महाराष्ट्र में नासिक पुलिस ने एक आईटी कंपनी के छह कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक कर्मचारी पर आरोप है कि उसने शादी का वादा करके अपनी सहकर्मी का यौन शोषण किया। बाकी पांच कर्मचारियों पर आरोप है कि उन्होंने पिछले चार सालों में अलग-अलग समय पर अपनी महिला सहकर्मियों के साथ यौन उत्पीड़न किया और धार्मिक भावनाओं को भी ठेस पहुंचाई। पुलिस ने बताया कि नासिक स्थित आईटी कंपनी में लगभग 300 कर्मचारी काम करते हैं और गिरफ्तार किए गए ज्यादातर लोग टीम लीडर हैं। कुल नौ मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से आठ महिला सहकर्मियों द्वारा यौन उत्पीड़न और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में दर्ज किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, नौवीं शिकायत एक पुरुष कर्मचारी ने दर्ज कराई है।

एचआर ने शांत रहने की दी सलाह

नासिक एसीपी क्राइम संदीप मिटके ने टॉइम्स ऑफ इंडिया को बताया, 'आईटी कंपनी के एक एचआर अधिकारी को इनमें से एक मामले में संदिग्ध बनाया गया है क्योंकि शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने संबंधित टीम लीडरों द्वारा वर्क प्लेस पर किए गए उत्पीड़न की रिपोर्ट करते हुए उसे ईमेल भेजा था, लेकिन एचआर ने उसे 'शांत रहने' की सलाह दी क्योंकि आईटी कंपनी में इस तरह के व्यवहार आम बात हैं। एचआर अधिकारी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।'

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

- छत्तीसगढ़ में 6 साल से कम उम्र के बच्चों की जनसंख्या का गणित
- सुकमा, बीजापुर और धमतरी में गिरावट की रफ्तार अधिक

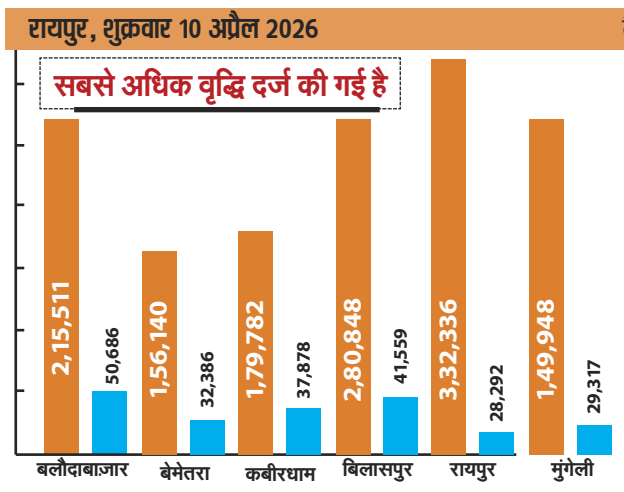

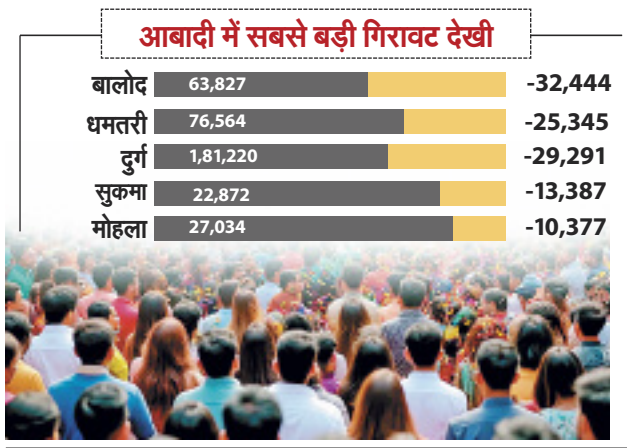

रायपुर के आंगन में गूंज रहीं किलकारियां...दुर्ग, धमतरी, बस्तर में जन्मदर कम, पलायन भी, इसलिए बच्चों की संख्या में गिरावट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में बाल जनसंख्या यानि 6 साल से कम उम्र के बच्चों की संख्या 36 लाख से ज्यादा अनुमानित है, लेकिन राज्य के 33 जिलों में बच्चों की संख्या को लेकर असंतुलन की स्थिति है, रायपुर, बलोदाबाजार, बेमेतरा, मुंगेली, कबीरधाम जिलों में बाल जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, तो दूसरी ओर दुर्ग, धमतरी, जांजगीर-चांपा, महासमुंद, गरियाबंद, सुकमा और बीजापुर में यह संख्या घट रही है, दरअसल बाल जनसंख्या में यह एक बड़ा असंतुलन है। राज्य सरकार के आर्थिक एवं सांख्यिकी ▶▶|शेष पेज 7 पर

सबसे अधिक बच्चों वाले जिले

जिलेवार स्थिति देखें तो रायपुर में सबसे अधिक 3.32 लाख से ज्यादा बच्चे हैं। इसके बाद बिलासपुर, बालोदाबाजार, कबीरधाम और कोरबा जैसे जिले प्रमुख हैं, जहां बच्चों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है। इन जिलों में शहरीकरण, स्वास्थ्य सुविधाओं और रोजगार के अवसरों के कारण जनसंख्या का दबाव बना हुआ है।

सबसे कम बच्चे इन जिलों में

इसके विपरीत नारायणपुर, सुकमा, बीजापुर और कोरिया जैसे जिलों में बच्चों की संख्या सबसे कम है। ये जिले मुख्य रूप से दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्र हैं, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, कुपोषण और पलायन जैसे कारण प्रभाव डालते हैं।

कहां बढ़ रही है संख्या

बलोदाबाजार, बेमेतरा, मूंगेली, रायपुर और कबीरधाम जैसे जिलों में बच्चों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इन क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, सरकारी योजनाओं का असर और आर्थिक गतिविधियों के विस्तार से जन्मदर में वृद्धि हो रही है।

यहां घट रही है बच्चों की तादाद

दुर्ग, धमतरी, जांजगीर-चांपा, महासमुंद, गरियाबंद, सुकमा और बीजापुर जैसे जिलों में बच्चों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। इन क्षेत्रों में कम जन्मदर और पलायन प्रमुख कारण माने जा रहे हैं।

वृद्धि की रफ्तार का ट्रेंड भी देखिए

जिलों के बीच वृद्धि की रफ्तार भी अलग-अलग है। बालोदाबाजार, बेमेतरा और रायपुर जैसे जिलों में तेजी से वृद्धि हो रही है, जबकि बस्तर और दंतेवाड़ा में स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर है। दूसरी ओर सुकमा, बीजापुर और धमतरी में गिरावट की रफ्तार अधिक है, जो चिंता का विषय है।

राज्य पर क्या असर होगा

बच्चों की आबादी में यह असंतुलन राज्य की नीतियों पर सीधा असर डालेगा। जहां संख्या बढ़ रही है, वहां स्कूल, आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य सेवाओं की मांग बढ़ेगी। वहीं जिन जिलों में बच्चों की संख्या घट रही है, वहां भविष्य में श्रमबल की कमी हो सकती है। इसके अलावा क्षेत्रीय असमानता भी बढ़ने की आशंका है।बच्चों की आबादी के ये आंकड़े केवल जनसंख्या का संकेत नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य की दिशा भी तय करते हैं। ऐसे में सरकार के लिए जरूरी होगा कि घटती संख्या वाले जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाए और बढ़ती आबादी वाले क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर संतुलित विकास सुनिश्चित किया जाए।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय पैनल देखें
TATA PLAY पैनल नं. 1155 | airtel पैनल नं. 366

खबर संक्षेप

तेलंगाना में जनगणना 11 मई से नौ जून तक

हैदराबाद। तेलंगाना में जनगणना संचालन की निदेशक भारती होलिकेरी ने कहा कि 2027 की

जनगणना डिजिटल माध्यम से आयोजित की जाएगी, जबकि 2011 तक यह प्रक्रिया कागज पर आधारित थी। निदेशक होलिकेरी ने कहा कि इस प्रक्रिया के पहले चरण में घरों की सूची बनाना और आवास गणना शामिल है।

1.81 करोड़ मिलने के बाद सरकारी इंजीनियर गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा के जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता (बांध सुरक्षा) राजेश चंद्र मोहंती को उसके नाम पर एक आलीशान इमारत समेत आय के ज्ञात स्रोत से कई गुना ज्यादा संपत्ति के संबंध में गिरफ्तार किया गया। भुवनेश्वर और ढेंकनाल में उसके आठ महंगे भूखंड हैं। छापेमारी के दौरान 6.23 लाख रुपए नकद, 1.81 करोड़ रुपये से अधिक की बैंक जमा राशि, लगभग 350 ग्राम सोने के आभूषण और चार पहिया दो वाहन जब्त किए गए।

बाल तस्करी के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लें राज्य

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बाल तस्करी के बढ़ते मामलों पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि ऐसा

करने वाले गिरोह देशभर में सक्रिय हैं और यदि राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों ने तत्काल कदम नहीं उठाए तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाएगी। कोर्ट ने कहा कि इस संबंध में केवल राज्य सरकार और उसका गृह विभाग ही सतर्कता के साथ कार्रवाई कर सकता है।

स्कूली वाहन पलटा, पांच बच्चों समेत सात घायल हुए

जालौन। जालौन जिले के कोतवाली आटा क्षेत्र में एक स्कूली वाहन के अनियंत्रित होकर पलटने से पांच बच्चों समेत सात लोग घायल हो गए। एक स्कूली वाहन बच्चों को लेकर जा रहा था, उसी बीच लुहोर गांव के पास वह अनियंत्रित होकर पलट गया। स्थानीय लोगों एवं राहगीरों ने वाहन से बच्चों को बाहर निकाला और पुलिस एवं एंबुलेंस को सूचना दी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अबू हासेम का निधन

कोलकाता। पूर्व केंद्रीय मंत्री अबू हासेम खान चौधरी का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण कोलकाता में

निधन हो गया 'डालू' के नाम लोकप्रिय चौधरी 89 साल के थे। उनके परिवार में पत्नी और बेटा ईशा खान चौधरी हैं। ईशा मालदा दक्षिण से कांग्रेस के सांसद हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री के निधन के साथ ही मालदा जिले की राजनीति के एक युग का अंत हो गया।

राष्ट्रीय स्वाथ्य प्राधिकरण के मानकों का पालन नहीं करने का आरोप

33 निजी अस्पताल आयुष्मान से बाहर, 26 का भुगतान रोका, इनमें 43 रायपुर के, यहां इलाज अब नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आयुष्मान से जुड़े प्रदेश के 59 अस्पतालों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए इन्हें सूची से बाहर कर दिया गया है। अर्थात अब इन हॉस्पिटल में मरीज इलाज नहीं करा पाएंगे। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत राष्ट्रीय स्वाथ्य प्राधिकरण के मानकों के अनुरूप आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने पर इन अस्पतालों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की राज्य नोडल एजेंसी ने यह कार्रवाई की है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, नई दिल्ली के दिशा-निर्देशानुसार आयुष्मान योजना अंतर्गत पंजीकृत सभी अस्पतालों को निर्धारित पोर्टल पर अपनी जानकारी अद्यतन कर आवश्यक दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य था। इसके लिए अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई थी। कई रिमाइंडर भेजे जाने के बाद अनेक स्मरण पत्र जारी किए जाने के बाद भी इन अस्पतालों द्वारा न तो जानकारी अद्यतन की गई और न ही पोर्टल पर प्राप्त प्रश्नों का उत्तर दिया गया।

काम बंद करने की स्थिति

छग चिकित्सा प्रकोष्ठ, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ.राकेश गुप्ता ने कहा, मध्यप्रदेश में भी कुछ दिन पूर्व आदेश जारी कर 120 से ज्यादा अस्पतालों के नाम सूची से हटाए गए हैं। इन अस्पतालों की संबद्धता एनएबीएच पात्रता नहीं होने का कारण दर्शा कर समाप्त की गई है। छत्तीसगढ़ में यह कार्यवाही भी उसके आगे की कड़ी है। वास्तव में स्वास्थ्य विभाग नहीं चाहता कि आयुष्मान के योजना के तहत ज्यादा अस्पताल इलाज करें, क्योंकि अस्पतालों में इलाज का पैसा देने के लिए सरकार के पास पर्याप्त बजट ही नहीं है। पिछले ढाई साल में हर बार छह महीने से ज्यादा का लंबित भुगतान नहीं करने पर निजी अस्पतालों में काम बंद करने और गतिरोध की स्थिति आई है।

21 अस्पताल : आवेदन नहीं देने के कारण निलंबित

प्रदेश में 21 प्राइवेट हॉस्पिटल ऐसे रहे, जिन्होंने निर्धारित समय सीमा के भीतर आवश्यक आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं की। आवेदन नहीं किए जाने के कारण इन्हें संबद्धता ही प्रदान नहीं की गई है। इस सूची में राजधानी शीर्ष पर है।
बेमेतराः ब्यू आयुष्मान हॉस्पिटल
दुर्गः ए.पी. सर्जिकल सेंटर, आई.एम.आई. हॉस्पिटल, ओम हॉस्पिटल, साईं कृपा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, गंगोत्री हॉस्पिटल
गरियाबंदः सोमेश्वर हॉस्पिटल
महासमुंदः सेवा भवन हॉस्पिटल
रायपुरः जौहरी हॉस्पिटल, महादेव हॉस्पिटल, न्यू रायपुरा हॉस्पिटल, शिवम हॉस्पिटल, सौभाग्य हॉस्पिटल, जैन हॉस्पिटल, लक्ष्मी ▶▶|शेष पेज 7 पर

12 अस्पताल : जवाब ना देने के कारण बाहर

प्रदेश के 12 निजी अस्पतालों की संबद्धता इसलिए समाप्त कर दी गई है, क्योंकि इन्होंने जानकारी अपडेट नहीं की गई। इसके अलावा इनसे पूछे गए सवालों का जवाब भी प्रबंधन द्वारा नहीं दिया गया। डेटा अपडेट न करने या पूछे गए सवालों का जवाब न देने के कारण निलंबित किए गए अस्पतालों में भी सर्वाधिक रायपुर के ही हैं।
जीपीएमः पिनाकी शोभा हॉस्पिटल एवं मैटरनिटी केयर
जांजगीर-चांपाः एम.डी. मोदी मेमोरियल हॉस्पिटल
कोंडागांवः नेताम हॉस्पिटल एवं इनफर्टिलिटी सेंटर
महासमुंदः श्री उत्तम साईं केयर हॉस्पिटल ▶▶|शेष पेज 7 पर

26 अस्पताल : रोका गया भुगतान

प्रदेश के 26 अस्पतालों का भुगतान और नई अनुमति दस्तावेजों की कमी और दोबारा आवेदन न करने की वजह से रोक दी गई है। जारी आदेश के अनुसार, इन अस्पतालों के दस्तावेज पूर्ण नहीं हैं। इस सूची में भी सर्वाधिक नाम रायपुर के ही हैं।
बालोदः शकुंतला हॉस्पिटल
दुर्गः सुविधा हॉस्पिटल
कबीरधामः रूप जीवन हॉस्पिटल
महासमुंदः श्री राधे कृष्णा केयर हॉस्पिटल
रायपुरः पांडे नर्सिंग होम, दृष्टि नेत्रालय, वैदेही हॉस्पिटल, अनंत हॉस्पिटल, श्री साईं केयर हॉस्पिटल, अनुष्का हॉस्पिटल, ममता हॉस्पिटल, लालमती मल्टीस्पेशलिटी ▶▶|शेष पेज 7 पर

तीन श्रेणी में कार्रवाई

जिला स्तर से प्राप्त अनुशंसाओं एवं समीक्षा के आधार पर तीन श्रेणी बनाकर कार्यवाही की गई है। इनमें 21 अस्पताल, जिन्होंने 'एक बार भी आवेदन प्रस्तुत नहीं किया' उन्हें आगामी आदेश तक निलंबित किए जाने की कार्यवाही की गई है। 12 अस्पतालों को आवश्यक जानकारी अद्यतन न करने एवं क्वेरी का उत्तर न देने के कारण आवश्यक क्वेरी पूर्ण किए जाने तक निलंबित किए जाने की कार्यवाही की गई है। इसके अतिरिक्त 26 अस्पताल, जिनके आवेदन अपूर्ण पाए गए तथा पुनः प्रस्तुत नहीं किए गए, उनके विरुद्ध भुगतान एवं प्री-ऑथ रोकने की कार्यवाही की जा रही है।

गुणवत्तापूर्ण उपचार के लिए एक्शन

यह कार्यवाही आयुष्मान योजना के प्रावधानों के तहत तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुरूप की गई है, ताकि योजना के अंतर्गत पारदर्शिता, जवाबदेही एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित किया जा सके। राज्य नोडल एजेंसी ने सभी पंजीकृत अस्पतालों से कहा है कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत नए पोर्टल में पंजीयन के लिए निर्धारित मानकों को पूर्ण करते हुए दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करें तथा समयबद्ध रूप से आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड करें, जिससे अस्पतालों को आयुष्मान योजना में पंजीकृत कर निर्बाध सेवा सेवा प्रदाय की जा सके।

केरलम-असम में टूटा रिकॉर्ड, पुडुचेरी ने सबको छोड़ा पीछे

- असम में 85.04, पुडुचेरी में 90 और केरलम 78.01 फीसदी वोटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

असम, केरलम और पुडुचेरी में वोटिंग खत्म हो गई है। तीनों राज्यों में बंपर वोटिंग हुई और कहीं से कोई बड़ी घटना की खबर नहीं आई। सभी ईवीएम मशीनें सील कर दी गई हैं। चुनाव आयोग ने शाम 6 बजे तक तीनों राज्यों में वोटिंग का आंकड़ा जारी कर दिया है। पुडुचेरी में सबसे ज्यादा 89.08 फीसदी मतदान हुआ। असम में 85.04 फीसदी वोट पड़े. केरलम में 78.01 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। तीनों राज्यों में इसे अच्छा मतदान माना जा रहा है. पुडुचेरी में सबसे ऊंचे आंकड़े को लेकर वहां के स्थानीय नेता और पार्टी कार्यकर्ता काफी खुश नजर आए। असम में भी मतदाताओं का उत्साह साफ दिखा। केरलम में पिछले कुछ चुनावों की तुलना में थोड़ा कम रहा लेकिन फिर भी इसे ठीक-ठाक माना जा रहा है।

केरलम में टूटा रिकॉर्ड

केरलम में पिछले 49 सालों में दूसरी सबसे ज्यादा वोटिंग हुई, यहां 78.01% वोट डाले गए। 1977 में रिकॉर्ड 79.2% मतदान हुआ था। वहीं पुडुचेरी में 89.81% मतदान हुआ।

असम में हिंसा, करीब 30 घायल सात गिरफ्तार

असम में गुरुवार को चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हुए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। श्रीभूमि जिले के पथारकंडी निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार कार्तिक सेना सिन्हा कथित तौर पर रंगमती मतदान केंद्र में घुस गए और पीठासीन अधिकारी से बहस करने लगे। उन्होंने कहा, उन्होंने दावा किया कि फर्जी मतदाताओं ने असली लोगों के वोट डाले। जब पीठासीन अधिकारी ने इस आरोप का खंडन किया, तो उन्होंने ईवीएम तोड़ दी।

70 साल बाद पहाड़ी कोरवाओं को मिलेगी उनकी 'माटी'

छल से कब्जा की गई 31 एकड़ जमीन वापसी का आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन के अधिकारों को लेकर कलेक्टर ने ऐतिहासिक आदेश जारी करते हुए, वर्ष 1955 में छल-कपट के जरिए कब्जाई गई पहाड़ी कोरवा (राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र मानी जाने वाली विशेष पिछड़ी जनजाति) की 31.31 एकड़ भूमि के हस्तांतरण को 'शून्य' घोषित कर दिया है। यह फैसला इस मायने में क्रांतिकारी है कि इसने दशकों पुराने उस भ्रम को तोड़ दिया है कि आदिवासी से आदिवासी के बीच हुए पुराने जमीन सौदों को चुनौती नहीं दी जा सकती। अति पिछड़ी जनजाति (पहाड़ी कोरवा) ▶▶|शेष पेज 7 पर

खास खबर

पूर्व आदेश को किया निरस्त

कलेक्टर जशपुर ने अनुविभागीय अधिकारी के पूर्व आदेश को निरस्त कर दिया है। उन्होंने राजस्व विभाग को सख्त निर्देश दिए हैं कि ग्राम करदनापाठ की विवादित 31.31 एकड़ भूमि को तत्काल मूल भू-स्वामी के विधिक वारिसों (मन्जू एवं अन्य) के नाम पर दर्ज कर रिकॉर्ड अपडेट किया जाए।

सख्त चेतावनी

यह आदेश उन लोगों के लिए एक सख्त चेतावनी है जो धर्मांतरण की आड़ में या आदिवासी पहचान का लाभ उठाकर विशेष पिछड़ी जनजातियों की जमीनों को कपटपूर्ण तरीके से हड़प रहे हैं। जशपुर कलेक्टर का यह फैसला उन हजारों आदिवासियों के लिए उम्मीद की किरण है जिनकी जमीनें दशकों पहले नियमों को ताक पर रखकर छीनी गई थीं।

क्यों ऐतिहासिक है यह फैसला?

न्यायालय ने सूक्ष्म कानूनी बारीकियों और दस्तावेजों का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला कि धारा 170(ख) का कवच न्यायालय ने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की धारा 170(ख) का दायरा अत्यंत व्यापक है। इसमें 'प्रत्येक व्यक्ति शब्द शामिल है, जिसका अर्थ है कि यदि खरीदार आदिवासी भी है, लेकिन उसने छल या नियमों का उल्लंघन कर जमीन ली है, तो उसे संरक्षण नहीं मिलेगा। 1959 के पूर्व के नियमों का उल्लंघन कलेक्टर ने पाया कि 1959 की संहिता से पहले भी मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता 1954 प्रभावी थी। उस समय भी जमीन हस्तांतरण की सूचना सक्षम अधिकारी को देना अनिवार्य था, जिसका पालन ▶▶|शेष पेज7 पर

सीबीएसई पाठ्यक्रम में नए सत्र से तीन भाषाएं

इंग्लिश फॉरेन या इंडियन लैंग्वेज, असमंजस में स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध स्कूलों में इसी सेशन यानी एकेडमिक सेशन 2026-27 से तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंगी। मसलन, इसी सेशन से क्लास 6 से ऊपरी क्लास के स्टूडेंट्स तीन भाषाएं पढ़ेंगे। सीबीएसई ने सभी स्कूलों को क्लास 6 में तीसरी भाषा (आर-3) शुरू करने का निर्देश दिया है। सीबीएसई ने ये स्पष्ट किया गया है कि यह फैसला हाल ही में जारी नए स्कीम ऑफ स्टडीज के तहत लिया गया है, जो नेशनल ▶▶|शेष पेज 7 पर

असमंजस के बीच सेशन शुरू

कुल मिलाकर स्कूल अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हैं और सीबीएसई के सर्कुलर का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि सेशन शुरू हो चुका है, स्टूडेंट्स ने किताबें खरीद ली हैं और क्लासेज भी शुरू हो गई हैं, लेकिन थ्री लैंग्वेज फॉर्मूला पर कुछ स्पष्ट नहीं है।

कैबिनेट में मंजूरी विशेष संसद सत्र में पेश हो सकता है संशोधन विधेयक

महिला आरक्षण बिल पर केंद्र की मुहर पीएम बोले-अब और टालना ठीक नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश में महिला आरक्षण विधेयक के संशोधन पर राजनीति तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी, जिनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इस बीच, पीएम मोदी ने साफ कर दिया है कि अब समय आ गया है जब इस ऐतिहासिक बदलाव को हकीकत में बदला जाए. उनका मानना है कि महिलाओं को राजनीति में उनका हक देना अब और टाला नहीं जा सकता। सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है, जिसमें इस संशोधन बिल को पारित किए जाने की संभावना है।

भाजपा ने किया समर्थन

भाजपा ने मोदी की अपील का समर्थन करते हुए कहा कि ये प्रस्तावित संशोधन लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि प्रधानमंत्री ने महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधनों पर आम सहमति बनाने के लिए सभी दलों से साथ आने की अपील की है।

इधर, कांग्रेस की कार्यसमिति आज, बनेगी रणनीति

कांग्रेस शुक्रवार को अपनी कार्यसमिति की बैठक करेगी, जिसमें पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा महिला आरक्षण कानून में संशोधन करने के सरकार के कदम, प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया और पश्चिम एशिया संघर्ष पर विचार-विमर्श किए जाने की संभावना है। कांग्रेस की यह प्रमुख बैठक संसद के वर्तमान बजट सत्र के तहत अगले सप्ताह होने वाली दोनों सदनों की तीन दिवसीय बैठक से कुछ दिन पहले हो रही है।

सबरीमला मामले पर तीसरे दिन परंपराओं पर बहस

कई मंदिरों में औरत बनकर जाते हैं आदमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सबरीमाला मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। गुरुवार को इस सुनवाई का तीसरा दिन है। नौ जजों की संवैधानिक पीठ ने इस मामले की सुनवाई के लिए सात संवैधानिक सवाल तय किए हैं। सुप्रीम कोर्ट में हो रही बहस इन्हीं सवालों पर आधारित है और इसी दायरे में रहकर तर्क किए जा रहे हैं, लेकिन ये दायरा भी इतना फैला हुआ है कि बहस में कई मुद्दे शामिल हो जा रहे हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि, 'मैंने ऐसे मंदिरों के उदाहरण दिए हैं, जहां पुरुषों को जाने की अनुमति नहीं है। वहां पुरुष पुजारियों के ▶▶|शेष पेज 7 पर

क्या बोले चीफ जस्टिस?

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि, मैंने अपनी दलीलों को केवल अनुच्छेद 25 और 26 के मुद्दे तक सीमित रखा है। मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण जैसे मुद्दों पर मैंने अपनी बात नहीं रखी है। वहीं, सीजेआई ने कहा कि हम केवल अपने सामने मौजूद 7 कानूनी सवालों पर ही विचार कर रहे हैं. सॉलिसिटर जनरल ने केंद्र सरकार की ओर से अपनी दलीलें पूरी कर ली हैं।

सबरीमाला की परंपराओं को लेकर भ्रम बना

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता वैद्यनाथन ने सबरीमाला की परंपरा के बारे में बात की. उन्होंने कहा कि, 'सबरीमाला मंदिर में ऐसा कोई भेदभाव नहीं किया जाता कि वहां ईसाइयों या मुसलमानों की एंट्री पर कोई रोक है; बल्कि शर्त केवल यह है कि उन्हें अयप्पा की दिव्यता और शक्ति में पूर्ण आस्था और विश्वास होना चाहिए। साथ ही, उन्हें 40 दिनों का 'व्रतम' (व्रत) रखना होगा।

केरलम के कुछ मंदिरों में खास पहनावों की परंपराएं

इस बात को आगे बढ़ाते हुए जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि, केरलम के कुछ मंदिरों में, आप धोती के अलावा पैंट-शर्ट पहनकर नहीं जा सकते और आप यह जिद भी नहीं कर सकते कि आपको शर्ट पहनकर ही मंदिर में जाना है। तब सीजेआई सूर्यकांत ने भी इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, गुरुवायुर मंदिर में आप शर्ट पहनकर नहीं जा सकते। आपको शर्ट उतारनी पड़ती है। उत्तर भारत में, जब आप किसी गुरुद्वारे, स्वर्ण मंदिर जाते हैं, तो आपको अपना सिर ढकना पड़ता है। लाखों हिंदू गुरुद्वारे जाते हैं लेकिन वे अपना सिर ढकते हैं। तब जस्टिस बागची ने कहा कि, ये सभी उदाहरण आर्टिकल 26(बी) की बात को सामने रखते हैं।

चिंतन

महिला आरक्षण : कठिन है डगर मंजिल की

स्थापना दिवस
ओ.पी. चौधरी

देश की राजनीति में लंबे समय से अटका महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। केंद्र सरकार द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को मंजूरी देने के साथ ही यह उम्मीद जगी है कि भारतीय लोकतंत्र अब आधी आबादी को उसका वाजिब हक देने की दिशा में ठोस कदम बढ़ा रहा है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 करना और उनमें 33 प्रतिशत यानी 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना निश्चित रूप से ऐतिहासिक पहल कही जा सकती है, लेकिन इसके साथ ही इसके क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत उतनी ही जटिल और चुनौतीपूर्ण नजर आती है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि यह आरक्षण व्यवहार में कैसे लागू होगा। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि किन सीटों को महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाएगा और यह प्रक्रिया किन मानकों के आधार पर तय होगी। 'वर्टिकल' आरक्षण का मतलब है कि अनुसूचित जाति और जनजाति के कोटे के भीतर भी महिलाओं को हिस्सा मिलेगा, जो सामाजिक न्याय के लिहाज से उचित है, लेकिन सीटों के चयन की प्रक्रिया राजनीतिक विवाद का सबसे बड़ा कारण बन सकती है। हर राजनीतिक दल अपने मजबूत गढ़ को बचाने की कोशिश करेगा और यहीं से टकराव की शुरुआत होगी। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू राज्यों के प्रतिनिधित्व से जुड़ा है। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने और परिसीमन (डिलिमिटेशन) के बाद जनसंख्या के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण होगा। इससे छोटे और कम आबादी वाले राज्यों को यह आशंका सताने लगी है कि उनका राजनीतिक वजन घट सकता है। वहीं, बड़े राज्यों में भी आंतरिक असंतोष उभर सकता है, क्योंकि कई मौजूदा सांसदों की सीटें आरक्षित हो जाएंगी। ऐसे में राजनीतिक समीकरणों का संतुलन बिगड़ना तय है। हालांकि, दिलचस्प यह है कि कोई भी राजनीतिक दल खुले तौर पर इस बिल का विरोध करने की स्थिति में नहीं है। महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर विरोध करना राजनीतिक आत्मघात जैसा होगा, लेकिन भारतीय राजनीति के अनुभव बताते हैं कि सहमति के पीछे भी असहमति के रास्ते खोज लिए जाते हैं। यह आशंका निराधार नहीं है कि सीटों के बंटवारे, परिसीमन और लागू करने की समयसीमा जैसे मुद्दों पर राजनीतिक दल अप्रत्यक्ष रूप से अड़ंगे डाल सकते हैं। एक और महत्वपूर्ण चिंता 'प्रॉक्सी राजनीति' की है। पंचायती राज संस्थाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का अनुभव मिश्रित रहा है। कई जगहों पर निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की जगह उनके पति या परिवार के पुरुष सदस्य ही सत्ता का संचालन करते दिखाई दिए। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या संसद और विधानसभाओं में भी 'सांसद पति' या 'विधायक पति' जैसी प्रवृत्ति देखने को मिलेगी? देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे एक नई पीढ़ी तैयार हो रही है। यह पीढ़ी वास्तविक नेतृत्व की क्षमता रखती है। यदि सही प्रशिक्षण, अवसर और सामाजिक समर्थन मिला, तो यह बदलाव भारतीय राजनीति का चेहरा बदल सकता है। आखिरकार मंजिल भले ही सामने दिख रही हो, लेकिन वहां तक पहुंचने का रास्ता आसान नहीं है। यह यात्रा धैर्य, संवाद और दूरदृष्टि की मांग करती है। यदि इन चुनौतियों को सही तरीके से पार किया गया, तो यह कानून भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी को एक नई ऊंचाई पर ले जा सकता है। वरना यह एक अधूरा सपना बनकर रह जाएगा।

भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा का उत्सव

6 अप्रैल, भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस, केवल एक पार्टी का स्थापना दिवस नहीं, बल्कि उस राष्ट्रवादी विचारधारा का उत्सव है जिसने राष्ट्र प्रथम को राजनीति का केंद्र बनाया। यह यात्रा 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा स्थापित भारतीय जनसंघ से शुरू होकर आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनीतिक शक्ति भारतीय जनता पार्टी तक पहुंचती है। नरेंद्र मोदी के "राष्ट्र प्रथम" के अटूट संकल्प ने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी है। जहां पहले 'एंटी-इन्कम्बेंसी' एक सामान्य प्रवृत्ति मानी जाती थी, वहीं आज 'प्रो-इन्कम्बेंसी' की नई परिभाषा स्थापित हुई है, जहां जनता विकास, सुशासन और विश्वसनीय नेतृत्व के आधार पर बार-बार अपना विश्वास दोहराती है।

भारत की राजनीतिक यात्रा में कुछ ऐसे पड़ाव आते हैं, जो केवल सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि विचार और दिशा परिवर्तन के प्रतीक होते हैं। 6 अप्रैल, भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस, केवल एक पार्टी का स्थापना दिवस नहीं, बल्कि उस राष्ट्रवादी विचारधारा का उत्सव है जिसने राष्ट्र प्रथम को राजनीति का केंद्र बनाया। यह यात्रा 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा स्थापित भारतीय जनसंघ से शुरू होकर आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनीतिक शक्ति भारतीय जनता पार्टी तक पहुंचती है। स्वतंत्रता के तुरंत बाद का भारत घावों से भरा था- विभाजन की पीड़ा, विस्थापितों का दर्द और राजनीतिक अनिश्चितता का अंधेरा। उस समय की सत्ताधारी कांग्रेस ने राष्ट्र प्रथम के स्थान पर तुष्टिकरण और एक परिवार की सत्ता को प्राथमिकता दी।

सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे लौहपुरुष जिन्हें पूर्ण बहुमत प्राप्त था, की उपेक्षा इस अलोकतांत्रिक मानसिकता का सबसे बड़ा प्रमाण था। जब राष्ट्रवादी विचारों के लिए कांग्रेस में कोई स्थान नहीं बचा, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय जनसंघ के रूप में एक ऐसा मंच खड़ा किया जो जाति, पंथ और क्षेत्र से ऊपर उठकर केवल भारत माता की सेवा का व्रत लेता था। जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए उन्होंने 23 जून 1953 को अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। वह बलिदान व्यर्थ नहीं गया, 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 की समाप्ति के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस अधूरे सपने को पूरा किया और एक संस्थापक की आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। श्यामा प्रसाद के बलिदान के बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 1951 से 1967 तक महासचिव के रूप में पार्टी को वैचारिक और संगठनात्मक मजबूती दी। उनका 'एकात्म मानववाद' और 'अंत्योदय' का दर्शन-अर्थात समाज के अंतिम व्यक्ति को प्रथम पंक्ति में लाना - जनसंघ की आत्मा बन गया। 1967 के कालीकट अधिवेशन में अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने कहा था कि हम किसी एक वर्ग या समुदाय के नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के सेवक हैं - हर देशवासी हमारे रक्त का अंश है। 11 फरवरी 1968 को मुगलसराय में उनकी निर्मम हत्या ने देश को एक अनमोल विचारक से वंचित कर दिया। 1970 के दशक में इंदिरा गांधी की सत्ता जैसे-जैसे केंद्रीकृत और निरंकुश होती गई, जनसंघ ने जन-आंदोलन का नेतृत्व संभाला। 25 जून 1975 की वह काली रात जब देश पर आपातकाल थोपा गया - वह तानाशाही की चरम परिणति थी। जनसंघ के सभी शीर्ष नेता गिरफ्तार कर लिए गए। हजारों कार्यकर्ताओं को अमानवीय यातनाओं के बीच जेल की सलाखों के पीछे ठूंस दिया गया। जब सच बोलना अपराध बन गया था, तब जनसंघ और संघ के स्वयंसेवक भूमिगत रहकर देश का सबसे बड़ा सत्याग्रह चला रहे थे। यही वह कसौटी थी जिसने सिद्ध किया कि यह दल सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सत्य और राष्ट्र के लिए जीता है।

दो वर्षों के उस अंधकार के बाद, जयप्रकाश नारायण के आह्वान पर जनसंघ ने अपने अस्तित्व को देश-हित में जनता पार्टी में विलीन कर दिया। 1977 में देश को पहली गैर-कांग्रेसी सरकार मिली। अटल बिहारी वाजपेयी विदेश मंत्री बने और संयुक्त राष्ट्र के उस मंच पर हिंदी में

भाषण देकर उन्होंने पूरे विश्व को चौंका दिया, यह भी राष्ट्रगौरव का एक पाठ था। उस दौर में, जब कांग्रेस हिंदू आस्था और परंपराओं का उपहास करती थी, तब पालमपुर अधिवेशन में भारतीय जनता पार्टी ने राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण को अपने संकल्प के रूप में स्वीकार किया। यह किसी चुनावी रणनीति का हिस्सा नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की गहरी आस्था और श्रद्धा का सम्मान था। इसी बीच, शाहबानो प्रकरण में कांग्रेस द्वारा रातों-रात कानून बदलना तुष्टिकरण की राजनीति का स्पष्ट उदाहरण बना, जबकि भाजपा निरंतर सनातन चेतना के पुनर्जागरण और सांस्कृतिक स्वाभिमान की सशक्त आवाज बनकर उभरती रही। 1996 में अटल जी देश के प्रधानमंत्री बने। भले ही वह सरकार 13 दिन में गिर गई, लेकिन 1998 में एनडीए की पूर्ण सरकार बनी और देश ने एक नई राजनीति देखी। तमाम अंतरराष्ट्रीय दबावों की परवाह किए बिना पोखरण परमाणु परीक्षण हुआ। दीनदयाल के अंत्योदय को धरातल पर उतारा गया। उस दौर में जब नौ वर्षों में आठ प्रधानमंत्री बदल चुके थे, अटल जी ने स्थिर सुशासन की राजनीति की नींव रखी। 2004 से 2014 तक देश ने देखा कि जब राष्ट्र के बजाय परिवार को प्राथमिकता दी जाती है तो क्या होता है। 2जी, कोलगेट, कॉमनवेल्थ खेल घोटाला - भ्रष्टाचार की यह फेहरिस्त लंबी थी। रिमोट कंट्रोल से चलती सरकार ने देश को ₹फ्रैजाइल फाइव₹ अर्थव्यवस्थाओं में ला खड़ा किया। 26/11 के बाद भी ₹भगवा आतंकवाद₹ का झूठा नैरेटिव गढ़ा गया। प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को ही न्यायालय में काल्पनिक बताया गया। यह वह दौर था जब देश को गहरे आत्मविश्वास और दिशा की ज़रूरत थी।उसी दौर में गुजरात में एक चायवाले ने सिद्ध कर दिखाया, कि विकास की राजनीति उस प्रदेश को कहा तक लेजा सकती है । भूकंप-पीड़ित भुज का पुनर्निर्माण हो, 24×7 बिजली आपूर्ति हो या टाटा नैनो को 15 दिन में जमीन देना - ₹गुजरात मॉडल₹ की गूँज पूरे देश में थी। 2014 में जनता ने 31.5% वोट शेयर और 282 सीटें देकर ₹विकास की राजनीति₹ को ऐतिहासिक जनादेश दिया। भ्रष्टाचार-मुक्त शासन, अंत्योदय और राष्ट्रगौरव - यही वह त्रिभुज था जिसने नरेंद्र मोदी को देश की पहली पसंद बनाया।आज भारत ₹फ्रैजाइल फाइव₹ से उठकर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरे स्थान की ओर तेज़ी से अग्रसर है। हाल ही में हमने स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर हमारा संकल्प और भी दृढ़ होता है कि भारतीय जनता पार्टी केवल चुनावी जीत तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण के महान उद्देश्य के लिए समर्पित है। यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहेगी-एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में। आज भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। जो वादे पहले चुनावी घोषणापत्र तक सीमित रह जाते थे, उन्हें नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धरातल पर उतारा गया। "मोदी की गारंटी" केवल एक नारा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक बन चुकी है। चाहे वह अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का संकल्प हो या अनुच्छेद 370 को हटाने जैसा ऐतिहासिक निर्णय, भाजपा ने अपने हर वादे को पूर्ण करने की प्रतिबद्धता दिखाई है। नरेंद्र मोदी के "राष्ट्र प्रथम" के अटूट संकल्प ने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी है। जहां पहले 'एंटी-इन्कम्बेंसी' एक सामान्य प्रवृत्ति मानी जाती थी, वहीं आज 'प्रो-इन्कम्बेंसी' की नई परिभाषा स्थापित हुई है, जहां जनता विकास, सुशासन और विश्वसनीय नेतृत्व के आधार पर बार-बार अपना विश्वास दोहराती है। इसी विश्वास, इसी संकल्प और इसी राष्ट्रनिष्ठा के साथ भारतीय जनता पार्टी आगे भी राष्ट्र निर्माण के इस पथ पर निरंतर अग्रसर रहेगी।

(लेखक छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

सीजफायर
डॉ. घनश्याम बादल

जारी कोहराम, यह कैसा युद्ध विराम

जैसी आशंका थी खाड़ी युद्ध में सीजफायर की घोषणा की, चंद घंटे बाद ही उसकी हवा निकल गई और इजराइल ने लेबनान पर युद्ध विराम की बात मानने से साफ इनकार करते करते हुए वहां भीषण हमले शुरू कर दिए हैं। उधर ईरान ने भी होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने पर अंगूठा दिखा दिया है तो ट्रंप एक बार फिर धमकाने पर उतर आए हैं। ऐसे में 10 अप्रैल को होने वाली बैठक पर भी संकट के बदले मंडराते दिख रहे हैं। 40 दिन के भीषण युद्ध, बारूद की बारिश, ईरान की सर्वोच्च लीडरशिप का खात्मा और बाद के दो दिनों में उसके इंफ्रास्ट्रक्चर की तबाही के बाद भी अमेरिका को कुछ हासिल नहीं हुआ और उसके बड़बोले राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान की दृढ़ता, अपनी राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति समर्पण और उसकी तेल शक्ति तथा हथियारों की छिपी हुई ताकत के बल पर घुटनों के बल आना पड़ा और जैसे-तैसे चीन की मदद से इस युद्ध में सीज फायर करना पड़ा। मध्य-पूर्व की बारूदी ज़मीन पर अमेरिका और ईरान के बीच घोषित दो हफ्तों का "सीजफायर" पहली नजर में शांति का संकेत लगा था लेकिन गहराई में जाएं तो यह अधिक एक रणनीतिक विराम प्रतीत होता है। ऐसा विराम जिसमें दोनों पक्ष अपनी थकी हुई सैन्य और कूटनीतिक ताकतों को पुनर्गठित कर रहे हैं। यह ठहराव उस संघर्ष की जड़ों को नहीं मिटाता, जो दशकों से अविश्वास, वैचारिक टकराव और क्षेत्रीय प्रभुत्व की होड़ में उलझा हुआ है। इस टकराव के मूल कारणों में 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से अमेरिका और ईरान के बीच चली आ रही वैचारिक शत्रुता प्रमुख है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम, पश्चिम एशिया में उसका बढ़ता प्रभाव और इजराइल के प्रति उसका कड़ा रुख, ये सभी कारक अमेरिका की आक्रामक नीति के आधार रहे हैं। वहीं, अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरान को आर्थिक रूप से तो कमजोर किया ही, साथ ही उसे क्षेत्रीय स्तर पर अधिक आक्रामक और आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रेरित किया। शांति प्रस्तावों की बात करें तो अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नियंत्रण, क्षेत्रीय मिलिशिया समूहों पर लगाम और इजराइल की सुरक्षा की गारंटी को प्रमुख शर्तों के रूप में रखा है। इसके बदले में आर्थिक प्रतिबंधों में ढील का प्रस्ताव दिया गया है। दूसरी ओर, ईरान ने अपने संप्रभु अधिकारों की रक्षा करते हुए सभी प्रतिबंधों को हटाने, क्षेत्रीय मामलों में अमेरिकी हस्तक्षेप बंद करने और सुरक्षा आश्वासन की मांग की है। इन परस्पर विरोधी मांगों के बीच भरोसे की कमी ही सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। इस पूरे परिदृश्य में चीन की भूमिका खास तौर पर उभरकर सामने आई है। चीन ने खुद को एक संतुलित और जिम्मेदार मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की है। ऊर्जा जरूरतों के चलते ईरान के साथ उसके मजबूत संबंध हैं, वहीं अमेरिका के साथ प्रत्यक्ष टकराव से बचते हुए वह कूटनीतिक लाभ उठा रहा है। यह संकट चीन के लिए वैश्विक नेतृत्व की छवि गढ़ने का अवसर बन गया है। पाकिस्तान भी इस घटनाक्रम में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की कोशिश करता दिखा। उसने एक ओर अमेरिका के साथ पुराने रिश्तों को फिर से सक्रिय करने का प्रयास किया, तो दूसरी ओर इस्लामिक देशों के मंच पर ईरान के प्रति सहानुभूति जताकर संतुलन साधने की कोशिश की। यह दोहरी रणनीति क्षेत्रीय समीकरणों को और जटिल बनाती है। भारत के लिए यह स्थिति एक कठिन कूटनीतिक परीक्षा है। एक ओर अमेरिका के साथ उसके गहरे संबंध हैं, वहीं दूसरी ओर ईरान भारत की ऊर्जा सुरक्षा और चाबहार परियोजना के लिहाज से महत्वपूर्ण साझेदार है, लेकिन इस पूरे संकट में भारत की भूमिका लगभग निष्क्रिय नजर आई,जहां उसने केवल सामान्य बयान जारी कर शांति और संवाद की अपील की है, लेकिन किसी ठोस मध्यस्थता या पहल की कोशिश नहीं की। यह निष्क्रियता भारत की अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक छवि पर सवाल खड़े करती है। यदि भारत अपनी कूटनीतिक निष्क्रियता से बाहर निकलकर सक्रिय भूमिका नहीं निभाएगा, तो वह वैश्विक शक्ति संतुलन में महत्वपूर्ण अवसर खो देगा। जिस भारत को "वैश्विक दक्षिण" का नेता और उभरती हुई महाशक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, उससे अपेक्षा थी कि वह इस संकट में एक सक्रिय, संतुलित और प्रभावी भूमिका निभाएगा। भारत का सीमित और सतर्क रुख यह संकेत देता है कि वह जोखिम लेने से बचता रहा। यह दो हफ्तों का सीजफायर शांति का स्थायी समाधान नहीं, बल्कि एक अस्थायी ठहराव है, एक ऐसा ठहराव जो आने वाले समय में और बड़े टकराव की भूमिका भी बन सकता है। भारत के लिए यह समय केवल देखने और प्रतीक्षा करने का नहीं, बल्कि अपनी कूटनीतिक क्षमता को साबित करने का है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

एक सप्ताह अपने लिए निकाले

संकलित
दर्शन

श्वास और मन पर ध्यान देने से हमारा प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) मजबूत होता है। यदि आप शिशुओं को देखें, तो पाएंगे कि वे अत्यंत संतुलित तरीके से श्वास लेते हैं। वे पूरे शरीर से श्वास लेते हैं-जब वे श्वास अंदर लेते हैं, तो पेट बाहर आता है, और जब श्वास छोड़ते हैं, तो पेट भीतर चला जाता है। पर जैसे-जैसे हम तनावग्रस्त होते हैं, यह प्रक्रिया उल्टी हो जाती है। ऐसी बातें कोई सिखाता नहीं, बस सजगता चाहिए। पर हमारा मन इतना व्यस्त, विचारों, निर्णयों और प्रतिक्रियाओं से भरा होता है कि हम प्रकृति की इन सूक्ष्म बातों को देख ही नहीं पाते। इसलिए साल में एक बार, एक सप्ताह अपने लिए निकालें, जैसे आप कार की सर्विसिंग कराते हैं। उस समय प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहें, सूर्योदय के साथ उठें, हल्का और आवश्यक मात्रा में भोजन करें, व्यायाम करें, योग, प्राणायाम, कुछ समय मौन रखें और प्रकृति का आनंद लें। जब हम प्रकृति से जुड़ते हैं, तो हमारी पूरी प्रणाली पुनर्जीवित हो जाती है। हम ऊर्जावान, उत्साही और प्रफुल्लित अनुभव करते हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण है- जीवन में अधिक प्रसन्न रहना। चीजों को बहुत गंभीरता से न लें। थोड़ा सा आत्मज्ञान, अपने मन, चेतना और भ्रमों के मूल को समझना हमें जीवन को सुंदर बनाने में मदद करता है। हर व्यक्ति में सभी सद्गुण पहले से विद्यमान हैं, बस अज्ञानता की परतों से ढके हैं। हमें केवल उन्हें हटाना है और भीतर छिपे उन गुणों को प्रकट होने देना है।

ईर्ष्यालु किसी को सुखी-संपन्न नहीं देख सकता

संकलित
प्रेरणा

एक महिला कुबड़ी थी जिसकी वजह से वह झुककर चलती थी। सभी लोग उसका उपहास उड़ाते थे। बच्चे तो जब-तब उसे 'कुबड़ी-कुबड़ी' कहकर परेशान करते रहते थे। एक दिन वह कहीं जा रही थी कि सहसा रास्ते में उसकी भेंट नारद जी से हो गई। नारद ने उस महिला पर तरस खाते हुए कहा, 'आओ बहन! मेरे पास आओ। मैं अपने योगबल से तुम्हारा कूबड़ ठीक कर दूंगा।' महिला बोली, 'भगवान! आप अंतर्यामी हैं। आप तो जानते ही है कि लोग मेरा कितना मजाक उड़ाते हैं। मुझे सदैव यह कहकर चिढ़ाते रहते हैं कि, देखो वह कुबड़ी जा रही है। यदि आप मुझ पर मेहरबानी कर ही रहे हैं तो मेरे कूबड़ की फिक्र मत कीजिए। आप बस इतना कर दीजिए कि जो लोग मेरा मजाक उड़ाते हैं, उन सबके भी कूबड़ निकल आए।' नारद जी ने उस महिला का उत्तर सुना तो हक्के-बक्के रह गए। आश्चर्यचकित होकर बोले, 'बहन, दूसरों के कूबड़ निकल आने से तुम्हें क्या मिलेगा।' बुढ़िया बोली, 'मैं उन्हें भी अपनी तरह चलते और दूसरों द्वारा उपहास होते देखूंगी तो मन को शांति मिलेगी।' नारद जी सोचने लगे यह महिला चाहती तो मेरी कृपा से अपना कूबड़ ठीक करा सकती थी। लेकिन उसने हाथ आए अवसर को दूसरों के नुकसान के रूप में ही भुनाने की कामना की। ईर्ष्यालु व्यक्ति की प्रकृति यही होती है कि वह दूसरों को सुखी-संपन्न देखकर उनके जैसा उन्नत, संपन्न और सुखी होने की प्रेरणा ग्रहण नहीं करता, बल्कि सुखी लोगों को दुखी करने और नीचे गिराने का प्रयास करता है।

अंतर्मन

आज की पाती

देश के कई जिलों को पीएनजी से जोड़ा जाए

भारत सरकार के सबसे बड़े उपक्रम, गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक अनुमान के तहत देश में 16,000 किलोमीटर से अधिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क का संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, गेल द्वारा 2,000 किलोमीटर से अधिक एलपीजी गैस पाइपलाइन का भी संचालन किया जाता है। गेल इंडिया लिमिटेड के माध्यम से देश के 22 राज्यों के लगभग 90 से अधिक जिलों में गैस पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है, जिसके जरिए सीएनजी, एलपीजी तथा कुछ जिलों में पीएनजी गैस की आपूर्ति भी की जा रही है। यदि भारत सरकार उन राज्यों के जिलों में, जहां से गैस पाइपलाइन गुजरती है, राज्य सरकारों के साथ समन्वय स्थापित कर जिला एवं तहसील मुख्यालयों को पाइपयुक्त प्राकृतिक गैस (पीएनजी) से जोड़ने की दिशा में ठोस पहल करे तो आमजन को राहत मिलेगी। - *दिलीप ताम्रकार, दुर्ग*

ट्रेंड

अनाज उत्पादक संकट में

ममता दीदी के कुशासन में खेत बंजर पड़े है और अनाज उत्पादक संकट में है। यहां किसानों को आलू मिट्टी के दामों पर बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। मैं स्वयं खेतों तक पहुँचा, किसानों से मिला और उनकी आँखों में चिंता स्पष्ट झलक रही थी।
- **शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री**

चौधरी के निधन से दुःख

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद ए.एच. खान चौधरी के निधन से मुझे गहरा दुःख हुआ है। उन्होंने शांत स्वभाव, विनम्रता और अटूट प्रतिबद्धता के साथ अपना जीवन मालदा और पश्चिम बंगाल की जनता की सेवा में समर्पित कर दिया।
- **राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस**

महिलाओं के अधिकार

2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब देश की महिला शक्ति को उनके पूर्ण अधिकार और सम्मान प्राप्त होंगे। आइए, राजनीति में महिलाओं की 33% भागीदारी सुनिश्चित करें और एक नए भारत की नींव रखें।
- **अरुण गोविल, सांसद, भाजपा**

विभाजनकारी नीतियां

भाजपा के सहयोगियों और समर्थकों की विभाजनकारी नीतियां अपने ही देश की जनता में भय पैदा करती है और उन्हें आपस में लड़ाती हैं। ये सामाज्यवादी "बांटो और राज करो" मानसिकता के वैचारिक उत्तराधिकारी हैं।
- **अखिलेश यादव, सांसद, सपा**

करंट अफेयर

ईरान युद्ध से वैश्विक खाद्य कीमतों में वृद्धि का खतरा

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों में जो सबसे बड़ा व्यवधान पैदा किया है, उससे खाद्य कीमतों और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ेगा। तीनों संस्थाओं के प्रमुखों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि बढ़ती खाद्य कीमतों का सबसे अधिक भार दुनिया की कमजोर आबादी पर पड़ेगा। उन्होंने कहा, तेल, गैस और उर्वरक की कीमतों में तेज़ वृद्धि, साथ ही परिवहन बाधाओं के कारण, खाद्य कीमतों और खाद्य असुरक्षा में वृद्धि अवश्य होगी। संस्थाओं ने कहा कि वे इस स्थिति की गहन निगरानी करेंगे और संकट से प्रभावित लोगों का समर्थन करने के लिए उपलब्ध सभी संसाधनों का समन्वय करेंगे। बयान में यह भी कहा गया कि विशेष रूप से कम आय वाले और आयात-निर्भर देशों में, ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि सरकारों की सीमित वित्तीय क्षमता के कारण कमजोर घरों पर सबसे अधिक प्रभाव डालेगी। तीनों संस्थाओं ने आश्वासन दिया कि वे जीवन और आजीविका की रक्षा, और स्थिरता, विकास और रोजगार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दीर्घकालिक पुनर्प्राप्ति के लिए समर्थन जारी रखेंगी।

ऑफ बीट

भेड़ों से अधिक बुद्धिमान साबित हुई हैं बकरियां

जब हम बुद्धिमान पशुओं के बारे में सोचते हैं तो आमतौर पर भेड़-बकरी जैसे जानवर हमारे जेहन में सबसे पहले नहीं आते। हमारे जेहन में चिंपांजी, आरंगुटान, कैपुचिन्स जैसे पशु या कौए जैसा पक्षी आता है। लेकिन मेरे शोध में पता चला है कि भेड़, बकरियां और अल्पाका जैसे पशु भी कम अक्लमंद नहीं होते। दो अलग-अलग अध्ययनों में, मैंने पता लगाया कि ये जानवर कैसे सीखते हैं, याद रखते हैं और अपने आस-पास की दुनिया को कैसे समझते हैं। निष्कर्षों से न केवल यह पता चलता है कि हमने उनकी सोचने-समझने क्षमताओं को कम करके आंका है, बल्कि जानकारी भी मिली कि इन पशुओं के बीच भी महत्वपूर्ण अंतर हैं। तीनों पशुओं में से बकरियां शीर्ष पर रहीं और उन्होंने याददाश्त व समस्या के समाधान के मामले में भेड़ों और अल्पाकाओं दोनों से बेहतर प्रदर्शन किया। प्रारंभिक अध्ययन भोजन जैसी किसी महत्वपूर्ण चीज के स्थान को याद रखने की क्षमता पर केंद्रित था। जंगल में, यह जीवित रहने का एक महत्वपूर्ण कौशल है। जानवरों को यह याद रखने की जरूरत होती है कि उन्हें पानी, भोजन या आश्रय कहां मिलेगा। मैंने एक सरल प्रयोग किया। प्रत्येक जानवर को एक छोटे से क्षेत्र में कई बाल्टियों में से एक में छिपा हुआ भोजन ढूंढना था।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

अक्षय ने दोस्तों के साथ बिताए समय को किया याद

मुंबई। अक्षय कुमार, राजपाल यादव और वामिका गब्बी के साथ अन्य कलाकार इस वक्त अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला'के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच अक्षय कुमार ने अपनी पढ़ाई को लेकर बड़ा खुलासा किया, जिसे सुनकर सब चौंक गए। अक्षय कुमार फिलहाल रियलिटी शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून होस्ट कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने अपने बचपन के दोस्तों को दर्शकों से मिलवाया और बताया कि वे स्कूल में बैकबेंचर थे, जिन्हें पास होने में भी काफी स्ट्रगल करना पड़ता था। उन्होंने कहा, 'हम लोग केजी से साथ हैं और केजी से 9वीं क्लास के बीच हम लोग तीन बार फेल हुए हैं।

लाइफ Style

अनीत

शक्ति शालिनी में डबल रोल करेंगी प्ले

एजेंसी ⏭ मुंबई

मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म की लीड एक्ट्रेस अनीत पड्डा इस फिल्म में डबल रोल करती नजर आएंगी।

'स्त्री' यूनिवर्स को और व्यापक रूप देती इस मशहूर हॉरर कॉमेडी फिल्म में अनीत के दोनों किरदार एक-दूसरे के बिलकुल विपरीत होंगे। फिल्म में उनके दो किरदारों के नाम 'शक्ति' और 'शालिनी' रखे गए हैं। जो कहानी में रोमांच और डर का जबरदस्त तड़का लगाने के लिए तैयार हैं। आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बन रही यह फिल्म बंगाली लोक कथाओं से प्रेरित है। मिड डे की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह अच्छाई और बुराई के बीच की एक हमेशा चलती रहने वाली लड़ाई है। इसमें 'शालिनी' का किरदार एक ऐसी प्रेतनी का है, जो बदले की भूखी है। शालिनी पेड़ों और पानी वाली जगहों में रहती है और मर्दों को सजा देती है। वहीं 'शक्ति' का किरदार देवी काली के स्वरूप से प्रेरित है। जिन्हें बुराई का विनाश करने वाली सर्वोच्च शक्ति माना जाता है। फिल्म में शक्ति का मुकाबला शालिनी से होगा। अनीत के इन 2 शक्तिशाली अवतारों ने फैंस के बीच अभी से एक्साइटमेंट बढ़ा दिया है। अनीत पड्डा के इस किरदार की पहली झलक पिछले साल आयुष्मान खुराना की फिल्म 'थामा' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दिखाई गई थी। इसमें उन्हें 'सृष्टि की रचयिता, विनाशक और सबकी मां' के रूप में दिखाया गया।

हॉलीवुड मसाला

गेम ऑफ थ्रोन्स से

हुए मशहूर

लॉस एंजिल्स। हिट सीरियल 'गेम ऑफ थ्रोन्स' में अपनी भूमिका के लिए मशहूर अभिनेता माइकल पैट्रिक का निधन हो गया है। वह 35 साल के थे। उन्होंने मुख्य रूप से दिस टाउन, ब्लू लाइट्स, माई लेफ्ट नट और डच सीरियल द स्पेक्टैकुलर में अभिनय किया है। वह आरटीई के ब्लास्ट्स फ्रॉम द पास्ट और बर्नार्ड डन की मिथिकल हीरोज में भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसके अलावा माइकल ने लोकप्रिय टीवी श्रृंखला गेम ऑफ थ्रोन्स के छठे सीजन के एपिसोड द ब्रोकन मैन में एक वाइल्डलिंग दंगाई की छोटी, लेकिन यादगार भूमिका निभाई थी।

एक्सट्रैक्शन 3 में फिर दमदार रोल में लौटेंगे

लॉस एंजिल्स। मार्वल स्टार क्रिस हेम्सवर्थ की पॉपुलर एक्शन फ्रेंचाइजी एक्सट्रैक्शन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म के तीसरे पार्ट की तैयारियां शुरू हो गई हैं, और अब फिल्म में एक और बड़ा हॉलीवुड एक्टर शामिल होने वाला है। एक बार फिर क्रिस हेम्सवर्थ अपने दमदार किरदार टायलर रेक के रूप में वापसी करने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म में इदरीस एल्बा भी नजर आएंगे, जो पहले भी इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रह चुके हैं। उनके साथ गोलशिफ्तेह फरहानी भी अपनी भूमिका दोहराती दिखेंगी। फिल्म को एक बार फिर डायरेक्टर सैम हार्ग्रेव ही डायरेक्ट करेंगे, जिन्होंने पहले दोनों पार्ट्स को भी संभाला था। एक्सट्रैक्शन सीरीज की शुरुआत 2020 में हुई थी और इसके बाद 2023 में इसका दूसरा पार्ट आया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।

राका बनकर डराएंगे दीपिका होंगी साथ

मुंबई। साउथ के बेहतरीन एक्टर अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन पर अपकमिंग फिल्म का नाम और पोस्टर रिवील किया है। पहले उनकी इस फिल्म को 'एए2xए6' के नाम से जाना जाता था। पोस्टर कई भाषाओं में रिलीज किया गया है। इसमें अंग्रेजी और हिंदी जैसी भाषाएं भी शामिल हैं। पोस्ट शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा है 'एए2xए6' का नाम अब राका है। खुद को सीमाओं से आगे देखने के लिए तैयार करें।' इसमें अल्लू अर्जुन, एटली और दीपिका पादुकोण को टैग किया गया है। 'राका' के पोस्टर में देखा जा सकता है कि अल्लू अर्जुन का आधा चेहरा नजर आ रहा है। अपने चेहरे को उन्होंने छुपाया है। उनके चेहरे के आगे किसी जानवर का पंजा है, जो काफी डरावना लग रहा है। उनके सर पर बाल नहीं हैं। उनकी भौहें बनी हुई हैं।

डकैत की टिकट बेचते नजर आए जमील

मुंबई। फिल्म 'धुरंधर' में जमील जमाली के किरदार से सुर्खियों में छाए राकेश बेदी का डायलॉग 'मेरा बच्चा है तू...' लोगों के बीच काफी प्रसिद्ध हो गया है। यहां तक कि अब निर्देशक अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए राकेश बेदी का सराहा ले रहे हैं। एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें राकेश सिनेमाघर के टिकट काउंटर पर 'डकैत' की टिकट बेचते नजर आ रहे हैं। उनका यह मजेदार अंदाज सोशल मीडिया पर पसंद किया जा रहा है। मृणाल ठाकुर ने एक खास वीडियो अपनी फिल्म डकैत की रिलीज के ठीक एक दिन पहले इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में राकेश अभिनेत्री मृणाल ठाकुर की फिल्म डकैत की टिकटें बेचते नजर आ रहे हैं। फिल्म 'डकैत'10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

तुलसी का जलवा बरकरार अनुपमा का हुआ बुरा हाल

नई दिल्ली। गुरुवार को 13वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट सामने आ चुकी है। इस बार भी स्मृति ईरानी स्टारर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' अव्वल रहा है। टीआरपी लिस्ट में 1.8 की टीआरपी मिली है। जबकि 12वें हफ्ते में इसकी अपनी टीआरपी 2.0 थी। देखा जाए तो इस 13वें हफ्ते में आकर इस सीरियल की टीआरपी कम हुई है। इन दिनों सीरियल में तुलसी, मिहिर के और नोयना के उलझे रिश्तों वाला ट्रैक चल रहा है। 13वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में दूसरे नंबर पर सीरियल 'गंगा मां की बेटियां'रहा है। इसको भी 1.8 की टीआरपी मिली है। जबकि 12वें हफ्ते में यह सीरियल पांचवें नंबर पर था। इस तरह 'गंगा मां की बेटियां'इस पर टीआरपी चार्ट में ऊपर आया है। इन दिनों टीवी और फिल्म एक्टर शरद केलकर का सीरियल 'तुम से तुम तक'भी काफी पसंद किया जा रहा है। 13वें की टीआरपी लिस्ट में इसे 1.8 की टीआरपी मिली है। जबकि 12वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में शरद केलकर के सीरियल 'तुम से तुम तक'को 1.9 की टीआरपी मिली थी। 13वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में चौथे नंबर पर सीरियल वसुधा रहा है, इसकी टीआरपी 1.7 रही है। वहीं ,पांचवें नंबर पर रुपाली गांगुली का सीरियल अनुपमा रहा है। इस सीरियल की टीआरपी लगातार कम हो रही है। 13वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में इसे पांचवां स्थान मिला है, इसको भी 1.7 की टीआरपी मिली है।

गिन्नी वेड्स सनी 2 में पहलवानी करते नजर आए अविनाश

मुंबई। अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की रोमांटिक-कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। फिल्म के ट्रेलर में अविनाश एक पहलवान के रूप में नजर आए। तो वहीं फिल्म की अभेनित्री मेधा शंकर का मॉर्डन स्टाइल देखने को मिला। । 'गिन्नी वेड्स सनी 2' 24 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर में नई जोड़ी अविनाश और मेधा दिख रही है। ये जोड़ी पहले वाली फिल्म में विक्रांत मैसी और यामी गौतम ने निभाई थी। इस सीक्वल में पूरी नई कहानी है। अविनाश (सनी) पहलवान हैं और मेधा (गिन्नी) शादी की हलचल में मजेदार और अनोखे ट्विस्ट लाती हैं। ट्रेलर में भरपूर रोमांस, हंसी और मनोरंजन है। फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' के निर्माताओं ने आज ट्रेलर रिलीज करके फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। ट्रेलर रिलीज से पहले हाल ही में इस फिल्म के दो गाने 'छाप तिलक' और 'ऐ खुदा' जारी किए गए थे। दोनों गाने दर्शकों को बहुत पसंद भी आए। इन गानों में फिल्म की कहानी साफ दिखाई देती है। इन गानों में भावनाओं और रोमांस को बखूबी दिखाया गया है। 'गिन्नी वेड्स सनी 2' 2020 में नेटफ्लिक्स पर आई फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' का दूसरा भाग है। उसमें विक्रांत मैसी और यामी गौतम थे। अब 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक और लेखक प्रशांत झा हैं। मेधा की मां का रोल लिलेट दुबे ने किया है। इसके अलावा सुधीर पांडे, गोविंद नामदेव और गोपी भल्ला जैसे दमदार कलाकार भी हैं। जी स्टूडियोज और साउंड्रया प्रोडक्शन ने इसे बनाया है।

गुड्डी की मासूमियत ने जीता था शहंशाह का दिल

नई दिल्ली। एक सफल अभिनेत्री, पत्नी और मां; जया ने अपने जीवन के हर रंग को भरपूर जिया है। साल 1971 में फिल्म 'गुड्डी' से उन्होंने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत की। 1972 में पहली बार उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'बंसी बिरजू' में काम किया पर बच्चन से पहली मुलाकात तो 'गुड्डी' के सेट पर ही हो गई थी। फिल्मी सेट पर मिले ये दो दिल तब तक यह नहीं जानते थे की वो एक साथ लंबे वक्त तक धड़केंगें।

गुड्डी के सेट पर मिली नजरें : जया और अमिताभ बच्चन की प्रेम कहानी पुणे फिल्म संस्थान में शुरू हुई। अमिताभ प्रसिद्ध निर्देशक के. अब्बास के साथ पुणे आए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमिताभ को पहली बार जया के लिए एहसास तब जागा जब उन्होंने पहली बार उन्हें एक पत्रिका के कवर पेज पर देखा। इसके बाद दोनों पहली बार फिल्म 'गुड्डी' के सेट पर मिले। फिल्म में अमिताभ ने कैमियो किया था। एक पुराने इंटरव्यू में जया ने कहा कि अमिताभ की आंखों से उन्हें पता चल गया था कि वो एक दिन स्टार बनेंगे।

53 साल का साथ : अब अमिताभ और जया की शादी को 53 साल बीत चुके हैं। दोनों खुशहाल जीवन जी रहे हैं। अब जया सिर्फ पत्नी ही नहीं दो बच्चों (अभिषेक बच्चन और श्वेता नंदा) की मां भी है। बहू के रूप में उन्हें ऐश्वर्या राय बच्चन मिली हैं।

राजेश ने जताई थी आपत्ति

एक-दूसरे को पसंद करने का जो सिलसिला गुड्डी से शुरू हुआ था वो फिल्म बंसी बिरजू और एक नजर में परवान चढ़ा। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों की नजदीकियां बढ़ी। जया जहां समझ चुकी थी कि यह प्यार है वहीं अमिताभ अब भी इसकी दस्तक नहीं सुन पा रहे थे। हालांकि, धीरे-धीरे दोनों को यह महसूस हो गया। जया और अमिताभ एक होना चाहते थे। खबरों की मानें तो जया के करीबी दोस्त और सुपरस्टार राजेश खन्ना को दोनों का रिश्ता सही नहीं लगा। इस पर एक्टर ने आपत्ति जताई थी। मगर तब तक अमिताभ का जादू जया पर चल चुका था।

एक ट्रिप ने मिस जया को बनाया मिसेज जया

दो साल गुजर गए। साल 1973 में फिल्म 'जंजीर' की सफलता के बाद अमिताभ बच्चन सुपरस्टार बन गए। इस सफलता का जश्न मनाने के लिए अमिताभ दोस्तों के साथ फॉरिन ट्रिप पर जाना चाहते थे। वो चाहते थे कि जया भी उनके साथ लंदन जाएं। मगर दोनों के परिवारों को पता चला तो इस पर मंजूरी नहीं मिली। न तो पारंपरिक बच्चन परिवार ने अमित को इजाजत दी, न ही कला के भक्त भादुड़ी परिवार ने जया को। मगर अमिताभ की जिद थी कि वो जया के साथ ही लंदन जाएंगे। इस पर परिवार वालों ने कहा कि अगर दोनों शादी कर लें तो किसी को कोई परेशानी नहीं है। इसके बाद बिना देरी किए अमिताभ बच्चन और जया भादुड़ी ने 3 जून 1973 एक निजी समरोह में फेरे ले लिए।

कन्नड़ अभिनेता यश लंकापति रावण की भूमिका में आएंगे नजर

कई अभिनेताओं ने निभाया रावण का किरदार, दर्शकों के दिलों में आज भी बसे अरविंद

नई दिल्ली। *नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है। इस फिल्म में राम की भूमिका में रणबीर कपूर, माता सीता की भूमिका में साई पल्लवी और लंकापति रावण की भूमिका में यश हैं। रामानंद सागर की 'रामायण' पूरे देश में आज भी बहुत चर्चित है। उस समय यह सीरियल टीवी पर रविवार को आया करता था, जिसे लाखों-करोड़ों लोग देखते थे। अरविंद त्रिवेदी का रावण का रोल इतना जबरदस्त और यादगार रहा कि लोग आज भी उन्हें 'रावण' के नाम से ही जानते हैं। अरविंद त्रिवेदी का रावण का किरदार सदाबहार है, लेकिन अरविंद के अलावा भी कई अभिनेताओं ने रावण की भूमिका निभाई है। वहीं अब नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में कन्नड़ अभिनेता यश लंकापति रावण की भूमिका में नजर आएंगे।*

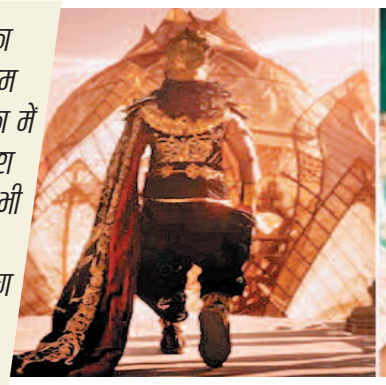

रावण के किरदार को बना दिया अमर

रामानंद सागर की 'रामायण' में अरविंद त्रिवेदी का रावण का किरदार बहुत शक्तिशाली और भयानक दिखाया गया था। दस सिर वाले रावण के रूप में उनकी एक्टिंग ने दर्शकों को काफी इंप्रेस किया। कई लोगों का कहना है कि न तो पहले ऐसा रावण हुआ और न ही बाद में कभी होगा। उनकी आवाज, बॉडी लैंग्वेज और अभिनय ने उन्होंने रावण के अपने इस किरदार को अमर बना दिया। असल में अरविंद त्रिवेदी केवट (नाविक) का रोल करने के लिए ऑडिशन देने गए थे, लेकिन रामानंद सागर ने उनकी आवाज और लुक देखकर उन्हें सीधे रावण का रोल दे दिया। उन्होंने 300 से ज्यादा लोगों को पीछे छोड़कर यह रोल हासिल किया। अरविंद त्रिवेदी का निधन हो चुका है, लेकिन 'रामायण' में रावण के किरदार में उनकी भूमिका लोगों के दिलों में आज भी जिंदा है।

यश की दी दिखाई झलक

नितेश तिवारी निर्देशित आगामी फिल्म 'रामायण' का पहला भाग 2026 में रिलीज होने वाला है। इस फिल्म में रावण का किरदार साउथ अभिनेता यश निभाएंगे। हाल ही में रिलीज हुए 'रामायण' के टीजर में रावण के किरदार में यश की झलक सिर्फ पीछे से दिखाई गई है। तो क्या यश अभिनेता अरविंद त्रिवेदी जैसा जादू दर्शकों पर चला पाएंगे? यह तो इस फिल्म रिलीज के बाद ही पता चलेगा।

खोपड़ी-पसली वाला खाना देख चकराया सिर : नई दिल्ली। 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में सबसे बड़ा डर हमेशा से किसी खाने को बिगाड़ देना रहा है। लेकिन, क्या होता है जब एक बिगड़ी हुई रेसिपी का डर एक भूतिया घर के आतंक से टकराता है? इसका जवाब शो के अब तक के सबसे अराजक और कॉमेडी से भरपूर ट्विस्ट में छिपा है, जब किचन पूरी तरह से भूत बंगले में बदल जाती है और इसके स्टार कलाकार भी मस्ती में शामिल हो जाते हैं।

कार्यालय नगर पंचायत कोन्टा, जिला - सुकमा (छ.ग.)

E-mail:- cmokonta@gmail.com Fax no.-07866-261761

क्रमांक / 25 / तक. / निविदा / न.पं./2026-27 कोण्टा, दिनांक- 09.04.2026

मैन्युवल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय नगर पंचायत कोन्टा, जिला - सुकमा (छ.ग.) द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत ठेकेदार / फर्म अधोसंरचना मद अन्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्य हेतु तीन लिफाफा पद्धति में पृथक-पृथक दिनांक – 01.01.2020 से प्रभावशील पी.डब्ल्यू. डी.एस.ओ. आर दर पर प्रतिशत दर में अधिक / कम पर मैन्युवल निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक ठेकेदार / फर्म अपनी निविदा दरें पंजीकृत डाक/ स्पीड पोस्ट से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक 06.05.2026 समयः 4.00 बजे तक प्रत्येक कार्य हेतु पृथक-पृथक निविदा प्रस्तुत कर सकते हैं।

01. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि	-	29/04/2026 समय 5.30 बजे तक।
02. निविदा प्रपत्र विक्रय की तिथि	-	01/05/2026 समय 5.30 बजे तक।
03. निविदा जमा करने की तिथि	-	06/05/2026 समय 4.00 बजे तक।
04. निविदा खोलने की तिथि	-	06/05/2026 समय 4.30 बजे।

निर्देशः – उपरोक्त मैन्युवल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना की विस्तृत जानकारी एवं सामान्य नियम एवं शर्ते की जानकारी नगर पंचायत कार्यालय के लोक निर्माण शाखा से कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते हैं, एवं विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में देखी जा सकती हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत कोन्टा
जिला-सुकमा (छ.ग.)

शैल को स्कूल जाते समय गिलहरी का एक प्यारा-सा बच्चा मिल गया। वह उसे अपने साथ स्कूल ले आया। क्लास के बच्चों ने जब ए, बी, सी और वन, टू, थ्री गाकर सीखा तो गिलहरी के बच्चे ने भी एल्फाबेट और काउंटिंग रट ली। इसके बाद जो हुआ, बहुत ही मजेदार रहा!

पढ़ने लगा गिलहरी का बच्चा!

गुजराती कहानी

पुष्पा अंताणी

एक गिलहरी थी। वह अपने नन्हे से बच्चे के साथ रहती थी। गिलहरी को सुबह से लेकर शाम तक दौड़ती हुई देखकर बच्चे ने उससे कहा, 'मां, तुम सारा दिन दौड़ती रहती हो, तो क्या तुम थकती नहीं हो?'

मां बोली, 'क्या करूं, बेटा! दौड़ना तो पड़ेगा ही ना! मैं यदि दौड़ूंगी नहीं, आराम से बैठी रहूंगी तो फिर हम खाएंगे क्या?'

बच्चे ने कहा, 'मां, क्या मैं तुम्हारी कुछ मदद करूं?'

गिलहरी ने प्यार से जवाब दिया, 'नहीं, तुम अभी बहुत छोटे हो, पहले तुम बड़े हो जाओ, बाद में मेरी मदद करना। जाओ, अभी तो तुम बाहर जाकर खेलो।'

बच्चा खेलने के लिए बाहर दौड़ गया। वहां स्कूल जा रहे नन्हे-मुन्ने शैल की नजर एक पेड़ के तने के पास खेल रहे इस गिलहरी के बच्चे पर पड़ी। उसे वह बच्चा बहुत पसंद आ गया। वह चुपके-चुपके, लुकते-छिपते उसके पास आया ताकि गिलहरी के बच्चे को पता नहीं चले, फिर उसे पकड़ लिया। बच्चा भी बहादुर था, पर शैल ने उसे अचानक ही पकड़ा था, वह कांपने लगा। बच्चे को कांपता देखकर शैल समझ गया कि वह डर गया है। इसलिए वह बच्चे को प्यार से अपने हाथों से सहलाते हुए बोला, 'तुम मुझसे बिल्कुल डरना मत। मैं तुम्हें जरा भी परेशान नहीं करूंगा। मैं तो तुम्हारा दोस्त हूं।'

गिलहरी के बच्चे ने कहा, 'क्या तुम मेरे साथ खेलोगे?' 'हां, मैं तुम्हारे साथ जरूर खेलूंगा, पर अभी तो मैं स्कूल जा रहा हूं। तुम मेरे साथ चलोगे?' शैल ने पूछा।

गिलहरी का बच्चा शैल के साथ स्कूल जाने के लिए तैयार हो गया। शैल ने तुरंत उस बच्चे को बस्ते के अगले वाले खाने में रख दिया, उसके बाद वह स्कूल आ गया। उसका कोई दोस्त बच्चे को देखे, उससे पहले गिलहरी के बच्चे को क्लास की खिड़की के पास बैठाकर कहा, 'तुम यहीं बैठे रहना, आराम से सब कुछ देखते रहना।'

कुछ देर बाद टीचर आए। सभी बच्चों को गा-गा कर पढ़ाने लगे, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फिर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।' बच्चे भी उसी प्रकार ऊंची आवाज में बोलने लगे। कुछ देर बाद दूसरे टीचर आए। बच्चों को वह 'वन, टू, थ्री, फोर, फाइव' पढ़ाने लगे। बच्चे भी उसी तर्ज पर ऊंची आवाज में गाकर बोलने लगे। गिलहरी का बच्चा यह सब देख रहा था और सुन रहा था। वह भी अपने होंठ फड़फड़ा कर कुछ बोल रहा था। कुछ देर बाद इंटरवल हुआ। सभी बच्चे लंच करने लगे। कोई देख न ले, इसलिए शैल छिपता हुआ खिड़की के पास पहुंचा। उसने देखा कि गिलहरी का बच्चा बहुत खुश था। उस बच्चे को शैल ने अपने टिफिन में से कुछ खिलाया और खुद भी खाना खाया। बच्चे को बड़ा मजा आया। वह कूदने-फुदकने लगा। इससे शैल के सभी मित्रों को पता चल गया कि उनकी क्लास में गिलहरी का बच्चा आया हुआ है। सारे इकट्ठा हो गए, गिलहरी के बच्चे को खिलाने लगे। शैल ने अपने दोस्तों से कहा, 'कोई उसे तंग नहीं करना।' क्लास के सभी बच्चे मिलकर खूब खेले, मजे किए। बाद में पढ़ने के लिए बैठ गए। गिलहरी का बच्चा भी पुनः खिड़की के पास बैठ गया।

स्कूल में छुट्टी होने पर सब अपने-अपने घर जाने लगे। रास्ते में उस पेड़ के पास पहुंचने पर शैल ने गिलहरी के बच्चे से कहा, 'क्या तुम मेरे घर चलोगे?'

बच्चा बोला, 'मेरी मां, मेरा रास्ता देख रही होगी। मैं अभी तो जाऊंगा, शाम को खेलने के लिए आऊंगा।'

शैल ने कहा, 'मैं इसी जगह तुम्हारा इंतजार करूंगा।'

बच्चा तो दौड़ता हुआ अपनी मां के पास चला गया। मां ने उसे देखते ही पूछा, 'कहां था तू इतनी देर से? मुझे तेरी बहुत चिंता हो रही थी। क्या कर रहा था तू?' बच्चा मां को जवाब देने के बजाय ऊंची-ऊंची आवाज में गाने लगा, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फॉर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।'

सभी इमेज: एआई

मां तो अपनी आंखें फाड़े अपने बच्चे को देखती ही रह गई। वह बोली, 'तुम यह क्या बोल रहे हो? मेरी समझ में कुछ नहीं आ रहा है।'

बच्चा तो फिर आगे गाने लगा, 'वनटू.थ्री.फोर फाइव., सिक्स., सेवन., ऐट., नाइन., टेन.!' यह सुनकर गिलहरी घबरा गई। उसने सोचा कि उसके बच्चे को किसी ने कुछ कर दिया है या फिर वह पगला गया है।

मां बच्चे को बगल वाले पेड़ पर रह रहे कौए के पास लेकर गई, उससे बोली, 'कौआ भाई! देखो तो मेरे बच्चे को कुछ हो गया है। मैं उसे जो कहती हूं, वह उसकी समझ में नहीं आ रहा। वह ना जाने क्या बोल रहा है, मेरी समझ में नहीं आ रहा है! आप जरा देखिए तो, कुछ आपकी समझ में आ रहा है?'

कौए ने बच्चे से कहा, 'क्यों क्या हुआ है तुम्हें?'

बच्चा तुरंत गाने लगा, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फॉर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।' थोड़ी सांस लेकर फिर बोलने लगा,'वनटू थ्री फोर फाइव सिक्स सेवन ऐट नाइन टेन।'

कौआ चौंका, 'अरे बाप रे! इसे तो कुछ हो गया है। पास में ही रह रहे बंदर वैद्य को दिखाओ, तब पता चलेगा इसे क्या हुआ है?' गिलहरी तुरंत बच्चे को लेकर बंदर वैद्य के पास गई। उससे बोली, 'बंदर वैद्य जी, देखिए तो मेरे बच्चे को क्या हो गया है? उसे जल्दी-जल्दी अच्छा कर दीजिए!' बंदर वैद्य ने बच्चे को जांचा। वह तो चुस्त-दुरुस्त ही था। उसने बच्चे से पूछा, 'तुम्हें क्या हुआ है?'

बच्चा तुरंत गाने लगा, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फॉर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।'

यह सुनकर बंदर वैद्य बोला, 'ओ मां! यह तुम क्या बोल रहे हो?'

बच्चा फिर से वही बोलने लगा, 'वन टू थ्री फोर फाइव।' बंदर चिंतित होकर बोला, 'गिलहरी, तुम्हारी बात सही है। तुम्हारे बच्चे को सच में कुछ हो गया है!'

यह सुनकर गिलहरी रोने लगी। घर लौटते हुए रास्ते में जो भी मिलता, उससे अपने बच्चे को ठीक कर देने के लिए विनती करती। ऐसा करते हुए शाम हो गई। शाम हो जाने पर शैल को गिलहरी का बच्चा दिखाई नहीं दिया, तो वह उसे खोजने के लिए निकल पड़ा। रास्ते में उसे उसके दोस्त भी मिले। सब मिलकर बच्चे को खोजने लगे। बच्चा तो कहीं नजर नहीं आया। तभी गिलहरी के बच्चे की दूर से आ रही आवाज सबने सुनी। वह गा रहा था, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट।' पहले तो किसी की समझ में नहीं आया, लेकिन बाद में शैल की समझ में आ गया कि गिलहरी का बच्चा भी आज स्कूल से ऐसा बोलना सीख कर आया है। सब खुश हो गए और नाचते-कूदते, गाने लगे, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, सी फॉर कैट, डी फॉर डॉग, ई फॉर एलिफेंट।'

गिलहरी ने उनकी यह आवाज सुनी तो बोली, 'अरे, मेरा बच्चा भी ऐसा ही बोल रहा है!' गिलहरी के बच्चे ने भी शैल और उसके दोस्तों की आवाज सुनी तो वह दौड़कर उनके पास गया।

गिलहरी के बच्चे को देखकर सब खुशी से झूमने लगे और गाने लगे, 'ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल, वन टू थ्री फोर फाइव!' गिलहरी का बच्चा भी सबके साथ नाचता जाता और गाता जाता। गिलहरी, कौआ, बंदर और अन्य प्राणी फटी आंखों से यह तमाशा देखते ही रहे। *

हिंदी अनुवाद : रजनीकांत एस. शाह

जीके क्विज-200

1. उत्तर भारत का पहला ग्लास ब्रिज किस स्थान पर बनाया जाएगा?
2. दुनिया की पहली डिजिटल जनगणना किस देश में शुरू की गई है?
3. पानीपत की दूसरी लड़ाई किसके बीच हुई थी?
4. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के वर्तमान अध्यक्ष कौन हैं?
5. प्रसिद्ध प्राचीन ग्रंथ 'मुद्राराक्षस' के रचयिता कौन हैं?
6. अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय कहां स्थित है?
7. कौन-सा ग्रह सबसे कम समय में सूर्य का चक्कर लगाता है?
8. कौन-सा विटामिन आंखों के लिए सर्वाधिक लाभदायक होता है?
9. स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री कौन थे?
10. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य कौन-सा है?

बच्चो, जीके क्विज-200 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-199 का उत्तर: 1. आरसीबी, 2. छत्तीसगढ़, 3. 18 अप्रैल, 4. देहरादून, 5. सिकंदर लोदी, 6. पंजाब, 7. विटामिन बी और विटामिन सी, 8. वुलर झील, 9. जोधपुर, 10. भारत-पाकिस्तान

जीके क्विज-199 का सही उत्तर देने वाले: कबीर-हिसार, अनुभव-राजनांदगांव, सचिन-दुर्ग, रमेश-बैकुंठपुर, कविता-रायपुर, तनिष्क-रोहतक, कोमल-बिलासपुर, रचित-महासमुंद, आकाश-बलौदा बाजार, कनिका-बालोद

हंसगुल्ले

अजय: यार, आजकल मुझे रात को ठीक से नींद नहीं आती। क्या तुम्हें अच्छी नींद आती है?

विजय: हां, मैं तो 'घोड़े बेचकर' सोता हूं।

अजय: अच्छा! तो तुमने अब तक कितने घोड़े बेच दिए?

-नैतिक, दिल्ली

रोहन: क्या जुबान के भी पैर होते हैं?

सोहन: नहीं।

रोहन: फिर मम्मी क्यों कहती है कि तेरी जुबान दिन भर चलती रहती है?

-काव्या, जबलपुर

राजू, सोनू और मोनू, तीनों एक ही साइकिल पर जा रहे थे। एक ट्रैफिक पुलिस वाले अंकल ने उन्हें रोक लिया।

राजू: सॉरी अंकल, हमारी साइकिल पर और जगह नहीं है। प्लीज, आप किसी और से लिफ्ट ले लें। **-जतिन, रायपुर**

वनस्पति जगत

नयनतारा

बच्चो, पेड़ एक तरह से पृथ्वी के फेफड़े होते हैं, क्योंकि वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं ताकि हम सांस लेकर जिंदा रह सकें। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी पर 3 ट्रिलियन से अधिक पेड़ हैं। पेड़ों का भी अनोखा आश्चर्यजनक संसार है, दुनिया भर में एक से बढ़कर एक अनोखे पेड़ पाए जाते हैं। एक पेड़ तो ऐसा था, जो करीब 2,000 साल तक जीवित रहा। उस पेड़ का तना इतना बड़ा था कि उसके बीच से होकर बनाए गए रास्ते में से घुड़सवार भी निकल सकते थे। उस पेड़ का नाम-जायंट सिकोइया था। इस प्रजाति के पेड़ आज भी दुनिया में मौजूद हैं।

इसलिए कहते हैं जंगल का पिता: जायंट सिकोइया के पेड़ पूरे जंगल की क्षमता और ताकत का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रारंभिक दौर के मूल जायंट सिकोइया के जो अवशेष मिले हैं, उससे पता चलता है कि वह 400 फीट से अधिक ऊंचा रहा होगा, प्राकृतिक संसार पर यह राजा की तरह राज करता होगा। प्रकृति का रियल लीजेंड है जायंट सिकोइया, इसलिए इसे 'जंगल का पिता' कहते हैं।

अब भी मौजूद हैं इस प्रजाति के पेड़: बच्चो, सबसे पुराने जायंट सिकोइया के वृक्ष तो अब नष्ट हो चुके हैं। लेकिन इस प्रजाति के वृक्ष आज भी

बच्चो, जंगलों में बहुत ही विशाल और अनोखे पेड़ पाए जाते हैं। इनमें एक पेड़ है जायंट सिकोइया। इसे 'जंगल का पिता' कहा जाता है। जानो, इस अनोखे पेड़ के बारे में।

जंगल का पिता कहलाता है विशाल-अनोखा पेड़ जायंट सिकोइया

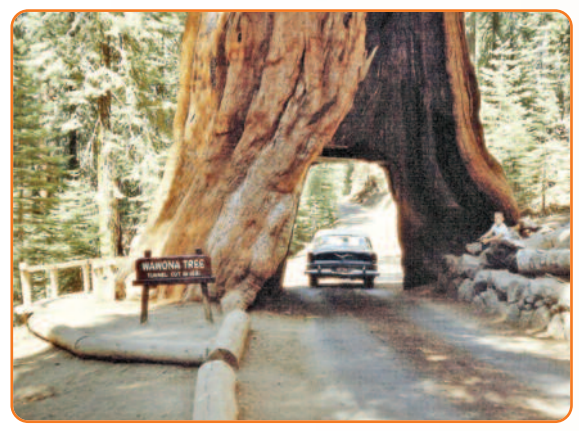

अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में सिएरा नेवादा पर्वत श्रृंखला के ढलानों पर धुंध भरे वातावरण में उगते हैं। ये पेड़ 900 से 2,600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ग्रोव्स (उपवनों), विशेष रूप से सिकोइया नेशनल पार्क, किंग्स कैन्यन नेशनल पार्क और कैलावेरस बिग ट्रीज स्टेट पार्क में पाए जाते हैं।

आग में भी रहते हैं सुरक्षित: जायंट सिकोइया पेड़ की छाल लगभग दो फीट मोटी होती है, इनमें कोई ज्वलनशील पदार्थ नहीं पाया जाता है, जिससे ये पेड़ जंगल की आग जैसी आपदाओं में भी बचे रह जाते हैं। कई बार तो जंगल की आग इस पेड़ के लिए फायदेमंद साबित होती है। बच्चो, जायंट सिकोइया के बीज इस पेड़ की शाखाओं पर उगने वाले शंकु (कोन) के अंदर पाए जाते हैं। ये कोन पेड़ पर लगभग 20 साल तक लटके रहते हैं। जंगल की आग की गर्मी में इनके कोन सूख जाते हैं और ओटमील के दाने जैसे छोटे-छोटे बीजों को मिट्टी में छोड़ देते हैं, जिससे जायंट सिकोइया के नए पेड़ पनपते हैं।

पी जाता है डेली 300 गैलन पानी: एक पूरा विकसित जायंट सिकोइया का पेड़ दिनभर में लगभग 300 गैलन पानी पी जाता या जमीन से सोख लेता है। यह पेड़ काफी विशाल तो होता है, पर इसकी जड़ें काफी गहराई तक नहीं पहुंच पाती हैं। इसकी जड़ें सिर्फ 6 से 12 फीट गहराई तक ही जा पाती हैं। ऐसे में इस विशाल पेड़ को संतुलित रखने के लिए इसकी जड़ें चौड़ाई में फैल जाती हैं।

आयु होती है हजारों वर्ष: जायंट सिकोइया पेड़ की आयु हजारों वर्ष की हो सकती है। यह पेड़ अधिक पुराने होने या किसी पादप-रोग से नहीं नष्ट होते, बल्कि कई बार अपनी विशालता, वजन और असंतुलन की वजह से गिर पड़ते हैं। *

कविता / घमंडीलाल अग्रवाल

बैसाखी त्योहार अनोखा

बैसाखी त्योहार अनोखा
जोश जगाता है,
बच्चों, बड़ों और बूढ़ों के
मन को भाता है।
बोई हुई फसल खेतों की
पककर कट जाती,
खाली खलिहानों में दानों
की बहार आती,
मजदूरों के श्रम का पूरा
मोल चुकाता है।
नई तरह की मस्ती छाए
पांव थिरक उठते,
घोर निराशाओं के बादल
राहों में लुटते,
जीवन का संगीत सुहाना
खूब सुनाता है।
दिशा-दिशा में मुस्कानों की
एक लहर आए,
अपनेपन की खुशबू से जग
सारा भर जाए,
जो हो गए दूर थे उनको
पास बुलाता है।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

चार दोस्तों की रोमांचक कहानी

बच्चो, तुमको सुपरहीरोज की कॉमिक स्टोरीज पढ़ने में बहुत मजा आता होगा। इन हीरोज के पास तो सुपर पॉवर होती हैं। इसलिए वे कठिन से कठिन काम भी आसानी से कर लेते हैं। लेकिन इस नॉवेल 'धमाल चौकड़ी और रावण टेकड़ी का रहस्य' में तुम्हारे जैसे ही चार सामान्य बच्चों की कहानी है, जिनके पास कोई सुपर पावर नहीं है। लेकिन फिर भी चारों दोस्त ध्रुव, किट्टू, एकांश और युग किस बहादुरी, साहस और समझदारी से घने जंगल के बीच स्थित एक पुराने खजाने का पता लगाते हैं, इसे पढ़कर तुम रोमांच से भर उठोगे।

कहानी की शुरुआत होती है, जब ध्रुव दिल्ली से अपने मामा के घर रामपुर पहुंचता है। वहां उसकी दोस्ती पड़ोस में रहने वाली नटखट किट्टू और जुड़वा भाई युग और एकांश से होती है। वे साथ में खेलते, मस्ती करते हैं। इसी बीच उन्हें रावण टेकड़ी के प्राचीन खजाने से जुड़े नक्शे के बारे में पता चलता है। फिर चारों कैसे वहां तक पहुंचते हैं, उनके सामने कैसी चुनौतियां आती हैं और वे कैसे उनका सामना करके अपने लक्ष्य को पाते हैं, यह जानने के लिए तुमको यह किताब पढ़नी होगी। बच्चो, नॉवेल रहस्य-रोमांच से भरा है, पढ़कर तुम्हें मजा आएगा। *

किताब: धमाल चौकड़ी और रावण टेकड़ी का रहस्य, **लेखक:** मिथिलेश गुप्ता, **मूल्य:** 249 रुपए, **प्रकाशक:** फ्लाईड्रीम्स पब्लिकेशंस, दिल्ली

रंग भरो-199

रंग भरो-199 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

श्रेया, दुर्ग

डॉली, दुर्ग

आशुतोष, उमरिया

त्रियांश, धमतरी

रुपाली, बिलासपुर

आशना, जांजगीर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

काशवी-रायपुर, माही-महासमुंद, रायशा-बिलासपुर, शैलेश-राजनांदगांव, उमंग-खैरागढ़, रुपाली-बिलासपुर, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, अंशित-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सुरभि-करनाल, कुसुम-कोरबा

रंग भरो 200

बच्चो, इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में दो बच्चे झूला झूल रहे हैं। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

यहूदी केंद्र साजिश, पाक नागरिक दोषी करार : न्यूयॉर्क। एक पाकिस्तानी नागरिक ने 2024 में न्यूयॉर्क के एक यहूदी केंद्र पर आईएसआईएस से प्रेरित हमले की साजिश रचने के मामले में अपना जुर्म स्वीकार किया है। मुहम्मद शाहजेब खान (21) ने अमेरिका में घुसने और ब्रुकलिन स्थित एक प्रमुख यहूदी धार्मिक केंद्र पर स्वचालित हथियारों से गोलीबारी करने की साजिश रची थी।

ईरान से सड़क मार्ग से सुरक्षित आर्मेनिया, अजरबैजान पहुंचे 2 हजार 170 लोग, जल्द देश लौटेंगे

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में तनाव के बीच अब तक हुई 8 लाख लोगों की वतन वापसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच हुए लगभग एक पखवाड़े के तथाकथित संघर्षविराम के बीच भारत पश्चिम-एशिया से लेकर खाड़ी के इलाके में रह रहे अपने नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण की जिम्मेदारी को शीर्ष प्राथमिकता बनाकर निभा रहा है। जिसका परिणाम यह हुआ है कि 28 फरवरी 2026 को शुरू हुए इस युद्ध के बाद से लेकर अब तक कुल 8 लाख 15 हजार भारतीय सुरक्षित देश वापस लौट चुके हैं। जबकि क्षेत्र में देश के नागरिकों की कुल आबादी लगभग 1 करोड़ है। जल्द ही भारत लौटने वाले लोगों की संख्या में और अधिक बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। राजधानी में गुरुवार को हुई अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल और मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (खाड़ी क्षेत्र) असीम.आर.महाजन ने यह जानकारी दी है।

ईरान से सुरक्षित बाहर निकले 2170 लोग

मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव असीम.आर.महाजन ने बताया कि ईरान की राजधानी तेहरान में मौजूद भारतीय दूतावास ने अब तक कुल 2 हजार 170 भारतीय नागरिकों को सड़क मार्ग से सुरक्षित आर्मेनिया, अजरबैजान पहुंचाया है। जल्द ही इनकी भारत वापसी होगी। 2 हजार 170 लोगों में 971 छात्र और 657 मछुआरे शामिल हैं। महाजन के मुताबिक, इजरायल में एयरस्पेस फिलहाल बंद है। इसलिए हम भारतीयों को जॉर्डन और मिस्र के रास्ते देश वापस ला रहे हैं। इराक का एयरस्पेस खुला है। वहां से जल्द ही हवाई उड़ान सेवाएं शुरू होंगी। भारत अपने लोगों को इराक से जॉर्डन और सऊदी अरब के रास्ते वापस लेकर आएगा।

'ब्लू लाइन' पर तैनात हैं भारत के 600 से ज्यादा रणबांकुरे

नई दिल्ली। पश्चिम-एशिया से लेकर खाड़ी क्षेत्र में बीते लगभग 40 दिनों से अधिक वक्त तक चले युद्ध के बाद अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच हुए संघर्षविराम के ग्राउंड पर कोई मायने नहीं हैं। क्योंकि इसकी घोषणा के साथ ही इजरायल की सेना (आईडीएफ) ने लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई का आगाज कर दिया। एक के बाद एक कई हवाई हमले किए गए, नतीजा हिजबुल्लाह प्रमुख नईम कासिम के सहयोगी (निजी सचिव) और भतीजे अली युसूफ हरशी की मौत के रूप में सामने आया है। जिसके चलते दोनों पक्षों के बीच तनाव चरम पर जा पहुंचा है। लेकिन यहां भारत के संदर्भ में इस तथ्य का जिक्र दक्षिणी लेबनान में इजरायल और लेबनान सीमा के करीब 120 किलोमीटर लंबी सीमा यानी 'ब्लू लाइन' के इलाके में तैनात संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल में शामिल 600 से अधिक भारतीय शांति सैनिकों के समूह की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। जो दोनों पक्षों के बीच चल रहे युद्ध के भारी जोखिम के दौरान भी इलाके में अपने अमन-चैन कायम करने के मूल दायित्व का निर्वाह करने में लगे हुए हैं। लेकिन इनसे जुड़े हुए हर घटनाक्रम पर सेना की पैनी नजर बनी हुई है। अभी फिलहाल देश के सभी शांति सैनिक सुरक्षित हैं।

बस पलटने से दो महिलाओं की मौत, 46 यात्री घायल

गाजीपुर (उप्र)। गाजीपुर जिले में बृहस्पतिवार को वाराणसी–गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बस के अनियंत्रित होकर पलट जाने से उसमें सवार एक बुजुर्ग महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई और 46 अन्य यात्री घायल हो गए।

टीएमसी सरकार ने बंगाल को माफियागिरी का केंद्र बना दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर मालदा में आयोजित स्पोर्ट्स क्लब मीटिंग और चाकुलिया में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया और बंगाल से तृणमूल कांग्रेस को जड़ से हटाकर भाजपा की सरकार बनाने का आह्वान किया। नवीन ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने तय कर लिया है कि इस बार कमल खिला के रहेंगे और इस अराजकता और अत्याचारी सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। यह चुनाव स्पष्ट रूप से दो पक्षों के बीच है। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने बंगाल को टोलाबाजी, तुष्टीकरण, माफियागिरी, महिलाओं पर अत्याचार, करप्शन और कट मनी का केंद्र बना दिया है, और इसे समाप्त किए बिना पश्चिम बंगाल को विकसित नहीं बनाया जा सकता।

भारत 2028 में सीओपी सम्मेलन की मेज़बानी से पीछे हटा

जयराम ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि भारत द्वारा वर्ष 2028 में होने वाले संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी) की मेज़बानी से अचानक पीछे हटना सरकार की प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े करता है। गौरतलब है कि नरेंद्र मोदी ने 1 दिसंबर 2023 को दुबई में आयोजित सीओपी 28 दुबई के दौरान घोषणा की थी कि भारत वर्ष 2028 में इस प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मेलन की मेज़बानी करेगा। लेकिन हाल ही में आए फैसले में भारत ने इस आयोजन से खुद को अलग कर लिया है, जिसके पीछे के कारणों का अभी तक कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। कांग्रेस नेता रमेश ने आरोप लगाया कि यह निर्णय सरकार की जलवायु प्रतिबद्धताओं, विशेषकर पेरिस समझौता 2015 के प्रति उसकी गंभीरता पर सवाल उठाता है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, मोहला - मानपुर - अं. चौकी (छ.ग.)
E-mail - eemohla-phe@cg.gov.in

// निविदा निरस्तीकरण सूचना //

इस कार्यालय द्वारा आंमत्रित निविदा, निविदा सूचना / दिनांक / सिस्टम क्रमांक 22/09-02-2026/185300, 23/09-02-2026/185301, 24/09-02-2026/185302, 25/09-02-2026/185303 (जी क्रमांक 252605365) तथा 26/13-02-2026/185594 (जी क्रमांक 252606710) में किसी भी निविदाकार द्वारा भाग नही लेने से निविदाओं के शुन्य निविदा होने के कारण निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड,
मोहला - मानपुर - अं. चौकी (छ.ग.)

G-262700085/3

OFFICE OF THE SUPERINETENDING ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE BILASPUR, CHHATTISGARH

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 446 एवं 447/ दिनांक 22.12.2025 के ई-प्रोक्युमेंट टेंडर नोटिस की कंडिका 10 (B) (5) में निहित शर्तानुसार गठित मूल्यांकन कमेटी का पत्र क्र. 196/तक./2025-26/ दिनांक 23.03.2026 के द्वारा प्रस्तुत मूल्यांकन रिपोर्ट अनुसार निविदा में शामिल समस्त निविदाकारों के पास Valid Certificate नहीं होने के कारण उक्त आमंत्रित निविदा को अपेन्डिक्स 2.10 की कंडिका 4.6 के तहत अपरिहार्य कारणवश निरस्त किया जाता है ।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

G-262700093/3

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुपति
(शिक्षा मंत्रालय ,भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय महत्व का एक स्वायत्त संस्थान)

सहायक प्रोफेसर ग्रेड-II के पदों पर भर्ती

IISER तिरुपति, उत्कृष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले भारतीय नागरिकों से सहायक प्रोफेसर ग्रेड-II के पद के लिए विशुद्ध संविदात्मक आधार पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।
विस्तृत विज्ञापन के लिए, कृपया www.iisertirupati.ac.in » Careers » Faculty पर जाएं।
ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि **30 अप्रैल, 2026** है।
विज्ञापन संख्या : 27/2026/IISER-T/RECT./09.04.2026

हस्ताक्षर/-
रजिस्ट्रार

cbc 21377/12/0002/2627

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703 Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

कब्जा सूचना

संदर्भ: सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के उप-नियम (1) के तहत कब्जा नोटिस

चूंकि अधोहस्ताक्षरी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 के अधिनियम संख्या 54) के तहत नीचे दी गई संबंधित तिथियों पर जारी मांग सूचना के अनुसरण में एवं सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आप/उधारकर्ताओं, अधोनामों से संबंधित नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने का आह्वान करते हैं। आप/सभी ऋणधारक निर्धारित समय के अंदर उक्त बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिए होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड, सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उपधारा (4) के प्रावधानों के तहत प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए और उसके अंतर्गत नियमों का पालन करते हुए, नीचे उल्लिखित गिरवी संपत्तियों पर कब्जा कर लिया है:

क्र. सं.	ऋणधारकों / सह-ऋणधारकों/ जमानतदारों के नाम	बंधक रखी गई संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना की तिथि को कुल बकाया राशि (रूपये में)	कब्जा की तिथि
1.	विकाश सिंह, रिया देवी	फ्लैट-प.ह.नं.107/37, खसरा नंबर 613/47-48, प्रथम मंजिल पर स्थित फ्लैट नंबर LIG-07, ब्लॉक नंबर 01, निर्मित क्षेत्रफल 495 वर्गमीटर या 46.00 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 613/47-48 के भाग में स्थित, छत्तीसगढ़ हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, दीनदयाल आवास योजना के अंतर्गत, कबीर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001 चौहद्दी: उत्तर-8, दक्षिण-6.00 मीटर सड़क, पूर्व-18.00 मीटर सड़क, पश्चिम: 5।	03-02-2026	446,257	07-04-2026
2.	नेहा शर्मा, अशोक कुमार शर्मा	खसरा नंबर 179/4 का भाग, क्षेत्रफल 1955 वर्ग फुट स्थित-मौजा-दतरेंगा, प.ह.नं. 84, आर.आई.सी.- धरसींवा -18 कंदुल तहसील एवं जिला रायपुर (छ.ग.) रायपुर, छत्तीसगढ़, 492102 चौहद्दी- उत्तर-सड़क, दक्षिण-विक्रेता की अतिरिक्त भूमि, पूर्व-सड़क, पश्चिम -विक्रेता की अतिरिक्त भूमि।	03-02-2026	1,372,759	07-04-2026

ऋणधारक द्वारा राशि का भुगतान न कर पाने की स्थिति में, ऋणधारक/जमानतदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के नियम 8 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपरोक्त तिथि से अधोहस्ताक्षरी ने उपर्युक्त वर्णित संपत्ति पर कब्जा कर लिया है।

ऋणधारकों/जमानतदारों तथा आम जनता को चेतावनी दी जाती है कि वे उपरोक्त संदर्भित संपत्तियों/प्रतिभूतियों या उनके किसी भी भाग से संबंधित कोई भी लेन-देन न करें और उक्त संपत्तियों/प्रतिभूतियों से संबंधित कोई भी लेन-देन होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा, जो ऊपर उल्लिखित राशि के लिए संपत्तियों/प्रतिभूतियों के विरुद्ध देय है और पूर्ण भुगतान होने तक उस पर ब्याज सहित देय है।

ऋणधारक का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उन प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जो प्रतिभूत संपत्ति को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय से संबंधित हैं।

स्थान: रायपुर, दिनांक: 10-04-2026 — अधिकृत अधिकारी: होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

Government of Jharkhand
Rural Works Department
JHARKHAND STATE RURAL ROADS DEVELOPMENT AUTHORITY (JSRRDA)
3rd Floor, F.F.P. Building, Dhurwa, Ranchi 834004

NOTICE INVITING TENDERS
(National Competitive Bidding Through e-Procurement)
Re- eTender No.- 03/ 2026-27-433(Encl) Ranchi, Dated: 08.04.2026
PR No- 364457 dated 18.10.2025

The undersigned on behalf of Government of Jharkhand invites item rate bids through e-Procurement from the eligible bidders registered* in appropriate class with any State/Central Government/State /Central Government Organization for construction and maintenance for five years of the works (List of schemes shall be displayed in the website pmgsytendersjhr.gov.in) of Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna PM-JANMAN (Batch-1, 2025-26).

Sr. No	District Name	Block Name	Tendering Package	Road Name / Bridge Name (in lakhs)	Road Length (Kms)	Sanction Construction Cost (in lakhs)	Sanction Maintenace Cost	Total Sanction Cost with Maint. (in lakhs)	Total Package Cost (in lakhs)	Earnest Money (In Lakh)	Time of Completion (in month)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	Palamu	Chainpur	JH-17-PMJANMAN-PAL-04 (2025-26) (2nd Call)	L023-Nawadih sungai to korwa tola via Nawadih Barwa tola to karwa	3.137	282.23	27.30	309.53	933.54	18.67	15
	Palamu	Chainpur		L033- Islamnagar More To Dhamanawa Main Road	7.500	570.50	53.51	624.01			
		Total			10.637	852.73	80.81	933.54	933.54		

The bid should be submitted online in the website **pmgsytendersjhr.gov.in**. The bidders should have valid Digital Signature Certificate for online submission of bid.
Details of bid submission is as under:

Procurement Officer	Place of Opening	Availability of tender (on-line) for bidding		Last date & time of seeking clarification	Last date and time of bid submission	Date & time of opening (on-line) of tender	
		From	To			Technical bid	Financial bid
1	2	3	4	5	6	8	9
Engineer in Chief, JSRRDA, Ranchi	Engineer in Chief JSRRDA, Ranchi	10.04.2026 at 10.00 AM	23.04.2026 upto 5.00 PM	15.04.2026 upto 2.00 PM	23.04.2026 upto 5.00 PM	23.04.2026 at 05.30 PM	To be informed later

*Non-registered bidders may also submit bid, however the successful bidders must get registered in appropriate class with appropriate authority before signing the contract.
** Cost may change.

Note :-
1. Amount of Bid Security should be taken as mentioned in the Bid Data Sheet of the Bidding Document.
2. Cost of Bid Document (Rs. 10000) and Bid Security (as mentioned in the Bid Data Sheet) shall be deposited **online** in form as mentioned in Bid Data Sheet failing which the bid will be treated non responsive and action shall be taken as per Sec. 2 of ITB clause 12.2 (d).
3. In case, it is found, even after the award of work that the bidder has submitted/ uploaded any false/erroneous/fraudulent statement/document, he/she is liable for blacklisting and forfeiture of Bid Security.
4. Bidders must submit GST registration certificate without which bid is liable to be rejected.
5. Bidders whose names appear in the Debar/blacklist of RWD or any department of GoJ/GoI (including JSRRDA) shall not be allowed to participate in the above bids.
6. Bids submitted by bidders, who have long pending ATR(s) made inordinate delay in execution of earlier allotted construction/ maintenance works of PMGSY, may be rejected summarily.
7. In case of any discrepancy/dispute about units in BOQ, units as mentioned in Current SOR on which BOQ has been prepared shall prevail.
8. Participating bidders are free to submit grievances, if any, against the decision of technical evaluation within five days from the date of uploading of decision of technical evaluation only through email at **jh-ce@pmgsy.nic.in** Grievance submitted after stipulated period shall not be considered.
9. Bidders must have valid registration with Employee Provident Fund organization under EPF and Miscellaneous Provisions Act 1952 failing which the bid shall be rejected.
10. Bidders must not quote rate for routine maintenance. The amount for routine maintenance as indicated in the Bill of Quantities must be acceptable to bidders.
11. For unbalanced bids, extra security will be required to be deposited by the bidder at the time of Agreement.
12. The undersigned reserves the right to cancel the tender at any stage without giving prior notice/reason.

All other details can be seen in the bidding document which is available in website **pmgsytendersjhr.gov.in** as per schedule mentioned above.

Sd/-
Engineer-in- Chief
Rural Works Department- Cum- JSRRDA, Ranchi

PR 377025 Rural Work Department(26-27).D

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION Raipur (C.G.)

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(Third Call)

NIT NO:38 RAIPUR DATED: 08.04.2026

Online bids are invited for the following works of works up to **20/04/2026** at 17:00 Hrs

S. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable amount of contract	Class of Contractor registered in P.W.D. C.G.	Tender form	SOR Applicable
1	188696	Request for Proposal (RFP) for Design, Development, Beautification, Installation of Waste-to-Wonder Park Structures (one per ward) and Two-Year Operation & Maintenance Across 70 Wards of Raipur Municipal Corporation	1.50Cr	-	RFP	-

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal **https://eproc.cgstate.gov.in** from **10/04/2026** at **10.30** Hours (IST) onwards. For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: -1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18002582502** or through Email ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**
3. For More Details please download NIT details.
4. Contact Details: Yogesh Kumar Kadu, Mo. No. - 9425213321

घरो से निकलने वाले गीला और सुखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

EXECUTIVE ENGINEER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited
(CIN:U40108JH2013SGC001702)
Regd. Office:- Engineering Building, HEC, Dhurwa, Ranchi – 834004.
fax # 0651-2400483 e-mail : cesp.jseb@rediffmail.com/gmsp.jbvnl@rediffmail.com

E-Procurement Notice

JBVNL invites online e-tender from reputed, technically experienced and financially sound manufacturers/ supplier only for procurement of following Materials :

Sr	NIT/Tender notice No. and description of item	Tender fee	Date of publication of tender on website	Document download start date & time	Online Bid Submission start date	Online Bid Submission end date	Technical bid opening date and time
1	**10/PR/JBVNL/2026-27** Rail Pole (13 mtr. long, 60 kg./m)	Rs 10000/- + GST	16/04/2026 from 13:00 Hrs.	16/04/2026 from 13:10 Hrs.	16/04/2026 from 13:20 Hrs.	07/05/2026 upto 18:00 Hrs.	08/05/2026 at 18: 00 Hrs.
2	**11/PR/JBVNL/2026-27** PSC Pole, 08 mtr. long, 200 kg W/L	Rs 10000/- + GST	16/04/2026 from 13:00 Hrs.	16/04/2026 from 13:10 Hrs.	16/04/2026 from 13:20 Hrs.	07/05/2026 upto 18:00 Hrs.	08/05/2026 at 18: 00 Hrs.
3	**12/PR/JBVNL/2026-27** 33 KV 3 Pin Type AB Switch 630 Amp.	Rs 10000/- + GST	16/04/2026 from 13:00 Hrs.	16/04/2026 from 13:10 Hrs.	16/04/2026 from 13:20 Hrs.	07/05/2026 upto 18:00 Hrs.	08/05/2026 at 18: 00 Hrs.
4	**13/PR/JBVNL/2026-27** 11 KV 3 Pin Type AB Switch 400 Amp.	Rs 10000/- + GST	16/04/2026 from 13:00 Hrs.	16/04/2026 from 13:10 Hrs.	16/04/2026 from 13:20 Hrs.	07/05/2026 upto 18:00 Hrs.	08/05/2026 at 18: 00 Hrs.
5	**14/PR/JBVNL/2026-27** 33 KV Metering Unit of different ratio (-/1A)	16/04/2026 from 13:00 Hrs.	16/04/2026 from 13:10 Hrs.	16/04/2026 from 13:20 Hrs.	07/05/2026 upto 18:00 Hrs.	08/05/2026 at 18: 00 Hrs.	16/04/2026 from 13:00 Hrs.

NOTE:- (i) Only e-tenders will be accepted. Further details can be seen on website http:jharkhandtenders.gov.in and may be contacted on Mobile No. 9470378503/ 9430348596, NIC helpline No.-06512400178
(ii) Tender fee &EMD must be paid through online mode.
(iii) Tender fee is non-refundable.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
Dy.GeneralManager (P)

PR 377096 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(26-27)D

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद
मोबाईल नं० : 7061981397 mail : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांक:– 351 धनबाद / दिनांक– 08.04.2026

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना
ई0– निविदा सूचना संख्या – **01/2026-27/RDSD/EE/Dhanbad**

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Daludih Panchayat in Baghmara-cum-Katras Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
2.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Lohpiti Panchayat in Baghmara-cum-Katras Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
3.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Kanda Panchayat in Baghmara-cum-Katras Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
4.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Pathargariya Panchayat in Baghmara-cum-Katras Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
5.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Jamuatand Panchayat in Baghmara-cum-Katras Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
6.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Ranathpur Panchayat in Baghmara-cum-Katras Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
7.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Behrakudar Panchayat in Baghmara-cum-Katras Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
8.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Muraidih Panchayat in Baghmara-cum-Katras Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
9.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Harina Panchayat in Baghmara-cum-Katras Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
10.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Tundo Panchayat in Baghmara-cum-Katras Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
11.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Jangalpur Panchayat in Govindpur Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
12.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Pathuria Panchayat in Govindpur Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
13.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Panduki Panchayat in Govindpur Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
14.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Baghamara Panchayat in Baliapur Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
15.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Birsinghpur Panchayat in Baliapur Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
16.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Palani Panchayat in Baliapur Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
17.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Parasbaniya Panchayat in Baliapur Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
18.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Kadeya Panchayat in Tundi Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
19.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Lukeya Panchayat in Tundi Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
20.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Kalimati Panchayat in Nirsa Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
21.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Murkunda Bari Panchayat in Nirsa Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना
22.	Construction of Buildingless Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM-ABHIM) at Asanlia Panchayat in Nirsa Block Dhanbad District	55.50	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	9 महीना

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि –16.04.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक **16.04.2026** से दिनांक **23.04.2026** को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– **25.04.2026** अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– ई0 बेनीलाल नराडी, कार्यपालक अभियता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – **7061981397** (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. **Office Help Line No. 9835146652**
9. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
10. जिस संवेदक का इस प्रमंडल में पूर्व से आवंटित कोई कार्य लंबित है अथवा उनका कार्यान्वयन संतोषजनक नहीं रहा है, उन्हें कार्य आवंटन पर विचार नहीं किया जायेगा।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
12. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद

PR 377023 Rural Work Department (26-27)_D

किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने दी 282 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

ईब से इंद्रावती तक विकास कार्यों में कोई समझौता नहीं: सीएम साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरुवार को विकासखण्ड मुख्यालय लुण्ड्रा में आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने 81.95 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

इस अवसर पर उपस्थित किसानों एवं क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अन्नदाताओं के पसीने का सम्मान करना हमारी सरकार की जिम्मेदारी है। ईब से इंद्रावती तक विकास कार्यों में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। आपने हम पर विश्वास जताया है ऐसे में हमारा दायित्व है हम आखिरी पंक्ति के आखिरी व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाएं तथा उन्हें समय पर योजना का लाभ मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपए की दर से खरीद रही है जो देश में सबसे ज्यादा है। हमने कृषक उन्नति योजना के तहत अंतर की राशि 10 हजार 324 करोड़ रुपए एकमुश्त होली के पूर्व किसानों के खाते में डालने का काम किया है। इसका लाभ यहां के किसानों को मिला है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया तथा किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड शुरू किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सिर्फ वादा नहीं करते बल्कि जमीनी स्तर पर लागू करते है। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद कैबिनेट की पहली बैठक में हमने 18 लाख प्रधानमंत्री आवास बनाने की स्वीकृति प्रदान की थी। अब तक 8 लाख से अधिक आवास बन गए है। हितग्राही इन आवासों में लगातार गृहप्रवेश कर रहे है। सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों को पीएम जनमन के तहत आवास की चाबी एवं सिंचाई पंप पदान किया। इस दौरान कृषि मंत्री रामविचार नेताम, सांसद चिंतामणि महाराज, क्षेत्रीय विधायक प्रबोध मिंज, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, उपाध्यक्ष देव नारायण यादव, संभागायुक्त नरेन्द्र दुग्गा, आईजी दीपक झा, कलेक्टर अजीत बसंत, एएसपी राजेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व किसान उपस्थित थे।

क्रांतिकारी आजाद एवं पूर्व विधायक त्रिपाठी की प्रतिमा का अनावरण

किसान सम्मेलन के उपरांत मुख्यमंत्री श्री साय संभाग मुख्यालय अम्बिकापुर पहुंचे। शहर के आकाशवाणी चौक पर महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद एवं डीसी रोड स्थित लोक निर्माण विभाग के कार्यालय के पास भटगांव के पूर्व विधायक स्व.रविशंकर त्रिपाठी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

दैवेभो कर्मियों के मामले में 4 माह में लें फैसला

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने बस्तर यूनिवर्सिटी के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी से जुड़े मामले में यूनिवर्सिटी प्रशासन को चार माह के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट में सुनवाई दौरान सामने आया जिसमें 9 याचिकाकर्ताओं ने बताया कि वे वर्ष 2009 से दैनिक वेतनभोगी के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने अपनी सेवाओं के नियमितीकरण की मांग की थी जिसपर पूर्व में भी न्यायालय ने अभ्यावेदन पर विचार करने का निर्देश दिया था। लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् कुरूद जिला - धमतरी (छ. ग.)
पता - पुराना बाजार चौक कुरूद, ई-मेल आईडी - kurudnp@gmail.com

क्रमांक /1060 / लो.नि.वि. / ऑ.नि.आ.सू./2026-27 **ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना** कुरूद, दिनांक 08/04/2026

नगर पालिका परिषद् कुरूद क्षेत्रांतर्गत अधोसंरचना विकास एवं पर्यावरण उपकर निधि अंतर्गत निम्नांकित कार्यो हेतु छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार / फर्म से Chhattisgarh Government Integrated e-Procurement Portal-https://eproc.cgstate.gov.in में ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

निर्धारित तिथि एवं समय :-

01. Bid Submission Start Date - 08.04.2026, सायं 9.30 बजे तक
02. Bid Due Date - 30.04.2026, सायं 5.30 बजे तक
03. Bid Open Date - 05.05.2026, प्रातः 11.30 बजे तक
04. Physical Document Submission End Date - 04.05.2026, सायं 5.30 बजे तक

स. क्र.	कार्य का विवरण	टेण्डर सिस्टम नंबर	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (राशि रु.)	फर्म/ ठेकेदार की श्रेणी	कार्य की अवधि माह	निविदा शुल्क मूल्य राशि रु.	प्रभावशील दर अनुसूची
1	आक्टेंगल स्ट्रीट पोल एवं एल.ई.डी. कार्य कारगिल चौक से सूर्य नमस्कार चौक से भरदा तिराहा से इन्वेंचर स्कूल बोर्ड क्र. 10, 01, 12 तथा 04	188666	78.92	59200.00	"D" and Above	06 माह	3000.00 Form A	PWD Electrical SOR 01/06/2020
2	आक्टेंगल स्ट्रीट पोल एवं एल.ई.डी. लाईट स्थापना कार्य वार्ड क्र. 14 राजा चक्रधर सिंह ऑडिटोरियम भवन से डिपो रोड तक	188668	9.26	6950.00	"D" and Above	06 माह	750.00 Form A	PWD Electrical SOR 01/06/2020
3	आक्टेंगल स्ट्रीट पोल एवं एल.ई.डी. लाईट स्थापना कार्य सामुदायिक शौचालय से अप्रोच रोड से मुक्तिधाम तक वार्ड 05/08 कुरूद	188669	23.79	17850.00	"D" and Above	06 माह	750.00 Form A	PWD Electrical SOR 01/06/2020
4	आक्टेंगल स्ट्रीट पोल एवं एल.ई.डी. लाईट स्थापना कार्य सरोजनी चौक से मिनी केनाल (वाईन शॉप रोड तक) वार्ड क्र. 05/08 कुरूद	188671	14.10	10600.00	"D" and Above	06 माह	750.00 Form A	PWD Electrical SOR 01/06/2020

उपरोक्त कार्यों के निविदा की विस्तृत / सामान्य शर्ते व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय के लोक निर्माण शाखा, विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.in एवं e-Procurement Portal- https://eproc.cgstate.gov.in से अवलोकन की जा सकती।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् कुरूद
जिला-धमतरी (छ.ग.)

प्रोफार्मा: 10-01
भारतीय रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ऊर्जाकरण के संबंध में सार्वजनिक अधिसूचना

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के अंतर्गत नीचे उल्लेखित अनुभाग में स्थित रेलवे लाइनों एवं परिसरों के सभी रेल उपयोगकर्ताओं एवं आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि 25,000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज, ए.सी. ओवर हेड ट्रैक्शन (OHE) को नीचे दर्शाई गई तिथि से सक्रिय किया गया है। उक्त तिथि से OHE हर समय विद्युत चालू अवस्था में मानी जाएगी तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति ओवरहेड ट्रैक्शन तार के निकट जाना या उसके आसपास कोई कार्य करना सख्त निषिद्ध रहेगा।

अनुभाग / स्टेशन : हथबंद स्टेशन से संबद्ध M/s Ultratech Cement Ltd.**, यूनिट हिरमी सीमेंट वर्क्स (रायपुर मंडल)**

क्र. सं.	अनुभाग / लाइन	From (Loc./Ch.)	To (Loc./Ch.)	OHE लंबाई (मीटर)	ऊर्जाकरण की तिथि
1	शंटिंग नेक लाइन का विस्तार Loc.No.- UT-15/4 to LT-16/5	UT-15/4 (Ch.583.90) शंटिंग लाइन के बारे में संबंध	LT-16/5 (Ch.105.90) शंटिंग लाइन के बारे में संबंध	522	10.04.2026
2	मेन लाइन-1 से शंटिंग नेक लाइन क्रॉसओवर Loc. No.- LT-15/11N to UT-15/12	LT-15/11N (Ch.578.65) मुख्य लाइन से शंटिंग नेक लाइन तक क्रॉस-ओवर के बारे में संबंध	UT-15/12 (Ch.772.90) मुख्य लाइन से शंटिंग नेक लाइन तक क्रॉस-ओवर के बारे में संबंध	578	
3	शंटिंग नेक से मेन लाइन-1 क्रॉसओवर Loc. No.- UT-15/17 to UT-16/8	UT-15/17 (Ch.912.40) मुख्य लाइन से शंटिंग नेक लाइन तक क्रॉस-ओवर के बारे में संबंध	UT-16/8 (Ch.252.40) मुख्य लाइन से शंटिंग नेक लाइन तक क्रॉस-ओवर के बारे में संबंध	346	
4	लाइन सं.-05 (R&D लाइन - Top Wiring) Loc. No.- LT-16/8 to L-5/4	LT-16/8 (Ch.159.90) लाइन संख्या 05 की टॉप वायरिंग के बारे में संबंध	L-5/4 (Ch.424.30) लाइन संख्या 05 की टॉप वायरिंग के बारे में संबंध	274	
5	लाइन सं.-07 का विस्तार Loc No. LT-17/2A to UT-17/40	LT-17/2A लाइन संख्या 07 से विस्तार (एक्सटेंशन) के बारे में संबंध (Ch.26.90)	UT-17/40 लाइन संख्या 07 से विस्तार (एक्सटेंशन) के बारे में संबंध (Ch.514.40)	486	

कुल ट्रैक लंबाई (TKM): 2.207 किमी

चेतावनी: ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन के संपर्क में आने से गंभीर चोट अथवा मृत्यु हो सकती है। यह अधिसूचना जनहित एवं सुरक्षा की दृष्टि से जारी की जाती है।

वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता (TRD)
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल

मैसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, हिरमी

मेंटल अस्पताल में भर्ती मरीजों के बीच विवाद पर हत्या, जांच शुरू

राजनांदगांव। उपचार हेतु मेंटल हास्पिटल में भर्ती एक व्यक्ति की हत्या होने का सनसनी खेज मामला प्रकाश में आया है। अज्ञात आरोपी ने हमला कर गंभीर कर दिया था। जिसकी सूचना मिलने पर उसे उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज हास्पिटल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। सोमनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवादा मेंटल हास्पिटल में उपचार हेतु कामता प्रसाद 42 वर्ष को उपचार हेतु भर्ती किया गया था। बताया गया कि बीती रात अज्ञात आरोपी ने कामता प्रसाद पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। आशंका है कि आरोपी के साथ संघर्ष भी हुआ होगा। इधर पुलिस की एक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच भी शुरु कर दी है।

शराब बिक्री की शिकायत पर ढाबा संचालक के बेटे ने लहराया कट्टा

बलौदाबाजार। कसडोल विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत कटगी सर्वा और खैरा मोड़ क्षेत्र में ढाबे पर खुलेआम अवैध शराब बेचे जाने की शिकायत को लेकर 7 अप्रैल को ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर और एसपी को लिखित ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत से बौखलाकर 8 अप्रैल की शाम ढाबा संचालक का कांग्रेस नेता पुत्र भागवत थवाइत लगभग 25-30 बाहरी लोगों के साथ सर्वा मोड़ क्षेत्र में पहुंच गया। गांव में खुलेआम दबंगई दिखाने लगे और लोगों को डराने-धमकाने करीब 10-12 फायरिंग किए जाने का आरोप लगाया है।

बिलासपुर में पत्रकारों से चर्चा

नक्सलवाद समाप्त हो गया तो सुरक्षा बलों को हटा लेना चाहिए : भूपेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के मुद्दे को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर सरकार यह दावा करती है कि नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो चुका है तो फिर वहां से सुरक्षा बलों को हटा लेना चाहिए और भाजपा नेताओं की सुरक्षा भी खत्म कर देनी चाहिए। श्री बघेल ने गुरुवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक के परसदा स्थित निवास में उनके बड़े भाई निधन पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से राजनीतिक विषयों पर चर्चा करते हुए बताया कि आगामी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतर रही है और बेहतर प्रदर्शन करेगी। असम को लेकर कहा कि जल्द ही राजनीतिक परिस्थितियां बदलने वाली हैं।

कांग्रेस के मुद्दों को दबाया जा रहा

श्री बघेल ने टेंडर प्रक्रिया में भ्रष्टचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान समय में लगभग सभी विभागों में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हो रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों को लोकतंत्र का हवाला देकर दबाने की कोशिश की जा रही है। धर्मांतरण विधेयक के लेकर भी भूपेश ने राज्य सरकार को घेरा और कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बावजूद राज्यपाल द्वारा विधेयक को मंजूरी देना कई सवाल खड़े करता है।

3 माह के लिए जेल से बाहर आएंगे

हाईकोर्ट से अमित को मिली अंतरिम जमानत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

अग्रवाल और सिंधी समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के अध्यक्ष अमित बघेल को हाईकोर्ट ने उनकी रेगुलर बेल खारिज कर दी है। रेगुलर बेल खारिज तो कि लेकिन अंतरिम बेल दे दी गई है। अमित बघेल तीन महीने के लिए जेल से बाहर आएंगे। समाजों पर टिप्पणी मामले में दिसंबर 2025 में उनकी गिरफ्तारी हुई थी। अमित बघेल के वकील हर्षवर्धन परगनिया का कहना है कि उन्हें तीन महीने की अंतरिम बेल मिली है। वहीं आपत्तिकर्ता के वकील सुनील ओटवानी का कहना है कि अमित बघेल को तीन महीने का पैरोल दिया गया है। इस दौरान वे रायपुर जिले के सीमा में नहीं रहेंगे।

रायपुर जिले में एंट्री नहीं

हाईकोर्ट ने अंतरिम जमानत देते हुए शर्त रखी है कि अमित बघेल तीन महीने तक रायपुर जिले की सीमा में निवास नहीं करेंगे। उन्हें कोर्ट में पेशी के लिए तय तारीखों पर रायपुर आने की अनुमति दी गई है।

समाजों पर की थी टिप्पणी

वीआईपी चौक पर छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा से तोड़फोड़ की गई थी। प्रतिमा टूटने पर अमित बघेल ने अग्रवाल और सिंधी समाज पर टिप्पणी की थी।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर

Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

ऑफिस बॉय

आवश्यकता है- जेल रोड, रायपुर में ऑफिस कार्यों के लिए ऑफिस बॉय (चपरासी) की आवश्यकता है। बीड़ी-सिगरेट व शराब-गुटखा आदि का सेवन न करने वाले ही संपर्क करें। संपर्क: 8839812454 (RO-101)

आवश्यकता है- रायपुर ऑफिस में कार्य करने के लिए ऑफिस बॉय की। योग्यता- 12वीं पास/स्नातक। सम्पर्क करें- नवबोध प्रकाशन, 7, समता कॉलोनी, भीमसेन भवन के सामने, रायपुर (छ.ग.) फोन- 0771-4200932. (RO-919)

ऑपरेटर/गोडाऊनकार्य

आवश्यकता है- होलसेल दवा दुकान में कंप्यूटर ऑपरेटर एवं गोडाऊन कार्य हेतु युवक/युवती की आवश्यकता है। बायोडाटा सहित संपर्क करें- ओम मेडिको मकान नं. A 31, राधा स्वामी नगर भाठागांव चौक रिंग रोड नंबर 1, रायपुर मो. नं.- 7587068312. (RO-6628)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता

आवश्यकता है- देवपुरी स्थित आवासी सोसायटी में क्लब व सोसायटी रख- रखाव, मेंटेनेंस हेतु आवश्यकता है। मैनेजर-1, सुपरवाइजर-2, इलेक्ट्रीशियन -1, प्लंबर -1, वेतन योग्यता अनुसार। संपर्क समय 11 से 1:00 बजे तक मो. नं- 9584575000, 9584675000. (RO-6629)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- प्लांट सुपरवाइजर (2 वर्ष का अनुभव) की आवश्यकता है। कविता पॉलीमर्स, यूनिट-2, उरकुरा रेल्वे स्टेशन रोड, भनपुरी, रायपुर मो नं 9522828888.(RO-0376)

सेल्समैन

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी) मे बंडल खोलने पैक करने के लिए स्टॉफ लड़का/ लड़की की आवश्यकता है। एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 7067048454.(आरो-6623)

Requirment- Ply and Hardware Shop, Janak Bada, Raipur requires a Male sales-man for Plywood & Hardware distribu-tion. Salary as per work experience. Contact : 9329536771. (RO-7251)

कंप्यूटर कर्मी

आवश्यकता है- फीमेल अनुभवी कंप्यूटर स्टाफ, और ग्रेजुएशन कि हो, सैलरी 13000/- से ऊपर । राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र, कल्याण हॉस्पिटल पीछे, फफ़ाडीह, रायपुर -(छ:ग) मोबा.- 9039050422, 9424218055. (RO-Adi.)

आवश्यकता है- कंप्यूटर कार्य में निपुण लड़की की समय: 9AM–6PM, स्थान: कोहका, भिलाई, MO.- 8103653851. (आरो -248)

ड्राइवर

ड्राइवर चाहिए - आवश्यकता हैं गायत्री नगर, रायपुर स्थित ऑफिसर को एक अनुभवी, नशामुक्त, ड्राइवर की। आसपास के ड्राइवर को प्राथमिकता। संपर्क करें- 8349933320. (RO-885)

सेल्स/ऑफिस स्टॉफ

आवश्यकता है- ड्राइवर, रियलस्टेट मार्केटिंग स्टाफ, डिजिटल मार्केटिंग, बैक ऑफिस स्टाफ व्हाट्सप्प करे 8839996498 सिटीहार्ट रेजिडेंसी कैलाशविहार कैलाशपुरी (RO-40324)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) पोस्ट - कुक/ शेफ, किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, मैनेजर , रिसेप्शनिस्ट, सफाई कर्मचारी, वेटर,कप्तान जानकार को प्राथमिकता। संपर्क -होटल अपना केशरी , होटल शिव-प्रभा , पावर हाऊस भिलाई, मो.-98932-15251, 89669-81590 (आरो नं.-246)

प्यून

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वीं /12वीं उत्तीर्ण पियून की आवश्यकता है। स्वयं का वहान होना अनिवार्य। वेतन योग्यता अनुसार। केवल स्थाई रूप से कार्य करने के इच्छुक व्यक्ति बायोडाटा सहित संपर्क करें- 9229303242, 9329100263. (RO-912)

हेल्पर

आवश्यकता है- हेल्पर कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। गांव के लड़कों को रहने की सुविधा उपलब्ध। पता अशोक इंटरप्राइजेस आशीर्वाद धर्म कांटा के पास उरला बिरगांव रायपुर मिलने का समय सुबह 9 से 7 मो. 8770676924. (RO-200)

आवश्यकता है- इवेंट्स में लाइट/साउंड का काम करने के लिए हेल्पर / अनुभवी लड़के की जरूरत है। सैलरी 10-15000/- प्रतिमाह संपर्क करें- 9329908883.(RO-908)

सिक्योरिटी गार्ड

आवश्यकता है- URGENTLY REQUIRED गार्ड Vacancy – 1, आयु – 30–40 वर्ष रहने की सुविधा उपलब्ध, ड्यूटी – सुबह 8:00 से शाम 8:00 तक स्थान : शंकर नगर, रायपुर Call us: +91 62320 19795. (RO-01)

आवश्यकता है- Security Guard की आवश्यकता है लोकेशन- आल छत्तीसगढ़, ओड़िशा में 100 गार्ड की आवश्यकता है। गार्ड पेमेन्ट- 15000 PF+ ESIC+ Room free+ Canteen डाक्यूमेन्टस आधार, पैन, मार्क शीट, दो पासपोर्ट फोटो पास बुक सम्पर्क करें- VF Security Service Pvt. Ltd. Raipur 7880190113, 7880190114, 7880190115, 9039990116 (Ro-40495)

अन्य

आवश्यकता है- सुनहरा अवसर नौकरी सीधी पक्की भर्ती परमानेंट बेसेस पर (10+12th) पास लड़के लड़किया, आवेदन करे, कुल सीट-7220 , पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी सैलरी - (32020 - 44900) आवेदन हेतु - मार्कसीट, आधारकार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो , व्हाट्सएप / कॉल करे -9635451523.(RO-1381)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - प्रगति फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार कार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 7489545029. (RO-1382)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

Property प्रापर्टी

जमीन

जमीन बेचना है- 3 एकड़ नया रायपुर जंगल सफारी के पीछे भारतमाला रोड से 500 मीटर की दूरी पर भेलवाडीह अभनपुर। निवेश के लिए उत्तम सम्पर्क करें- पुष्पेंद्र गुरु 7987557737, 7354606193. (RO-6624)

जमीन बेचना है- NH -30 पर कुरूद (धमतरी) संगवारी ढाबा के पास 66×140=9200 वर्गफीट का प्लाट। व्यवसायिक/आवासीय उपयोग हेतु कीमत 1000Rs वर्गफीट। संपर्क - 9425246511, 7566808000 (आरो नं.-248)

बेचना है- ग्राम देवादा में डामर रोड से लगा हुआ दुर्ग राजनांदगांव नेशनल हाईवे से 700m तथा भारत माला परियोजना से 500m की दूरी पर 130 डिसमिल जमीन बेचना है संपर्क:- 9329208720 (आरो नं.-10434)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

ASTROLOGY ज्योतिष

ज्योतिष तांत्रिक विशेषज्ञ

पति-पत्नि में अनबन, प्रेम विवाह, राजयोग, धनयोग, विवाह योग, संतान योग, मंत्रीयोग, राजपत्रित पद व्यापार संबंधित प्रश्न, यात्रा ट्रांसफर एवं अन्य ज्योतिष प्रश्नोता, 9 ग्रह, 27 नक्षत्र 64 योगिनी, वास्तु शास्त्र तथा अन्य प्रश्नोत्तर ज्योतिष द्वारा प्राप्त करें तंत्र द्वारा वशीकरण, विवाह किसी भी परेशानी से तत्काल लाभ प्राप्त करें।

चुनाव विजय हेतु संपर्क करें।

तांत्रिक सम्राट डॉ. जे.पी. दुबे

गली नंबर-3, शुभकामना हॉस्पिटल के पास, दुबे कॉलोनी मोवा रायपुर
96302-33918, 9238384295

नोट: भूत, भविष्य, वर्तमान की जानकारी प्राप्त करें।

स्वामी जी प्रत्येक दिन रायपुर में मिलेंगे।

आने से पूर्व एपाइंटमेंट अवश्य लें।

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि क्लासीफाईड

Healthcare

सोरायसिस एवं चमड़ी रोग

प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।

इसे नजर अंदाज कर क्षणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए क्योंकि यह जिद्दी व लाईलाज बीमारी है यह दवा से दबकर बार-बार फिर उभरता है। क्योंकि इसका जड़ चमड़ी में नहीं कहीं और है। क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रुसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना नाखुनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है। क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है जैसे : शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहे तो इनकी झुठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।

आई.एस.ओ. सर्टिफाईड

सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल
बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659,93039-48500
96177-89223,93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

जैकेट के शेष

पैर खोया, हौसला ....

आवाज भरी गई। वह दोपहर 12.30 बजे का समय था जब आईईडी विस्फोट हुआ जिसकी चपेट में आने से वह बेहोश हो गया। टीम के अधिकारी और साथी उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद शाम 6 बजे जिला अस्पताल बीजापुर लेकर पहुंचे तब उन्हें होश आया। उस समय वे सोच रहे थे कि किसी तरह जल्द से जल्द किसी अच्छे अस्पताल में इलाज हो जाए। वे अस्पताल पहुंचे और उन्हेंअपना एक पैर खोना पड़ा। यह घटना किसी भी व्यक्ति को तोड़ सकती थी, परंतु किशन हपका के साहस और मजबूत इच्छाशक्ति के आगे बौनी साबित हुई। उनका कहना है कि परिस्थिति कितनी भी कठिन हो इसांन को मन से नहीं हारना चाहिए। अपने इसी आत्मविश्वास व शारीरिक क्षति के बावजूद उन्होंने कृत्रिम पैर लगाकर न केवल खुद को संभाला बल्कि जीवन की नई शुरुआत की। उन्होंने परिस्थितियों को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया बल्कि उसे अपनी ताकत में बदल दिया। अब जब नक्सलवाद समाप्ति पर है तब किशन ने कहा कि उन्हें अपने पैर खोने का दर्द नहीं है, बल्कि इस बात की खुशी है कि हमारा बस्तर नक्सलियों के चंगुल से आजाद हो चुका है और लोग बिना डरे अपने जिंदगी जी सकेंगे।

किशन एक पैर खोने के बाद रुका नहीं, 2025 में खेलो इंडिया के अंतर्गत तीरंदाजी में भाग लिया। अपनी एकाग्रता, धैर्य एवं मानसिक संतुलन के बल पर उन्होंने बस्तर ओलंपिक में तीरंदाजी प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया। अपने इसी हुनर को उन्होंने अपने जीवन का लक्ष्य बनाया और हाल ही में उन्होंने पंजाब व आल इंडिया पुलिस नेशनल स्पर्धा भिलाई में भी विभाग की ओर से तीरदांजी में अच्छा प्रदर्शन किया। अब वे झारखण्ड में होने वाले स्पर्धा में भी भाग लेने तैयारी कर रहे हैं। यह उपलब्धि उनके लिए केवल एक पदक नहीं बल्कि उनके संघर्ष, हौसले और आत्मविश्वास की जीत का प्रतीक है। किशन हपका वर्तमान में कोतवाली थाना बीजापुर में अपने ड्यूटी कर रहे हैं। किशन ने कहा कि उसने जो भी किया नक्सलवाद के खात्मे व अपने देश के लिए किया और आगे भी देश के लिए कुछ करना चाहता हूं, जिससे बस्तर पुलिस व छत्तीसगढ़ का नाम रोशन हो सके।

सीजफायर के बाद ....

लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। बेरूत में व्यावसायिक और रिहायशी इलाकों पर हमले किए गए।

ओडिशा से मुंबई जा रहा डेढ़ ....

में नशीला पदार्थ लाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने एनएच 53 मार्ग पर रेहटीखोल के पास नाकाबंदी की। संदिग्ध ट्रक के पहुंचते ही उसे रोककर तलाशी ली गई, जिसमें बोरियों के अंदर छिपाकर रखा गया 312 किलो से अधिक गांजा मिला। ट्रक में सवार दो आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार किया गया जिसमें इम्तियाज खान (48 वर्ष) निवासी मैसूर, कर्नाटक, रवि प्रकाश राउतकर (45 वर्ष) निवासी बालाघाट, मध्य प्रदेश शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे यह गांजा ओडिशा के सोनपुर जिले से लेकर मुंबई (महाराष्ट्र) खपाने जा रहे थे।

छोटे नोटों का ....

उसके पास जा रहे थे तो युवक सूटकेस छोड़कर भागने लगा। पुलिस ने दौड़ाकर युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने दोनों सूटकेस व बैग खोलकर देखा तो 10, 20, 50 रुपए के 81 बंडलों में कुल 17 लाख 90 हजार रुपए मिले। पकड़ा गया युवक बिलासपुर स्थित पुराना बस स्टैण्ड कश्यप कालोनी निवासी पवन बजाज पिता अर्जून बजाज 35 साल है। पूछताछ में उसने बताया, बिलासपुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन से कटनी उक्त रकम छोड़ने जा रहा था।

छत्तीसगढ़ में सिटी ...

मानें, तो इस संबंध में नई नीति तैयार की गई है, इसका अनुमोदन राज्य मंत्रिपरिषद कैबिनेट की बैठक (15 अप्रैल) में होने की संभावना है।

सीएस कर चुके हैं ....

जाए। साथ ही रोड कटिंग, राइट ऑफ वे और अन्य तकनीकी स्वीकृतियों को समयबद्ध तरीके से जारी किया जाए, ताकि परियोजना में देरी न हो। इसके अलावा नगरीय निकायों, लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग को आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा गया है। नए भवनों, कॉलोनियों, अस्पतालों और संस्थानों में पीएनजी इंफ्रास्ट्रक्चर को शामिल करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पेज एक के शेष

रायपुर के आंगन में गूंज ....

संचालनालय ने वर्ष 2011 की जनसंख्या के अनुपात के हिसाब से साल-दर साल वृद्धि या कमी का एक आकलन किया है। इससे राज्य की बाल संख्या के संबंध में एक तस्वीर सामने आती है। राज्य सरकार बच्चों के लिए योजना बनाने समय इन आंकड़ों के अनुरूप रीति-नीति निर्धारित कर सकती है। इसकी सीधा असर भविष्य में बच्चों के लिए बनने वाली योजनाओं पर भी पड़ता है। राज्य में 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की कुल संख्या लगभग 36.57 लाख दर्ज की गई है। पिछले आंकड़ों की तुलना में इसमें धीरे-धीरे गिरावट का रुझान दिखाई दे रहा है, जो जनसंख्या वृद्धि दर में कमी का संकेत है।

21 अस्पताल : आवेदन नहीं देने के...

हॉस्पिटल एवं मैटरनिटी होम, सिद्धि विनायक हॉस्पिटल, वरदान हॉस्पिटल, वासुदेव मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, श्री रामा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, माँ शारदा नर्सिंग होम, ओम नेत्र केंद्र एवं लेजर विजन।

12 अस्पताल : जवाब ना देने...

रायपुरः श्री दानी केयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, श्री कृष्णा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, श्री महावीर हॉस्पिटल, श्री साईं राम हॉस्पिटल, कालड़ा नर्सिंग होम, कान्हा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, प्रज्ञा हॉस्पिटल, लाइफ केयर हॉस्पिटल

26 अस्पताल : रोका...

हॉस्पिटल, कर्मा हॉस्पिटल, श्री राम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, रायपुर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, श्रीमाँ शारदा आरोग्यधाम हॉस्पिटल, रूपजीवन हॉस्पिटल, श्री दानी केयर हॉस्पिटल, जीवन अनमोल हॉस्पिटल, सद्भावना हॉस्पिटल, एकता इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ, चंद्रानी सरदारीलाल आई एवं ईएनटी हॉस्पिटल, रावतपुरा सरकार हॉस्पिटल, आस्था मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, छत्तीसगढ़ आई हॉस्पिटल, शाश्वत हॉस्पिटल

70 साल बाद पहाड़ी कोरवाओं...

के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ने वाले अधिवक्ता सत्य प्रकाश तिवारी ने न्यायालय के समक्ष मजबूती से पक्ष रखा कि किस प्रकार भोली-भाली जनजाति के लोगों को कानूनी दांव-पेच और धर्मांतरित व्यक्तियों द्वारा छल का शिकार बनाकर उनकी पैतृक संपत्ति हड़पी गई थी।

क्यों ऐतिहासिक है यह...

नहीं किया गया। अवैध बैनामा तत्कालीन कलेक्टर या अधिकृत अधिकारी की अनिवार्य अनुमति के बिना किया गया विक्रय पत्र (रजिस्ट्री) कानूनी रूप से 'अकृत एवं शून्य'है। कब्जा बनाम कागज न्यायालय ने स्वीकार किया कि भले ही कागजों में नाम हेरफेर से बदला गया, लेकिन जमीन पर आज भी भौतिक कब्जा पीड़ित पहाड़ी कोरवाओं का ही है। भूमि सुरक्षा पर बड़ा फैसला अधिवक्ता सत्यप्रकाश तिवारी ने फैसले के बाद मीडिया को बताया कि अंतिम आदेशः राजस्व रिकॉर्ड में सुधार के निर्देश।

इंग्लिश फॉरेन या...

एजुकेशन पॉलिसी 2020 के तहत लागू किए जा रहे तीन भाषा फॉर्मूला का हिस्सा है। सीबीएसई ने कहा कि इस फैसले का उद्देश्य स्टूडेंट्स की भाषा समझ और ज्ञान को मजबूत करना है। सीबीएसई के इस फैसले को स्कूल प्रिंसिपल असमंजस में है। स्कूल प्रिंसिपल इंग्लिश की कैटेगरी तय ना होने की वजह से असमंजस में हैं।

कई मंदिरों में औरत बनकर...

लिए यह अनिवार्य है कि वे महिला श्रद्धालुओं के पैर धोएं। केरलम में एक ऐसा मंदिर है, मैंने इसके बारे में पढ़ा है, जहां पुरुष महिलाओं की वेशभूषा में जाते हैं।

वे ब्यूटी पार्लर जाते हैं और परिवार की महिला सदस्य उन्हें साड़ी पहनाने में मदद करती हैं और वहां केवल पुरुष ही जाते हैं, इसलिए यह धार्मिक प्रथा न तो पूरी तरह से पुरुष-केंद्रित है और न ही महिला-केंद्रित.यह विशेष उदाहरण संयोगवश महिला-केंद्रित है।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक — आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु — आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन — परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

दिल्ली पहुंचते ही नीतीश कुमार ने तोड़ी चुप्पी!

'हमने तय कर लिया है, यहां रहेंगे, वहां वाला छोड़ेंगे'

पटना/नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे ने सियासी हलचल को और तेज कर दिया है। गुरुवार को दोपहर करीब 3:15 बजे दिल्ली पहुंचने के बाद उन्होंने मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में ऐसे संकेत दिए, जिससे यह साफ माना जा रहा है कि वे अब राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने की तैयारी में हैं। दिल्ली पहुंचने के बाद पत्रकारों से बातचीत में नीतीश कुमार ने साफ कहा, 'हमने तय कर लिया है, यहां रहेंगे, वहां वाला छोड़ेंगे। फिर उसके बाद यही रहेगा।' नीतीश कुमार ने कहा, 'हम उसी (राज्यसभा शपथ) के लिए आए हैं, कल सुबह जा रहे हैं। वहां सब छोड़ देंगे। 20 साल वहां रहे हैं, अब हम यहीं रहेंगे।' उनके इस बयान को बिहार की राजनीति से लगभग दूरी और केंद्र की राजनीति में सक्रिय एंट्री के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। दिल्ली दौरे के दौरान नीतीश कुमार ने साफ संकेत दिए कि अब उनका फोकस राष्ट्रीय राजनीति पर रहेगा और वे बिहार की सक्रिय राजनीति से दूरी बना सकते हैं।

कुवैत में भीषण सड़क हादसे में भारत के पांच लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶| कुवैत

कुवैत में भीषण सड़क हादसे में भारत के पांच लोगों की मौत हो गई। हादसा कुवैत के एक राजमार्ग पर बुधवार शाम उस समय हुआ जब प्रवासी मजदूरों से भरी एक गाड़ी तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर दूसरे वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पुंछ जिले के बच्चेयांवाली गांव के फरीद अहमद, सरफराज अहमद, मोहम्मद खालिद व शींदरा गांव के मुख्तार अहमद और राजोरी के थन्नामंडी के मुमताज रशीद की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घायलों में शामिल पुंछ के एक युवक को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की वीरवार सुबह जानकारी मिलते ही बच्चेयांवाली, शींदरा और थन्नामंडी में मातम पसर गया।

असम पुलिस ने एफआईआर में कहा

खेड़ा के आरोप 'चुनाव प्रभावित करने सुनियोजित प्लान का हिस्सा'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

तेलंगाना हाई कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के ट्रांजिट अग्रिम जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रखा है। पवन खेड़ा असम पुलिस की ओर से उनके खिलाफ जालसाजी और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज करने के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचे हैं। इस बीच असम पुलिस के एफआईआर में उनके खिलाफ दर्ज जानकारी सामने आ गई है। असम पुलिस की ओर से पवन खेड़ा के खिलाफ दर्ज एफआईआर के अनुसार, उन्होंने गुवाहाटी के प्रेस कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां के खिलाफ एकाएक आरोप नहीं लगाए थे, बल्कि यह एक 'सुनियोजित योजना का हिस्सा था।'

'दुर्भावना और आपराधिक इरादे से लगाए गए आरोप': एफआईआर के अनुसार, खेड़ा की ओर से लगाए गए आरोप, 'दुर्भावना से जानबूझकर, आपराधिक इरादे से और गंभीर अंजाम की पूरी जानकारी के साथ' लगाए गए थे। एनडीटीवी ने एफआईआर की कॉपी के आधार पर यह रिपोर्ट दी है। एफआईआर के अनुसार ये बयान मतदान के कुछ ही दिन पहले दिए गए। यह (बयान) नागरिकों को गुमराह करने, सार्वजनिक शांति भंग करने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए (दिए गए)...

ऐन चुनाव के बीच संदेह पैदा करता है विधेयक का प्रस्ताव

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने विधायिकाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण को लेकर प्रस्तावित संशोधन के समय पर सवाल उठाते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि यह कदम चुनावी माहौल को प्रभावित करने की एक और राजनीतिक कोशिश प्रतीत होता है। स्टालिन ने कहा कि राज्यों में चुनाव के बीच 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने के लिए संशोधन लाने का समय 'गंभीर संदेह' पैदा करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का पूर्ण समर्थन करती है, लेकिन इसे बिना सीटों की संख्या बढ़ाए और ''बिना राज्यों को दंडित किए'', मौजूदा ढांचे के भीतर लागू किया जाना चाहिए। स्टालिन ने परिसीमन को लेकर पारदर्शिता की कमी का भी आरोप लगाया और पूछा कि यह जनसंख्या नियंत्रण से पूर्व के 1971 के आंकड़ों के आधार पर होगा या 2021 की जनगणना के अनुसार ? उन्होंने कहा कि अस्पष्टता और विरोधाभासी संकेत संदेह को और गहरा करते हैं। सहकारी संघवाद के सिद्धांत पर 'सीधा हमला' स्टालिन ने आरोप लगाया कि यह कदम राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालेगा और सहकारी संघवाद के सिद्धांत पर 'सीधा हमला' है।

■ महिला आरक्षण को लेकर स्टालिन का केंद्र पर हमला

मणिपुर में कर्फ्यू का उल्लंघन कर निकाली रैलियां, जलाए टायर

एजेंसी ▶▶| इंफाल

मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में एक घर पर बम हमले के विरोध में राज्य के घाटी के पांच जिलों में हजारों प्रदर्शनकारियों ने कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए रैलियां निकालीं और टायर जलाए। बिष्णुपुर जिले में बम हमले की इस घटना में दो बच्चों की मौत हो गई थी। इंफाल पश्चिम जिले के टिडिम लाइन में संगठन 'ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन' के तत्वावधान में सैकड़ों लोगों ने क्वाकेइथेल के पास स्थित संगठन के कार्यालय से रैली निकाली, जिसमें हत्याओं की निंदा की गई और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई। हमले में मारे गए दो नाबालिगों के पोस्टर लिए हुए कई बच्चे भी रैली में शामिल हुए जिन्हें सुरक्षा बलों ने क्वाकेइथेल के पास आगे बढ़ने से रोक दिया।

ये है मामला

बुधवार रात को इंफाल पूर्व जिले के खुराई लामलॉन्ग में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें हुईं, जहां प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया जिसके बाद सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। इसके पहले ट्रोंगलाओबी घटना के बाद चलाए गए अभियानों के दौरान पुलिस ने यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी के तीन संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया था।

!! न्यायालय तहसीलदार दुर्ग, जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़) !!

व्यक्तिगत सूचना

रा०प्र०क्र०:-202511100700082/अ-6 (अ)/ वर्ष 2025-2026
ग्राम-कसारीडीह, प.ह.नं. 40, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

प्रति,
1- निरंजन पिता रामकृष्ण वर्मा, निवास-डी-7, राजीव नगर, रायपुर [illegible]

[illegible]

तहसीलदार
दुर्ग

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

फार्म-अ
सार्वजनिक सूचना
(नियम-6 देखिये)

सर्व साधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि विशेष विवाह के पक्षकार [illegible] द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954, द्वितीय अनुसूची की धारा 5 के अधीन विशेष विवाह हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आशयित विवाह के विरूद्ध आपत्ति करने हेतु कोई भी इच्छुक व्यक्ति इस संबंध में दिनांक 20/04/2026 के पूर्व अधोहस्ताक्षरकर्ता को आवेदन/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी तथा यह शून्य माना जावेगा।

आज दिनांक 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी किया।

आगामी पेशी दिनांक-20/04/2026

विशेष विवाह अधिकारी
एवं अपर कलेक्टर जिला
धमतरी (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार घुमका के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202602090100017

विषयः- अ-21(1) मामले की श्रेणीः- राजस्व सनः- 2025-2026
देवडोंगर (प ह न. 00015),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - सरस्वती
अनावेदक पक्षकार - छ०ग० शासन द्वारा राजस्व विभाग

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि [illegible]

Abdul Vasim Siddiqui
नायब तहसीलदार
घुमका, तह. व जिला-राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्युशन कम्पनी लिमिटेड

बिजली बन्द की सूचना

समस्त सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है, कि मानसून पूर्व विद्युत लाईनों में रखरखाव/सुधार कार्य हेतु नीचे दिये गये तिथि में समय **सुबह 9:30 बजे से शाम 4:30 बजे** तक निम्न क्षेत्रों में बिजली बन्द रहेगी।

दिनांक/दिन	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
10.04.2026 शुक्रवार	33 के.व्ही. धमतरी फीडर	चिटौद से बागतराई, विजय राईस मिल।
11.04.2026 शनिवार	33 के.व्ही. कलेक्ट्रेट फीडर	चिटौद से गोकुलपुर सबस्टेशन, पीबीएस ऑईल मिल पुरूर।
13.04.2026 सोमवार	33 के.व्ही. धमतरी फीडर	बागतराई से पॉवर हाउस, सरस्वती राईस मिल, हरिओम धान कुटाई, खंडेलवाल एग्रो, बालाजी राईस मिल समस्त एचटी उपभोक्ता।
15.04.2026 बुधवार	33 के.व्ही. गंगरेल फीडर	कलेक्ट्रेट से मैत्री विहार, वाटर फिल्टर।
16.04.2026 गुरुवार	33 के.व्ही. गंगरेल फीडर	मैत्री विहार से हरफतराई रोड, सिहावा रोड समस्त उच्च दाब उपभोक्ता।

आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है, असुविधा के लिए खेद है।

कार्यपालन अभियंता (सं./ सं.) संभाग
छ.स्टे. पॉ.डि.कं.लि.धमतरी

विज्ञापन संख्या 01/2026

केन्द्रीय विद्यालय संगठन में प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्थानांतरण द्वारा अधिशासी अभियंता एवं सहायक निदेशक (राजभाषा) के पद को भरा जाना

केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केविसं), जो कि शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है, प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्थानांतरण द्वारा अधिशासी अभियंता का 01 (एक) पद वेतन स्तर - 11 एवं सहायक निदेशक (राजभाषा) का 01 (एक) पद वेतन स्तर- 10 भरा जाना है। अधिक जानकारी अर्थात पात्रता मानदंड, योग्यता तथा निबंधन एवं शर्तों के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन की वेबसाइट www.kvsangathan.nic.in एवं रोजगार समाचार के दिनांक 04 अप्रैल, 2026 के संस्करण में देखें।

CBC- 21106/12/0001/2627 — अपर आयुक्त (प्रशासन)

कार्यालय नगर पंचायत चिखलाकसा, जिला-बालोद (छ.ग.)

क्रं./853/नि.आ.सू./लो.नि.वि./2026 — चिखलाकसा, दिनांक 08.04.2026

//ई-प्रोक्योरमेंट द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है -

1. Bid Start Date - 08.04.2026 Time - 05:30 PM
2. Bid Due Date - 24.04.2026 Time - 05:30 PM
3. Physical submission - 27.04.2026 Time - 03:30 PM
4. Bid Open Date - 28.04.2026 Time - 03:30 PM

S. NO.	System Tender No.	Name of Work	Estimated Cost (In lacs)
1	188593	Construction of Boundary wall of office Building.	15.00
2	188594	Construction of First floor of office Building.	25.00

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, व अन्य आवश्यक जानकारी नगर पंचायत कार्यालय से व विभागीय वेबसाईट व http://www.eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है। किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग की वेबसाईट में प्रसारित की जावेगी। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नही की जावेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत चिखलाकसा

कार्यालय नगर पालिका परिषद बेमेतरा जिला बेमेतरा (छ.ग.)

क्रं./49/ न.पा./ लो.नि.वि./ 2026 — बेमेतरा दिनांक 09.04.2026

// तृतीय ई-प्रोक्योरमेन्ट आमंत्रण सूचना //

एतद् द्वारा नगर पालिका परिषद बेमेतरा क्षेत्रान्तर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

टेंडर क्र.	कार्य का नाम	निविदा दर खोलने की तिथि	लागत राशि (लाख रू.)
188721	वार्ड क्र. 06 मोहभठ्ठा एवं वार्ड क्र. 13 सिंघौरी एवं वार्ड क्र. 21 करबी रोड बेमेतरा में एस.एल.आर.एम. / एम.आर.एफ. प्लांट निर्माण कार्य	23.04.2026	94.98

टीपः- उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल www.eproc.cgstate.gov.in पर तथा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in पर डाउनलोड की जा सकती है एवं शाखा से कार्यालयीन अवधि में प्राप्त की जा सकती है. निविदा आमंत्रण से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन सूचना विभाग के वेबसाईट में प्रसारित की जावेगी, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बेमेतरा

शब्द पहेली - 6191

बाएं से दाएं
1.जाति,समाज,बंधुता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.नम्रता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे
1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली- 6190 का हल

प	व	न	कु	मा	र	■	म	क	ब	रा
ला	न	■	त	■	स	ली	का	■	स	त
य	■	प	र	वा	ना	■	न	न	■	दि
न	का	र	ना	■	■	क	■	म	हा	न
वा	■	ख	■	स	ह	ल	ज	■	ज	■
दी	वा	ना	प	न	■	प	र	व	री	श
■	जि	■	र	स	ले	ना	■	न	■	री
ग	ब	न	■	नी	■	■	अ	वा	न्त	र
ज	■	शा	न	■	आ	ब	नू	स	■	र
रा	ज	■	ज	टा	यु	■	रू	■	क	क्ष
ज	ल	च	र	■	ध	मौं	प	दे	श	क

सूडोकु नवताल - 6201

★★★ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल - 6200 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	1	3
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

कार चलाने वालों के लिए बड़ा अपडेट, 2027 से बदल जाएंगे प्रदूषण के नियम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के अंदर पॉल्यूशन की सबसे बड़ी वजह गाड़ियों ने निकलने वाला धुआं है। दिल्ली जैसे शहर में इसका असर भी साफ दिखाई देता है। जिसे लेकर दिल्ली सरकार द्वारा कई अलग-अलग तरह के प्रयोग भी किए जाते रहे हैं। हालांकि, अब सरकार प्रस्तावित भारत स्टेज सात (बीएस 7) मानकों के तहत व्हीकल से होने वाले प्रदूषण के दायरे को बढ़ाने की तैयारी में है।

- सरकार भारत स्टेज सात के तहत स्टेज सेवन मानकों को बढ़ाने तैयार

ये नए मानक काफी हद तक यूरो सात उत्सर्जन मानकों के अनुरूप हैं, फिर भी इन्हें भारत की ड्राइविंग और ईंधन की स्थितियों के हिसाब से ढाला जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि 2027 से कारों, बसों और ट्रकों को सख्त उत्सर्जन नियमों का सामना करना पड़ सकता है।

प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह गाड़ियों से निकलने वाला धुआं

बैटरियों के लिए न्यूनतम सहन शक्ति पर होगा विचार

इसके अलावा, केंद्र सरकार इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) की बैटरियों के लिए न्यूनतम सहन-शक्ति की शर्तें अनिवार्य करने की संभावना पर विचार कर रही है। इस कदम का उद्देश्य देश में ईवी को तेजी से अपनाए जाने के बीच उनकी उम्र और प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। अधिकारियों में से एक ने कहा, 'नेचुरल गैस से चलने वाले व्हीकल से होने वाले विशिष्ट उत्सर्जन जिन पर पहले ध्यान नहीं दिया जाता था, अब बीएस-7 के तहत और सख्त किया जाएगा। 'नए नियम 1 अप्रैल, 2027 से लागू किए जा सकते हैं।

ईवी बैटरी और सीएनजी पर भी होगा असर

सरकार इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) को लेकर भी अब सख्त होने जा रही है। दरअसल, ईवी बैटरियों के लिए न्यूनतम परफॉर्मेंस और लाइफ से जुड़े मानक तय किए जा सकते हैं। इससे बैटरी की क्वालिटी और क्रेडिबिलिटी बढ़ेगी। इससे लोगों का ईवी पर भरोसा मजबूत होगा।

बीएस 7 में सीएनजी व नेचुरल गैस के वाहन शामिल

दूसरी तरफ, अब तक ज्यादातर नियम पेट्रोल और डीजल गाड़ियों पर केंद्रित थे, लेकिन बीएस 7 में सीएनजी और नेचुरल गैस से चलने वाले व्हीकल पर भी सख्त कंट्रोल रखेंगे। इनसे निकलने वाले उत्सर्जन को भी अब गंभीरता से लिया जाएगा। कुल मिलाकर सभी तरह के व्हीकल के लिए ये नियम सख्ती से पेश आएंगे।

क्या है बीएस-7 इंजन?

बीएस-7 इंजन जिन गाड़ियों में इस्तेमाल किए जाएंगे वो नए और सख्त उत्सर्जन मानकों का पालन करेंगे। इनमें एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा, जो कम प्रदूषण करेगी और पर्यावरण के लिए बेहतर होंगी। इनमें खास तरह के इंजन और मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए जाएंगे जो रियल-टाइम में प्रदूषण को कंट्रोल करने में मदद करेंगे। अभी शहरों में धुंध का एक बड़ा कारण अमोनिया उत्सर्जन भी है। नए नियमों में हल्के और भारी दोनों तरह के व्हीकल के लिए इस पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इससे हवा की क्वालिटी सुधारने में मदद मिल सकती है।

खबर संक्षेप

मर्सिडीज-बेंज की बिक्री में सात फीसदी का उछाल

नई दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज की कुल बिक्री जनवरी-मार्च तिमाही में सात प्रतिशत बढ़कर 5,131 इकाई रही। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी ने 4,775 वाहन बेचे थे। 2025-26 मर्सिडीज-बेंज इंडिया के लिए अब तक का सबसे शानदार साल रहा, जिसमें कंपनी ने रिकॉर्ड 19,363 गाड़ियां बेचीं।

अदाणी ग्रीन का यूएई की कंपनी के साथ करार

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी की अनुषंगी कंपनी अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी मिडिल ईस्ट लिमिटेड (एजीईएल यूएई) ने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए मिनर्वा होल्डिंग आरएससी के साथ संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मिनर्वा पूरी तरह से ईपॉइंटजीरो के स्वामित्व वाली कंपनी है।

एशिया और यूरोप के अन्य बाजारों में कमजोर रुख रहा

युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता से बीएसई सेंसेक्स 931 अंक लुढ़का, निफ्टी नुकसान में

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारी बिकवाली से स्थानीय शेयर बाजारों में पांच दिन से जारी तेजी बृहस्पतिवार को थम गयी और बीएसई सेंसेक्स 931 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 222 अंक के नुकसान में रहा। पश्चिम एशिया में युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता के बीच वित्तीय, बैंक और आईटी शेयरों में बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा।

एशिया और यूरोप के अन्य बाजारों में कमजोर रुख, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर निकासी ने भी घरेलू बाजार में निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। बाजार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 931.25 अंक टूटकर 76,631.65 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 1,215 अंक की पर आ गया था। निफ्टी 222.25 अंक टूटकर 23,775.10 अंक पर बंद हुआ।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से बाजार का माहौल बदला

विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर निकासी ने चिंता बढ़ाई

वित्तीय, बैंक और आईटी शेयरों में रही बिकवाली

कच्चे तेल की कीमतें फिर से बढ़ गई

लेबनान पर इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद करने के बाद युद्धविराम समझौते को लेकर अनिश्चितता बढ़ गयी है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''युद्धविराम से जो उम्मीद बंधी थी, वह अब फीकी पड़ गयी है क्योंकि अमेरिका-ईरान तनाव के फिर से बढ़ने और होर्मुज जलडमरूमध्य पर जारी प्रतिबंधों के कारण कच्चे तेल की कीमत फिर से बढ़ गई।

युद्धविराम को लेकर कम भरोसा

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा, अमेरिकी-ईरान युद्धविराम को लेकर भरोसा कम होने के कारण निवेशकों ने सतर्क रूख अपनाया और घरेलू बाजारों में लगातार पांच सत्रों से जारी तेजी का सिलसिला टूट गया।

एलएंडटी में रहा नुकसान, पावरग्रिड लाभ में

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में से इंटरग्लोब एविएशन, लार्सन एंड टुब्रो, इटर्नल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में तेजी रही। बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.26 प्रतिशत चढ़ा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप 0.15 प्रतिशत के लाभ में रहा।

एशियाई बाजार में रही गिरावट

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार में बुधवार को उल्लेखनीय तेजी रही थी। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,811.97 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

देश में महंगाई को लेकर बढ़ी चिंता

इससे भारत में मुद्रास्फीति को लेकर चिंता भी बढ़ गई है।'' उन्होंने कहा, '' घरेलू स्तर पर, मुनाफावसूली, 10-वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि और रुपये की विनिमय दर में गिरावट ने अल्पकालिक जोखिम लेने की प्रवृत्ति को कम कर दिया। पिछले सत्र की जोरदार तेजी के बाद वित्तीय क्षेत्र में गिरावट देखी गई। इसका कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निरंतर बिकवाली है।''

निवेशकों ने की मुनाफावसूली

पिछले कारोबारी सत्र में तेज उछाल के बाद आज की गिरावट मुख्य रूप से मुनाफावसूली के कारण हुई है। अनिश्चित माहौल में नए जोखिम उठाने के बजाय निवेशकों ने मुनाफा वसूली को तरजीह दी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 3.27 प्रतिशत बढ़कर 97.85 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

रुपया नौ पैसे कमजोर होकर 92.63 प्रति डॉलर : मुंबई। पश्चिम एशिया में बनी नाजुक स्थिति और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अनिश्चितता के कारण निवेशकों में सतर्कता बने रहने से बृहस्पतिवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नौ पैसे टूटकर 92.63 पर आ गया।

टीसीएस के शुद्ध लाभ में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

- चौथी तिमाही में लाभ बढ़कर 13,714 करोड़ रुपए रहा

देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 12.22 प्रतिशत बढ़कर 13,718 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में यह जानकारी दी। इससे गत वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में कंपनी ने 12,224 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ 1.35 प्रतिशत बढ़कर 49,210 करोड़ रुपये हो गया जो वित्त वर्ष 2024-25 में 48,553 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में हालांकि कंपनी के कर्मचारियों की संख्या 23,460 घटकर 5.84 लाख रह गई। हालांकि, चौथी तिमाही में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या में 2,356 की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान बदलते प्रौद्योगिकी परिदृश्य के कारण कंपनी ने 12,000 नौकरियां घटाने की प्रक्रिया शुरू की थी। 315 अरब डॉलर के भारतीय आईटी क्षेत्र में टीसीएस वित्त वर्ष 2025-26 के नतीजे घोषित करने वाली पहली कंपनी है।

प्रति शेयर 31 रुपए का लाभांश

कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश का प्रस्ताव किया है जिसके लिए वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी की ली जाएगी। कंपनी का शेयर बृहस्पतिवार को बीएसई सेंसेक्स पर 1.09 प्रतिशत बढ़कर 2,587.75 रुपये पर बंद हुआ।

मुंबई में बैठे सर्जन ने मस्कट में मरीज़ की 'रेडिकल नेफरेक्टोमी' की

मुंबई। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 के अवसर पर, जिसका इस वर्ष का संकल्प है- 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट, विज्ञान के साथ अटूट', कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल ने वैश्विक चिकित्सा के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया है। डॉ. टीबी. युवराजा ने मुंबई में बैठकर मस्कट (ओमान) के मेडिकल सिटी अस्पताल में भर्ती एक 55 वर्षीय महिला की सफल रोबोटिक रेडिकल नेफरेक्टोमी (किडनी निकालने की जटिल सर्जरी) संपन्न की। अत्याधुनिक 'मेडबॉट तौमाई रोबोटिक सर्जरी सिस्टम' के जरिए अंजाम दी गई यह ऐतिहासिक प्रक्रिया भारत की पहली 'क्रॉस-बॉर्डर रिमोट रोबोटिक सर्जरी' मानी जा रही है।

- कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल ने सीमापार रोबोटिक सर्जरी करके स्थापित किया नया कीर्तिमान

यह उपलब्धि उस भविष्य की ओर एक निर्णायक कदम है, जहाँ भारतीय डॉक्टरों की विशेषज्ञता भौगोलिक सीमाओं को लांघकर दुनिया भर के मरीज़ों को वास्तव में जीवनदान दे सकेगी। अत्याधुनिक रोबोटिक प्रणालियों और निर्बाध 'रियल-टाइम' कनेक्टिविटी की मदद से, इस सर्जरी को असाधारण सटीकता और नियंत्रण के साथ पूरा किया गया। इस सफलता ने दुनिया के सामने 'क्रॉस-बॉर्डर रिमोट सर्जरी' की विश्वसनीयता और क्लिनिकल सक्षमता का लोहा मनवाया है। कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल, भारत का अग्रणी 'सेंटर फॉर रोबोटिक सर्जरी' का केंद्र है और देश की पहली 'मेडबॉट तौमाई रोबोटिक सर्जरी सिस्टम' भी यहां है।

सीआईआई छत्तीसगढ़ ने 2026-27 के लिए 10-पॉइंट एजेंडा किया जारी

रायपुर। सीआईआई छत्तीसगढ़ ने वर्ष 2026-27 के लिए औद्योगिक विकास को गति देने और समावेशी वृद्धि को मजबूत करने हेतु 10-पॉइंट एजेंडा जारी किया है। राजधानी रायपुर के होटल हयात में आयोजित प्रेस मीट में यह जानकारी साझा की गई। मीडिया को संबोधित करते हुए सीआईआई छत्तीसगढ़ के चेयरमैन बजरंग गोयल ने राज्य में उद्योगों की भागीदारी बढ़ाने और निवेश आकर्षित करने की प्रतिबद्धता जताई। चेयरमैन ने बताया कि वाइस चेयरमैन आनंद सिंघानिया के सहयोग से संगठन राज्य सरकार के साथ मिलकर प्रतिस्पर्धात्मकता, सस्टेनेबिलिटी और इक्क्लूसिव ग्रोथ के राष्ट्रीय एजेंडा पर कार्य करेगा। वहीं, स्टेट ऑफिस हेड श्वेता सोंगेन ने बताया कि आगामी कार्यक्रमों में मई 2026 में 'बस्तर कॉन्क्लेव' और अगस्त में 'इंडिया स्टील समिट 2026' का आयोजन शामिल है। सीआईआई का यह एजेंडा तीन प्रमुख स्तंभों - ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और स्किलिंग एवं इन्क्लूजन पर आधारित है।

इसके तहत पॉलिसी एडवोकेसी, अपूर्वल्स का डिजिटलाइजेशन, एमएसएमई और ग्रामीण उद्यमों को बढ़ावा, इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर एवं क्लस्टर डेवलपमेंट, कनेक्टिविटी, जल प्रबंधन, सामाजिक बुनियादी ढांचा, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और कमजोर वर्गों के उत्थान जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दी गई है।

रायपुर में आयुर्वेद का संदेश : डाबर पुदीन हरा ने पुदीना को बताया 'वंडर हर्ब'

रायपुर। आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों के लाभों का प्रचार करने के अपने मिशन में आगे बढ़ाते हुए भारत की सबसे बड़ी विज्ञान आधारित आयुर्वेद कंपनी, डाबर इंडिया लिमिटेड ने पुदीना को एक आश्चर्यजनक जड़ी बूटी के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए एक अभियान शुरू किया। आज यहां आयोजित एक कार्यक्रम में इस अभियान की शुरूआत की गयी। इस मौके पर पुदीना की उपयोगिता को लेकर डा. चंद्रमौली यादव ने बताया कि पुदीना एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइटोन्यूट्रिएंट्स युक्त होता है जो मानव पेट के लिए खासकर तेज गर्मी के दौरान चमत्कार कर सकते हैं, गर्म-लहरों और बढ़ते पारा के स्तर की त्वरित आवृत्ति के साथ, गर्मियों के मौसम के दौरान स्वास्थ्य समस्याएं आम हो गई हैं। कार्यक्रम में बोलते हुए, डाबर इंडिया लिमिटेड, डायरेक्टर-मार्केटिंग, श्रीराम पद्मनाभन ने कहा: "जीवन शैली में विकसित रुझानों और उपभोक्ताओं के काम का पैटर्न देखने पर पता चलता है कि आज सभी बहु-मुखी कार्य कर रहे हैं और इसलिए उन्हें प्रभावी और प्राकृतिक समाधान की आवश्यकता होती है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.वि.म. की उत्तरदायी कंपनी)

क्र./ 051-5500/जनसंवाद /सिल./47 सिलतरा दिनांक 09.04.2026

आम सूचना

समस्त सम्मानीय उपभोक्ताओं, आम जनता एवं ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि:-
1). 33 के.व्ही. नया लाईन जो 132 के.व्ही. उपकेन्द्र मेटलपार्क से निकलकर शेरा होटल, मेटलपार्क चौंक, चाण्डक कोल्ड स्टोरेज होते हुए सोलांकी बाड़ी रावाभांठा एक ऊर्जीकृत कर पुरानी लाईन से जोड़कर ऊर्जीकृत की जावेगी, जो दिनांक 11.04.2026 को उसके बाद कभी-भी ऊर्जीकृत मानी जावें । जो गिरौध फिडर के नाम से जानी जावेंगी ।
2). 33 के.व्ही. नया लाईन जो 33 के. व्ही. उपकेन्द्र सिलतरा से निकलकर मुरेठी चौक, सिलतरा, नेषनल हाईवे 06 के समानांतर, जी.के. टाउनषिप होते हुए 33 के.व्ही. जी.के. टाउनषिप तक ऊर्जीकृत की जावेगी, जो दिनांक 11.04.2026 को / उसके बाद कभी-भी ऊर्जीकृत मानी जावें । जो जी.के. टाउनषिप आऊटगोईन्ग के नाम से जानी जावेंगी ।

अतः समस्त ग्रामवासियों, आम जनता एवं उपभोक्ताओ से अनुरोध है कि केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (विद्युत आपूर्ति और सुरक्षा से संबंधित उपाय) विनियम, 2023 एवं 2010 तथा विद्युत अधिनियम 2003 की संगत धाराओं के अंतर्गत विनियम 62, 63 एवं 64 में विनिर्दिष्ट प्रावधानों के अनुसार सुरक्षित अंतर / दूरी बनाए रखें एवं लाईन के नीचे या आस-पास कोई निर्माण कार्य अथवा खुदाई की मिट्टी, कृषि उत्पाद या ज्वलनषील समाग्री भण्डारित नहीं किया जावें। कृषि संबंधित कार्य (मिजाई-मिसाई, धान उड़ाई) आदि कार्य ना करें एवं अपने मवेषियों आदि को खम्भे स्टे सेट से न बांधे ।
उक्त नवीन विस्तारित 33 के.व्ही. लाईन को 11.04.2026 के बाद कभी-भी ऊर्जीकृत करने हेतु सूचना प्रकाशित किया जाना है ।

कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं.लि. सिलतरा

S-47460/1

कार्यालय कलेक्टर, रायपुर (छ.ग.) एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

// अधिसूचना //

(धारा-04, भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013)

क्र./4042/भू-अर्जन/2025 रायपुर दिनांक 07/04/2026

भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2023 की धारा 04 में सहपठित नियम 7 के अंतर्गत नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग, रायपुर (छ.ग.) द्वारा आशयित है, अर्थात :-

भूमि का वर्णन					लोक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम/नगर	खसरा क्रमांक	क्षेत्रफल (हेक्टे.में)	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायपुर	धरसींवा	सिलियारी प.ह.नं. 07	937/2	0.0120	सिलयारी - मांढर (सिलयारी गेट) लेवल क्रासिंग 405 पर रेलवे ओव्हर ब्रिज निर्माण कार्य हेतु ।
			928/1	0.0234	
योग				0.0354	

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु समाजिक सामाधात निर्धारण सहमति तथा जन सुनवाई दिनांक 17/04/26 को समय 11:30 बजे स्थान पटवारी कार्यालय सिलियारी में नियत की गई है। प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

01. लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण :- सिलयारी- मांढर (सिलयारी गेट) लेवल क्रासिंग 405 पर रेलवे ओव्हर ब्रिज निर्माण कार्य हेतु ।
02. प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :- 02
03. अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :- निरंक
04. प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या :- निरंक
05. प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या :- निरंक
06. क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है :- हॉ
07. क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है :- हॉ
08. परियोजना की कुल लागत :- निरंक
09. परियोजना से होने वाला लाभ :- सुगम यातायात
10. प्रस्तावित सामाजिक सामाधात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय :- 5.00 लाख
11. परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक :- निरंक

उपरोक्त भूमि के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी सुझाव देना हो तो विहित तिथि / समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

(डॉ. गौरव कुमार सिंह)
कलेक्टर, रायपुर एवं पदेन उप सचिव,
छ.ग. शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

G- 262700105/1

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MINOR IRRIGATION DIVISION, Ranchi
e-Procurement Tender Notice
Two Envelope System
Tender Reference No:- WRD/MID/02/BD/(SLI)2026-27
Letter no-.....Date-.....

1	Name of Work:	Construction of Mukhyamantri Solar Lift Irrigation Scheme at Patratu Block:- Kanke, Dist- Ranchi.
2	Estimated Cost (Rs.)	Rs. 1,09,18,500.00
3	Cost of tender document (Rs)	Rs 10,000 only (non-refundable).
4	Earnest Money Deposit (Rs.)	Rs 1,10,000.00 only.
5	Time of Completion	335 Days
6	Mode of Submission of tender	Online through www.jharkhandtenders.gov.in
7	Date of Publicationof Tenderon website	Date: 24.04.2026 Time: 2:00 PM
8	Last Date/Time for downloading of bidding documents and Submission of Tender on Website	Date: 30.04.2026 Time: 2:00PM
9	Submission of Tender Fee and EMD	Start Date:-24.04.2026 Time:- 2:00 PM Last Date:- 30.04.2026 Time:- 2:00 PM
10	Technical Bid Opening Date	Date: 02.05.2026 Time: 2:00 PM
11	Officer Inviting Bids	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Ranchi
12	Contact No. of Procurement Officer e-mail of Procurement Officer	9431190681
13	Help line No. of Procurement Cell	0651-3512781/Email ID- eemidran-cemr-jhr@nic.in

Note:-
- Work will be awarded to those bidders {specially MNRE approved channel partners/MNRE approved manufacturers/ MNRE approved PV system integrators/ A registered manufacturers/ Company/ Firm/ Corporation in India (including MSME of Jharkhand) of at least one of the major sub system namely pumps or PV System electronics (confirming to National/ International Standards)/ any other agencies having experience of installation and commissioning of such solar powered irrigation schemes}. Empanelled Indigenous Manufacturers of 10 HP pumps (AC/DC Surface water Pumps) in the department with all accessories for off-grid stand alone SPV water pumping systems can also take part in the bid for executing the whole work of the bid. However those bidders who have not yet registered in Water Resources Department can also submit their bid provided they will have to get themselves registered in Water Resources Department within two months from the date of allotment of work.
- Only e-Tender will be accepted.

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

PR 377041 Minor Irrigation(26-27)D

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Ranchi

ई-प्रोक्योरमेन्ट सेल, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, राँची
ई-प्रोक्योरमेन्ट सूचना, (प्रथम आमंत्रण)
Tender reference No- DWSD/Dhanbad-2/2/2026-27 दिनांक – 09.04.2026

ग्रुप सं0	विवरणी	प्राक्कलित राशि (लाख रू0 में)	अग्रधन की राशि (लाख रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रुपये में)
1	Detailed survey, designing and drawing, Construction of 10.0 MLD capacity Water Treatment Plant, ESR, Phage-21.30 Lakh Litre capacity with 20 M staging, ESR, Phage- 032.20 Lakh Litre capacity with 20 M staging,ESR, Phage - 052.90 Lakh Litre capacity with 20 M staging,Staff Quarter, Compound wall, Supplying and laying Raw, Clear Water rising main and Distribution Network, House Connection, Intake well, Gangway, Coffer dam, Approach Road, Pedestal, N.H./S.H./Railway crossing,Supplying and Installation of Vertical Turbine&Centrifugal pump motor and Five years operation & maintenance with allied works etc. all complete job for **Rural Piped Water Supply Scheme of Balgadiya for Jhariya Vihar Vishtapit Colony in Baliyapur Block,Under D. W. &S. Division Dhanbad-2 on turnkey basis."**	5753.56000	57.54	10,000.00
2	कार्य पूर्ण करने की अवधि	21Months+3 months(trial and run)		
3	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि –	13/04/2026 / 4:00 PM		
4	प्री–बिड बैठक का स्थान एवं तिथि	20/04/2026 / 11:30 AM Office of the Engineer in-Chief D.W & S Department, Nepal House, Doranda Ranchi-2.		
5	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	30/04/2026 up to 4:00PM		
6	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेंस,झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि **Online** जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	30/04/2026 up to 4:00PM		
7	तकनीकी बिड खोलने का तिथि/समय	04/05//2026 up to 4:00PM		
8	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं0–2, धनबाद।		
9	प्रोक्यूरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	7292898986		
10	ई–प्रोक्यूरमेन्ट रोल का हेल्पलाईन संख्या	0651-248045		

- किसी भी प्रकार का बदलाव http:// Jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
- अन्य किसी भी प्रकार का बदलाव http:// Jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
- निविदा में प्राक्कलित राशि घट–बढ सकती है। तत्पश्चात अग्रधन की राशि गान्य होगी।

PR 377088 Drinking Water and Sanitation(26-27)#D

कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल संख्या–2, धनबाद

बिजनेस साइट

वीआईटी चेन्नई में विश्वविद्यालय दिवस आयोजित

वेल्लोर। वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी), चेन्नई में विश्वविद्यालय दिवसउत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ बिनोद कुमार मुख्य अतिथि रहे, जबकि वीआईटी के पूर्व छात्र मेजर वैभव चौरसिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थापक व कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन ने की। बिनोद कुमार ने छात्रों को बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने और नवाचार पर जोर देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ज्ञान और चरित्र, दोनों सफलता के लिए आवश्यक हैं। मेजर चौरसिया ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास बनाए रखते हुए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। डॉ. विश्वनाथन ने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया। समारोह के अंत में मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

खबर संक्षेप

खालिन ने कायम की आंध्र ओपन में तीन शॉट की बढ़त

विशाखापत्तनम। खालिन जोशी ने एक अंडर 70 का कार्ड खेल बृहस्पतिवार को यहां आंध्र ओपन 2026 के तीसरे दौर के बाद कुल सात अंडर 206 के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर तीन शॉट की बड़ी बढ़त कायम कर ली है। बेंगलुरु के 33 वर्षीय इस खिलाड़ी ने एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाली इस प्रतियोगिता के शुरुआती दो दौर में समान 68-68 के कार्ड खेले थे। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई में छह बार के इस विजेता खिलाड़ी के पास अब चार साल के खिताबी सूखे को खत्म करने का अच्छा मौका है। उन्होंने अपना पिछला खिताब अगस्त 2022 में कोयंबतूर में जीता था। यश-राशिद संयुक्त दूसरे स्थान पर दुबई के यश मजमुदार (71-69-69) और दिल्ली के राशिद खान (70-72-67) चार अंडर 209 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। मजमुदार ने तीसरे दिन 69 का स्कोर बनाया, जबकि राशिद ने दिन का सर्वश्रेष्ठ 67 का कार्ड खेलकर अच्छी वापसी की।

दादरा-नगर हवेली, यूपी व पंजाब सब जूनियर राष्ट्रीय हॉकी में जीते

राजगीर (बिहार)। पंजाब, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ने बृहस्पतिवार को यहां 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में डिवीजन 'ए' क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीते। दिन के पहले मैच में दादरा और नगर हवेली तथा दम और दीव ने चंडीगढ़ को 2-1 से हराया। दूसरे क्वार्टर फाइनल में पंजाब ने झारखंड को 5-3 से शिकस्त दी। तीसरे क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश ने ओडिशा को 6-3 से हराया। दिन के अंतिम मैच में मध्य प्रदेश और हरियाणा ने गोल रहित ड्रॉ खेला जिसके बाद मध्य प्रदेश ने शूट आउट में 4-3 से जीत दर्ज की।

कोलकाता नाइट राइडर्स को तीन विकेट से हराया

मुकुल चौधरी ने पलटा गेम, आखिरी गेंद पर एलएसजी ने केकेआर से छीन ली जीत

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 15वें मैच में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना लखनऊ सुपर जायंट्स से हुआ। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स में हुआ। मुकाबले में लखनऊ ने कोलकाता को तीन विकेट से हराया। कोलकाता ने लखनऊ को जीत के लिए 182 रनों का टारगेट दिया, जिसे उसने आखिरी गेंद पर हासिल कर लिया। लखनऊ की जीत के हीरो मुकुल चौधरी रहे, जिन्होंने 27 गेंदों पर नाबाद 54 रन बनाकर मैच पलट दिया। मुकुल ने सात छक्के और दो चौके लगाए।

ऐसा रहा आखिरी ओवर का रोमांच

आखिरी ओवर में लखनऊ को जीत के लिए 14 रन बनाने थे। वैभव अरोड़ा के उस ओवर में पहली गेंद पर आवेश खान ने सिंगल लिया। फिर मुकुल चौधरी ने दूसरी और पांचवीं गेंद पर छक्का लगाया जबकि आखिरी गेंद पर सिंगल लेकर उन्होंने टीम को जीत दिला दी। लखनऊ की लगातार दूसरी जीत रही। वहीं कोलकाता की चार मैचों में ये तीसरी हार रही।

एलएसजी ने केकेआर को पांच बार दी शिकस्त

आईपीएल में केकेआर और एलएसजी के बीच अब तक 7 मुकाबले खेले गए हैं। इस दौरान लखनऊ सुपर जायंट्स ने 5 और कोलकाता नाइट राइडर्स ने 2 मुकाबले जीते हैं। पिछले सीजन में दोनों टीमों के बीच एक मुकाबला आयोजित हुआ था, जिसमें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 4 रनों से जीत हासिल की थी।

लखनऊ ने शानदार तरीके से किया रन चेज

रनचेज में लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत अच्छी रही। एडेन मार्करम (22 रन) और मिचेल मार्श (15 रन) ने मिलकर पहले विकेट के लिए 41 रनों की साझेदारी की। 'इम्पैक्ट सब' वैभव अरोड़ा ने एक ही ओवर में दोनों बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। कप्तान ऋषभ पंत 10 रन बनाकर कैमरन ग्रीन का शिकार बने। निकोलस पूरन सिर्फ 13 रन बनाकर कैच आउट हुए। अब्दुल समद (2 रन) पर आउट हो गए। 'इम्पैक्ट सब' आयुष बदोनी 54 को अनुकूल रॉय ने पवेलियन भेजा। मोहम्मद शमी (1) अनुकूल रॉय को कैच थमा बैठे। शमी के आउट होने के समय एलएसजी का स्कोर 128/7 था। यहां से मुकुल चौधरी ने अकेले दम पर बाजी पलट दी।

ऐसी रही केकेआर की पारी

केकेआर ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए चार विकेट पर 181 रन बनाए। उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ही ओवर में उसने फिन एलन (9 रन) का विकेट गंवा दिया। कप्तान अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी की। रहाणे ने 24 गेंदों पर 41 रन बनाए। रहाणे के बाद अंगकृष रघुवंशी 45 रन को स्पिनर मणिमारन सिद्धार्थ ने चलता किया। उप-कप्तान रिंकू सिंह सिर्फ 4 रन बना सके। यहां से कैमरन ग्रीन और रोवमैन पॉवेल ने पांचवें विकेट के लिए 40 गेंदों पर नाबाद 70 रनों की साझेदारी कर कोलकाता नाइट राइडर्स को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप

प्रीति, मीनाक्षी, प्रिया और अरुंधति ने स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी ▶▶| मउलानबटोर (मंगोलिया)

मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा और प्रीति पवार की अगुवाई में भारत की चार महिला मुक्केबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में जीत के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किए। मीनाक्षी (48 किलोग्राम) और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किलोग्राम) के साथ प्रिया घंघास (60 किलोग्राम) और विश्व मुक्केबाजी कप की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम) ने शीर्ष स्थान हासिल किया।

भारत की अल्फिया पठान (80 किलोग्राम से अधिक) ने भी रजत पदक हासिल किया। चैंपियनशिप में अपने एकमात्र मुकाबले में उन्हें कजाकिस्तान की दीना इस्लम्बेकोवा से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदकों के साथ कुल 10 पदक जीते। कुछ भार वर्गों में हालांकि सीमित भागीदारी के कारण लवलीना बोरगोहेन (75 किलोग्राम), पूजा रानी (80 किलोग्राम) और अल्फिया जैसी खिलाड़ियों को सिर्फ भाग लेने के लिए ही पदक मिल गए। इन भार वर्गों में केवल तीन प्रतियोगी ही थे।

आईपीएल के बीच बीसीसीआई का नया फरमान, सिर्फ 16 खिलाड़ियों को ही एंट्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़े कई सख्त नियम बनाए हैं। नए नियम के मुताबिक मैच के दौरान केवल उन्हीं खिलाड़ियों को मैदान में आने या घूमने की अनुमति होगी जिनका नाम टीम शीट में शामिल होगा। शीट में सिर्फ 16 खिलाड़ियों को शामिल करने की अनुमति होगी।नए नियम के मुताबिक टीम शीट में शामिल न होने वाले खिलाड़ी ड्रिंक्स, बैट या ग्लव्स लेकर मैदान में नहीं जा सकेंगे। वे खिलाड़ियों तक कोई मैसेज भी नहीं पहुंचा सकेंगे। बाउंड्री लाइन के पास केवल 5 खिलाड़ी ही बिब पहनकर घूम सकते हैं। बाकी खिलाड़ियों को डगआउट में ही रहना होगा।

कौन-कौन होंगे शामिल

रिपोर्ट के मुताबिक, नए नियम के अनुसार प्रत्येक टीम अपने खिलाड़ियों की शीट में 16 खिलाड़ियों को शामिल कर सकती है। इसमें 11 खिलाड़ी वे होंगे जो प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। इसके अलावा, इम्पैक्ट सब के रुप में 1 और 4 खिलाड़ी रिजर्व के रूप में रखे जा सकते हैं। इन 16 खिलाड़ियों के अलावा मैदान में टीम का कोई भी अन्य सदस्य मैदान पर प्रवेश नहीं कर सकेगा।

धीमा ओवर फेंकने पर शुभमन पर लगा 12 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण जुर्माना लगाया गया है। यह मामला दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 8 अप्रैल को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले से जुड़ा है। इस रोमांचक मैच में जीटी ने डीसी को 1 रन से हरा दिया। यह इस सीजन में टीम का पहला ओवर-रेट अपराध था, जिसके चलते गिल पर कार्रवाई की गई। पहला अपराध था इसलिए 12 लाख जुर्माना आईपीएल के आधिकारिक बयान के अनुसार, आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत पहली बार धीमी ओवर गति रखने पर कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। इसी नियम के तहत गिल पर भी इतना ही जुर्माना लगाया गया। नियमों के मुताबिक, दूसरी बार अपराध पर कप्तान पर 24 लाख रुपये और टीम के अन्य खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगाया जाता है, जबकि तीसरी बार सजा और कड़ी हो जाती है।

'इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-3'

अनिमेष, हिमा सहित कई बड़े खिलाड़ी में लेंगे भाग

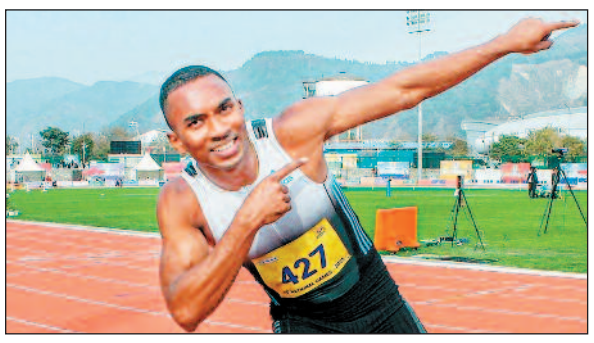

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अनिमेष कुजूर और हिमा दास की अगुवाई में कई बड़े एथलीट शनिवार को यहां होने वाली 'इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-3' में चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। इस आयोजन में खिलाड़ियों को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में हाल ही में बिछाए गए मोंडो ट्रैक पर प्रदर्शन करने का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी मिलेगा। तूर गोला फेंक प्रतियोगिता में पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे, क्योंकि इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सत्र में दो बार 20 मीटर से अधिक दूरी तक गोला फेंका है। अनिमेष सहित ये

खिलाड़ी भी ले रहे हैं भाग

अनिमेष कुजूर (पुरुष 100 मीटर और 200 मीटर) और हिमा (महिला 400 मीटर) के अलावा विशाल टीके (पुरुष 400 मीटर) और तेजिंदरपाल सिंह तूर (पुरुष गोला फेंक) जैसे राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। इसके अलावा 2025 तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में चौथा स्थान हासिल करने वाले भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव भी चुनौती पेश करते हुए दिखेंगे। इन सभी खिलाड़ियों के नाम भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा जारी प्रविष्टि सूची में शामिल हैं, हालांकि अंतिम प्रतिभागियों की पुष्टि शुक्रवार को होगी।

खिलाड़ियों को मिलेगी दिग्गजों से चुनौतियां

पुरुष 100 मीटर में अनिमेष के लिए मुकाबला आसान नहीं होगा, क्योंकि पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुरिंदरवीर सिंह भी मैदान में होंगे। गुरिंदरवीर ने पिछले महीने भुवनेश्वर में आयोजित पहली राष्ट्रीय इंडोर चैंपियनशिप में 60 मीटर का स्वर्ण पदक जीता था। इस स्पर्धा के फाइनल में कुजूर को फॉल्स स्टार्ट के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। गुरिंदरवीर का 100 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 10.20 सेकंड है, जबकि अनिमेष का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 10.18 सेकंड है। विशाल अपनी मुख्य स्पर्धा 400 मीटर के साथ 200 मीटर में भी भाग लेंगे, जहां उनके सामने अनिमेष की चुनौती होगी।

मेदवेदेव ने बेरेत्तिनी से हार के बाद रैकेट सात बार फेंका

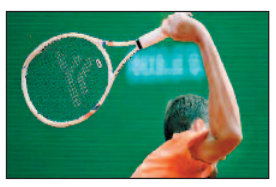

मोनाको। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने मोंटे कार्लो मास्टर्स में मातेओ बेरेत्तिनी से 6-0, 6-0 से मिली हार के बाद अपना रैकेट सात बार लाल क्लेकोर्ट पर फेंका। इस समय दसवीं रैंकिंग पर काबिज मेदवेदेव 49 मिनट में मुकाबला हार गए। उन्होंने पांच डबल फॉल्ट किये जबकि बेरेत्तिनी ने एक भी नहीं किया। मेदवेदेव इस साल क्ले पर अपना पहला मैच खेल रही थी। उन्होंने हाल ही में इंडियन वेल्स में हार्डकोर्ट पर शीर्ष रैंकिंग वाले कार्लोस अल्काराज को हराया था।

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. पर्णिता बघेल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) डॉ. फिबी मसीह (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
वसुधा केयर हॉस्पिटल
(महिला एवं बच्चों का अस्पताल | प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी)
सुविधाएं: 24x7 डिलीवरी, शिशु रोग, दूरबीन द्वारा ऑपरेशन, सोनोग्राफी, बांझपन का इलाज, खून जांच
जीवन विहार कालोनी, सृष्टि प्लाजो के पास, अवंति विहार रोड, तेलीबांधा, रायपुर, मो. 0771-3523209, 7880001064, 7880001062

श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवायें: कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, हार्ड ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), लिवर व किडनी रोग, थाइरॉयड सर्जरी, ब्रैस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पैशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरुकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

पाइल्स
क्षारकर्मा (लेप विधि) विशेषज्ञ
(ना कोई सुई, ना भर्ती 2 घंटे के बाद डिस्चार्ज)
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
13000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

बिजली नहीं, अब रोशनी से चार्ज होगा फोन और ईवी!

वैज्ञानिकों ने बनाई क्वांटम बैटरी, पलक झपकते ही होगी सौ फीसदी फुल

वॉशिंगटन। अभी तक क्या आपको भी अपना मोबाइल या इलेक्ट्रिक कार चार्ज करने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता था। तो अब वैज्ञानिकों ने आपके लिए एक ऐसा डिवाइस बना दिया है, जो सुनने में किसी चमत्कार से कम नहीं है। उन्होंने एक ऐसी क्वांटम बैटरी बनाई है, जो सिर्फ रोशनी का इस्तेमाल करके सुपरफास्ट स्पीड से चार्ज हो जाती है। इस रिसर्च को सीएसआईआरओ, आरएमआईटी और मेलबर्न विश्वविद्यालय ने मिलकर किया है। फिलहाल अभी इसका प्रोटोटाइप तैयार हुआ है। यह रिसर्च आने वाले समय में हमारी ऊर्जा की जरूरतों को पूरी तरह से बदल सकता है।

क्या है क्वांटम बैटरी?

अभी हम जो मोबाइल या लैपटॉप में बैटरी इस्तेमाल करते हैं, उनमें लिथियम-आयन बैटरियां होती हैं। इन्हें चार्ज करने के लिए बिजली की जरूरत होती है और इसमें काफी समय लगता है। लेकिन, क्वांटम बैटरी 'क्वांटम मैकेनिक्स' के सिद्धांतों पर काम करती है। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह जितनी बड़ी होगी, उतनी ही तेजी से चार्ज होगी। यह हमारे सामान्य भौतिकी के नियमों से बिल्कुल उल्टा है।

क्या है रोशनी से चार्ज होने का फंडा

इस नई रिसर्च की सबसे बड़ी बात यह है कि यह बैटरी रोशनी के कणों, मतलब फोटॉन्स को सोखकर चार्ज होती है। वैज्ञानिकों ने एक खास तरह के 'क्वांटम कैविटी' का इस्तेमाल किया है, जो रोशनी को कैद कर लेती है और उसे सीधे ऊर्जा में बदल देती है। इसके लिए आपको किसी बिजली के सॉकेट ष या चार्जर की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इससे हमारी जिंदगी पर क्या असर पड़ेगा?

अगर यह टेक्नोलॉजी सफल हो जाती है, तो जहां आज के समय में इलेक्ट्रिक कार को चार्ज करने में घंटों लगते हैं, वहीं क्वांटम बैटरी से यह काम पेट्रोल भरवाने से भी कम समय में हो जाएगा। इससे आपको स्मार्टफोन्स और लैपटॉप की चार्जिंग की झंझट भी खत्म हो जाएंगी। ऑफिस की लाइट या सूरज की रोशनी ही आपके गैजेट्स के लिए काफी होगी। इसके साथ ही सौर ऊर्जा को स्टोर करने का यह अब तक का सबसे क्रांतिकारी तरीका साबित हो सकता है।

रोचक खबरें

ये है दुनिया का सबसे तीखा पौधा, जिसके सामने फीकी है सबसे खतरनाक मिर्च

रबात। तीखेपन का नाम आते ही सबसे पहले जेहन में लाल मिर्च या हरी मिर्च का ख्याल आता है। दुनिया भर में मिर्च की ऐसी कई प्रजातियां हैं, जिन्हें खाने के नाम से ही लोगों के पसीने छूट जाते हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक पेप्पर एक्स दुनिया की सबसे तीखी मिर्च है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुदरत ने एक ऐसा पौधा भी बनाया है जिसके सामने दुनिया की सबसे धाकड़ मिर्च भी फीकी चाय जैसी लगती है? यह कोई मिर्च नहीं, बल्कि एक कैक्टस जैसा दिखने वाला साधारण सा पौधा है, जिसका तीखापन इतना जानलेवा है कि इसे केमिकल वेपन यानी रासायनिक हथियार की श्रेणी में रखा जा सकता है। ये इतना ज्यादा खतरनाक है कि इंसान की नसों को हमेशा के लिए सुन्न कर सकता है। इस पौधे के भीतर छिपा रेसिनिफेरा टॉक्सिन के कारण इसे चखना तो दूर, छूने मात्र से शरीर पर तेजाब जैसे जख्म बन सकते हैं। इसकी दो बूंद भी जान ले सकती है। मोरक्को के पहाड़ों और नाइजीरिया के कुछ हिस्सों में पाया जाने वाला यह पौधा रेजिन स्पर्ज के नाम से जाना जाता है। इसमें पाया जाने वाला रेसिनिफेरा टॉक्सिन इसे दुनिया का सबसे तीखा और दर्दनाक पौधा बनाता है।

चीन में चावल की जगह केले से तैयार होता है हड़िया, पीते ही छा जाता है नशा!

बीजिंग। आपने चावल की हड़िया, महुआ की दारू या अंगूर की वाइन के बारे में तो सुना ही होगा, लेकिन क्या कभी केले की शराब के बारे में सुना है? चीन में अब यह अनोखी शराब काफी पॉपुलर हो रही है। पके हुए केलों को खास पारंपरिक तरीके से फर्मेंट करके बनाई जाने वाली यह शराब पीते ही नशा छा जाता है और स्वाद भी बेहद स्वादिष्ट बताया जाता है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में लोग केले की शराब बनाते और पीते दिख रहे हैं। केले की शराब बनाने का तरीका काफी हद तक झारखंड की प्रसिद्ध हड़िया से मिलता-जुलता है। हड़िया में चावल को सड़ाकर फर्मेंट किया जाता है, वहीं केले की शराब में पके केलों का इस्तेमाल होता है। पारंपरिक चीनी तरीके में पहले केलों को आग में पकाया जाता है। फिर केलों को छीलकर मैश किया जाता है। इस मैश को पानी में मिलाकर गर्म किया जाता है या फिर नैचुरल यीस्ट की मदद से फर्मेंटेशन प्रोसेस शुरू किया जाता है। कुछ जगहों पर केले के गूदे को स्पाइसेस के साथ मिलाकर पेस्ट बनाया जाता है और फिर फर्मेंटेशन टैंक में रख दिया जाता है। फर्मेंटेशन के दौरान केले का शुगर अल्कोहल में बदल जाता है। पूरा प्रोसेस 7 से 20 दिनों तक चल सकता है, जिसके बाद स्वादिष्ट और थोड़ी मीठी शराब तैयार हो जाती है।

आर्टेमिस-2 के जांबाजों ने अंतरिक्ष से दिया ये संदेश

हमें भूल जाओ, मिशन को याद रखो काम बड़ा होना चाहिए, नाम नहीं

वॉशिंगटन। आमतौर पर जब कोई इंसान इतिहास रचकर अपने घर लौटता है, तो वह चाहता है कि दुनिया उसे पलकों पर बिठाए। उसका नाम इतिहास की किताबों में दर्ज हो और उसे 'सुपरहीरो' की तरह पूजा जाए। लेकिन, आर्टेमिस-2 मिशन के जरिए चांद की दहलीज तक होकर आए चार जांबाज एस्ट्रोनॉट्स की सोच बिल्कुल अलग है। धरती पर कदम रखने से ठीक पहले रीड वाइसमैन और उनकी टीम ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। उन्होंने कहा है कि 'हमें और हमारी उपलब्धियों को भूल जाओ!', लेकिन आखिर इन जांबाजों ने ऐसी 'अजीब' बात क्यों कही। क्या यह उनकी सादगी है या इसके पीछे भविष्य का कोई बड़ा विजन।

इतिहास बना, लेकिन नजरिया अलग रहा

आर्टेमिस-2 मिशन ने एक बार फिर इंसान को चांद के करीब पहुंचा दिया है। यह सफर सिर्फ टेक्नोलॉजी का नहीं, बल्कि हिम्मत और भरोसे का भी था। इतनी बड़ी उपलब्धि के बाद आमतौर पर लोग अपने नाम और पहचान को लेकर चर्चा में आ जाते हैं, लेकिन यहां कहानी थोड़ी अलग है। इस मिशन के एस्ट्रोनॉट्स ने खुद को चर्चा से दूर रखने की बात कही है।

हम नहीं, मकसद बड़ा है

मिशन से लौटने के बाद उन्होंने जो बात कही, वही अब सबसे ज्यादा सुर्खियों में है। उनका साफ कहना है कि यह मिशन किसी एक इंसान की उपलब्धि नहीं है। उनके अनुसार, यह हजारों लोगों की मेहनत का नतीजा है। इसमें कई वैज्ञानिक, इंजीनियर, टेक्नीशियन और वे सभी लोग शामिल हैं, जो पर्दे के पीछे काम करते हैं। ऐसे में सिर्फ चार चेहरों को याद रखना सही नहीं होगा।

अंतरिक्ष से धरती को देखने का अनुभव

जब ये एस्ट्रोनॉट्स चांद के पास पहुंचे, तो उन्होंने धरती को एक अलग नजर से देखा। उनके लिए यह पल सिर्फ वैज्ञानिक नहीं, बल्कि बेहद भावुक था। दूर से नीली धरती को देखकर उन्हें एहसास हुआ कि हमारा घर कितना छोटा है। यही अनुभव उन्हें और भी विनम्र बना गया।

रिकॉर्ड नहीं, जिम्मेदारी ज्यादा अहम

इस मिशन ने कई मायनों में नया इतिहास बनाया है। दूरी के मामले में भी यह एक बड़ा कदम था। लेकिन, एस्ट्रोनॉट्स का कहना है कि रिकॉर्ड बनाना ही सब कुछ नहीं होता। असली बात यह है कि इससे आगे का रास्ता तैयार होता है। अब आने वाले मिशनों के लिए जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है।

सादगी ने जीता लोगों का दिल

आज के समय में जहां हर उपलब्धि के साथ शोहरत जुड़ जाती है, वहां इन एस्ट्रोनॉट्स की सादगी लोगों को अलग नजर आ रही है। वे खुद को हीरो मानने से इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि असली हीरो वे लोग हैं, जो पर्दे के पीछे रहकर इस मिशन को सफल बनाते हैं। उनकी यह सोच सिर्फ एक बयान नहीं, बल्कि एक बड़ा संदेश है। नई पीढ़ी के लिए यह सीख है कि काम बड़ा होना चाहिए, नाम नहीं। अगर मकसद सही हो, तो पहचान अपने आप बन जाती है। उनकी यह विनम्रता आने वाले समय में कई लोगों को प्रेरित कर सकती है।

खतरे के बीच पूरा हुआ सफर

यह सफर जितना रोमांचक था, उतना ही खतरनाक भी था। अंतरिक्ष में जाना और वहां से सुरक्षित लौटना आसान बात नहीं होती है। फिलहाल अभी सभी एस्ट्रोनॉट्स धरती पर वापस आ रहे हैं। अभी भी उनका खतरा टला नहीं है। लेकिन, नासा की तैयारियों और उन्हें अपनी काबिलियत पर पूरा विश्वास है। वापसी के समय स्पेसक्राफ्ट को तेज रफ्तार और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में हर सेकंड खतरे से भरा होता है। फिर भी ये एस्ट्रोनॉट्स पूरे आत्मविश्वास के साथ इस मिशन को पूरा करने में लगे हैं।

भविष्य की तरफ एक बड़ा कदम

आर्टेमिस-2 सिर्फ एक मिशन नहीं, बल्कि आने वाले समय की नींव है। इसके बाद इंसान को फिर से चांद की सतह पर उतारने की तैयारी है। और यही नहीं, आगे चलकर मंगल जैसे बड़े लक्ष्य भी सामने हैं। इस मिशन ने यह साबित कर दिया है कि इंसान अब सिर्फ सपने नहीं देख रहा है, बल्कि उन्हें पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मोहब्बत के आगे हाइट क्या चीज है

खूबसूरत दुल्हनिया के नन्हे से दूल्हे राजा, समाज की नहीं की परवाह

अमरावती। अक्सर कहा जाता है कि प्रेम केवल दिलों का मिलन है, जिसमें रंग, रूप, कद या धन-दौलत का कोई स्थान नहीं होता. इस बात को आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम की एक युवती ने सच कर दिखाया है। राजूपेटा की रहने वाली एक बेहद खूबसूरत युवती ने समाज और परिवार की परवाह किए बिना छोटी हाइट के युवक को अपना जीवनसाथी चुना है। यह शादी अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। यह कहानी राजूपेटा के रहने वाले वेमुला शशि और एक मुस्लिम समुदाय की युवती की है। उनकी मुलाकात स्कूल में हुई थी। 9वीं कक्षा से शुरू हुई यह दोस्ती समय के साथ गहरे प्यार में बदल गई। युवक बौना (कद में छोटा) है, लेकिन युवती के लिए उसकी शारीरिक बनावट कभी बाधा नहीं बनी। उसने युवक के स्वभाव और उनके बीच के अटूट विश्वास को प्राथमिकता दी।

साहस और संघर्ष की मिसाल

वेमुला शशि वर्तमान में जिला न्यायालय में अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) के आधार पर कार्यरत हैं, वहीं युवती एक मेडिकल स्टोर में काम करती है। अपनी आजीविका खुद चलाने वाले इस जोड़े ने जब शादी का फैसला किया, तो उन्हें कड़े विरोध का सामना करना पड़ा।

पुलिस से सुरक्षा की गुहार

इस प्रेम विवाह में न केवल शारीरिक बनावट का अंतर था, बल्कि धर्म की दीवार भी थी। युवती के माता-पिता और रिश्तेदारों ने इस रिश्ते पर कड़ी आपत्ति जताई।परिवार के दबाव और सामाजिक विरोध के बावजूद, लड़की अपने फैसले पर अडिग रही। उसे न तो युवक के कद से कोई समस्या थी और न ही समाज के तानों से। जब परिजनों का विरोध बढ़ने लगा और उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर खतरा महसूस हुआ। तो इस नवविवाहित जोड़े ने इनुकुदुरुपेटा पुलिस स्टेशन में शरण ली। उन्होंने पुलिस से सुरक्षा की मांग की है और स्पष्ट कर दिया है कि वे किसी भी कीमत पर एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ेंगे। दुल्हन बोली- 9वीं क्लास में ही मैं इन्हें अपना दिल दे बैठी थी। यह अनोखी शादी उन लोगों के लिए एक मिसाल है जो प्रेम को केवल बाहरी सुंदरता के तराजू में तौलते हैं।

दुनिया को महाप्रलय से बचाने वाला गुमनाम हीरो की अनसुनी कहानी

वॉशिंगटन। जब भी हम किसी अंतरिक्ष मिशन की सफलता देखते हैं, तो हमारी नजर रॉकेट या अंतरिक्ष यात्रियों पर होती है। लेकिन, पर्दे के पीछे कुछ ऐसे लोग होते हैं, जो हर पल इस बात पर नजर रखते हैं कि कहीं अंतरिक्ष से कोई बड़ी आफत (एस्टेरॉयड) हमारी धरती की तरफ तो नहीं आ रही। नासा के माइकल डेविड हिक्स ऐसे ही एक जांबाज वैज्ञानिक थे। हाल ही में उनके

निधन की खबर आई, जिसने एस्ट्रोनॉमी की दुनिया में एक बड़ा शोक पैदा कर दिया है।

उनका सबसे बड़ा काम : माइकल का मुख्य काम एस्टेरॉयड की 'फिजिकल कैरेक्टराइजेशन' करना था। वह यह पता लगाते थे कि आसमान में तैर रहा कोई पत्थर किस चीज से बना है? इसके साथ ही वह कितनी तेजी से अपनी धुरी पर घूम रहा है? और उसका रंग और उसकी चमक कैसी है? ये जानकारियां इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि अगर कभी किसी एस्टेरॉयड को रास्ते से भटकाने की जरूरत पड़ी, तो वैज्ञानिक यह पहले से जानते होंगे कि वह पत्थर कितना मजबूत है।

कौन थे माइकल डेविड हिक्स?

माइकल डेविड हिक्स नासा की मशहूर जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी में एक वरिष्ठ एस्ट्रोनॉमर थे। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी नियर-अर्थ ऑब्जेक्ट्स, यानी उन एस्टेरॉयड और धूमकेतुओं के अध्ययन में बिता दी, जो पृथ्वी के काफी करीब से गुजरते हैं। अगर आज हमें यह पता चल पाता है कि कोई एस्टेरॉयड धरती के कितने पास से गुजरेगा या उसका आकार क्या है, तो उसमें माइकल जैसे वैज्ञानिकों की सालों की मेहनत छिपी होती है।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
कॉस्मेटिक सर्जरी
झुर्रियां, झांई, दाग, तिल, अनचाहे बाल आदि (आधुनिक लेजर द्वारा), मुहांसे, दाग, नाक, होंठ, ठोड़ी, वक्ष, पेट आदि (प्लास्टिक सर्जरी द्वारा) तथा अंग कटने-जलने की
अति विशेष चिकित्सा.
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com